दैनिक
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

रायपुर, मंगलवार, 10 फरवरी 2026 कृष्ण पक्ष-अष्टमी, विक्रम संवत -2082 / वर्ष-15 अंक- 04 पृष्ठ-12 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

जन सुराज पार्टी के अध्यक्ष प्रशांत किशोर उर्फ पीके लगता है पी के सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगा बैठे थे। जिसमें उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव रद्द कर फिर से चुनाव कराने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट के चीफ़ जस्टिस ने न सिर्फ याचिका खारिज की बल्कि कड़ी फटकार लगाकर पीके का सारा नशा हिरण कर दिया। पीके की पार्टी को पहले ही बिहार की जनता ने अंडा देकर नकार दिया था। इतनी बेइज्जती खराब होने के बाद भी मुंह उठाकर सुप्रीम कोर्ट चले गए थे। जहां मुंह की खानी पड़ी। लब्बोलुआब यह कि चौबेजी गए थे छब्बेजी बनने दुबेजी बनकर लौटे।

परीक्षा पे चर्चा : रायपुर जिले के धरसीवां क्षेत्र की छात्रा प्रधानमंत्री के परीक्षा-पे-चर्चा कार्यक्रम में हुई शामिल, पीएम मोदी से मिलकर गदगद हुए स्कूली बच्चे

पीएम ने छात्रों संग बांटी छत्तीसगढ़ी व्यंजन ठेठरी-खुरमी, मोदी बोले- अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए

रायपुर-नई दिल्ली (नवप्रदेश)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से युवाओं और छात्रों से सीधे संवाद के लिए जाने जाते हैं। इसी कड़ी में उनके लोकप्रिय कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का 9वां एडिशन भी चर्चा में रहा।

इस एडिशन के दूसरे एपिसोड में एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने न सिर्फ छात्रों बल्कि पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। पीएम मोदी ने स्टूडेंट्स के साथ छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्नैक्स

ठेठरी और खुरमी को शेयर किया। यह पल सिर्फ खाने तक सीमित नहीं था, बल्कि इसके पीछे भारत की विविध संस्कृति, परंपरा और अपनापन भी झलकता नजर आया।

पढ़ाई के साथ संस्कृति का जुड़ाव: परीक्षा पे चर्चा का मकसद केवल परीक्षा के तनाव पर बात करना नहीं है, बल्कि छात्रों को मानसिक रूप से मजबूत बनाना और उन्हें जीवन को संतुलित तरीके ■ शेष पृष्ठ 8 पर

क्या है ठेठरी और खुरमी?

ठेठरी छत्तीसगढ़ का एक नमकीन पारंपरिक स्नैक है, जो चने के आटे से बनाया जाता है। इसे खासतौर पर त्योहारों और पारिवारिक मौकों पर तैयार किया जाता है। वहीं खुरमी एक मीठा व्यंजन है, जो आटे, घी और शक्कर से बनता है और स्वाद में कुरकुरा होता है। छत्तीसगढ़ के गांवों में आज भी ये दोनों चीजें मेहमानों के स्वागत में बड़े प्यार से परोसी जाती हैं।

पीएम सर ने सभी बच्चों को दिए ठेठरी-खुरमी

रायपुर जिले के धरसीवां विधानसभा क्षेत्र के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कूंरा की छात्रा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का मौका। संस्था की प्राचार्य सुजाता बहल ने बताया कि यह शाला परिवार के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि है। कक्षा 11वी कॉमर्स की छात्रा दीक्षा वर्मा पिता सालिकराम वर्मा को

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री से रुबरु होने का अवसर मिला। दीक्षा ने बताया कि हमारे पीएम सर ने बहुत ही सहजता से उनसे बातें करते हुए बताता कि जीवन में अनुशासन एवं निरंतरता से ही कामयाबी मिलती हैं। हमें सदैव अपनी संस्कृति से जुड़े रहना चाहिए एवं बौद्धिक विकास के लिए प्रतिदिन योग करना चाहिए। पीएम सर ने अपने हाथों से छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजन खुरमी और ठेठरी हम सभी बच्चों को खिलाया।

बस्तर पंडुम : समापन कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और सीएम विष्णुदेव साय

बस्तर की पहचान बारूद नहीं, संस्कृति: शाह

जगदलपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद से नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति से है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद का तेजी से सफाया हो रहा है और सरेंडर करने वाले नक्सलियों को कोई आंच नहीं आएगी। लेकिन स्कूल और अस्पताल जलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। तय समय में नक्सलवाद खत्म होगा। शाह ने भरोसा दिलाया कि बस्तर को प्रदेश का सबसे विकसित संभाग बनाया जाएगा। उन्होंने ये बातें जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित बस्तर पंडुम के मंच से कही। इससे पहले स्वागत के दौरान उन्हें कौड़ी की माला और पारंपरिक पगड़ी पहनाई गई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बस्तर की पहचान बारूद नहीं, बल्कि उसकी समृद्ध संस्कृति और कला है। बस्तर पंडुम पहले 7 विधाओं तक सीमित था, लेकिन अब 5 नई विधाएं जुड़ने से यह 12 विधाओं का उत्सव बन गया है। उन्होंने कहा कि बस्तर की कला और संस्कृति विश्व में अद्वितीय है, जिसे प्रभु श्रीराम के समय से संजोकर रखा गया है। आयोजन में करीब 55 हजार लोगों ने भाग लिया, जिसमें दंतेवाड़ा से सबसे अधिक ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ **तय समय में खत्म होगा नक्सलवाद, बस्तर सबसे विकसित संभाग बनेगा**

■ **अमित शाह की अपील- हथियार डाल दो, विकास की मुख्यधारा में शामिल हो जाओ**

दशकों से बंद स्कूल फिर से खुल गए

गृह मंत्री शाह ने कहा कि यह क्षेत्र अब देश के सामने एक चमकते उदाहरण के रूप में उभर रहा है। दशकों से बंद स्कूल फिर से खुल गए हैं। उन्होंने वादा किया कि पांच साल के भीतर, बस्तर छत्तीसगढ़ का सबसे विकसित डिवीजन बन जाएगा। गृह मंत्री शाह ने बस्तर के आदिवासी लोगों की एक बड़ी सभा को बताया कि 27 दिसंबर तक हर गांव में बिजली, मोबाइल कनेक्टिविटी और अस्पतालों, कॉलेजों, डाकघरों और अन्य ज़रूरी सुविधाओं तक पूरी पहुंच होगी। उन्होंने आगे कहा कि सरकार सभी आदिवासी किसानों का धान खरीदेगी और मुफ्त चावल, गैस सिलेंडर और पाइप से पानी देगी, जबकि नक्सलवाद खत्म होने के बाद एडवेंचर टूरिज्म, होमस्टे, कैनोपी वॉक और ग्लास ब्रिज जैसे नए अवसरों को बढ़ावा देगी।

जनजातीय कला, शिल्प और परंपराओं का संरक्षण

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर पंडुम जनजातीय संस्कृति को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार जनजातीय कला, शिल्प और परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर पंडुम की बारह विधाओं की प्रतियोगिता में विजेता दलों से भेंट कर उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंह देव उपस्थित रहे।

शाह ने विकास परियोजनाओं का जिक्र किया, बस्तर की बदल जाएगी किस्मत

गृह मंत्री शाह ने कई बड़ी विकास परियोजनाओं की घोषणा की। एक नया 118 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र, इंद्रावती नदी पर एक सिंचाई और 120-मेगावाट बिजली परियोजना, पहले से चल रही 3,500 करोड़ रुपये की रावघाट-जगदलपुर रेल लाइन, नदी जोड़ने की पहल और 90 हजार युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण। उन्होंने कर्फ्यू जैसे माहौल से लेकर रात में मुस्कुराते चेहरों और जीवंत सांस्कृतिक नृत्यों से भरे माहौल में आए बड़े बदलाव पर ध्यान दिया, जो बस्तर के सामाजिक ताने-बाने में एक गहरे बदलाव का संकेत है।

बस्तर सबसे विकसित संभाग बनेगा

गृह मंत्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने जनजातीय कलाकारों को मंच देकर बस्तर की संस्कृति को नया जीवन दिया है और अब यह क्षेत्र विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। बस्तर को सबसे विकसित संभाग बनाया जाएगा। नक्सलवाद खत्म होते ही नई पर्यटन गतिविधियां शुरू होंगी। बस्तर में 118 एकड़ में नया औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहा है, जिससे आदिवासी युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं रावघाट योजना भी तेजी से आगे बढ़ रही है और इससे क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी।

बस्तर की तस्वीर बदल रही : विष्णुदेव साय

सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि जवानों के साहस और संकल्प से बस्तर की तस्वीर तेजी से बदल रही है। 45 साल तक नक्सलवाद से प्रभावित रहे क्षेत्र में अब शांति स्थापित हुई है। बस्तर पंडुम यहां की संस्कृति और पहचान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कभी देश में 75% नक्सल प्रभाव छत्तीसगढ़ में था, लेकिन अब यह समस्या निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है।

हंगामा: 13 मिनट में स्थगित हुई लोकसभा की कार्यवाही

■ **राहुल गांधी को बोलने नहीं देने पर विपक्ष ने किया जबरदस्त विरोध**

■ **लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है विपक्ष : सूत्र**

नई दिल्ली/एजेंसी। बजट सत्र के 9 वें दिन लोकसभा की कार्यवाही केवल 13 मिनट ही चल पाई। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही कांग्रेस समेत विपक्ष के सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया। कांग्रेस सांसद मांग कर रहे हैं कि लोकसभा में राहुल गांधी को बोलने दिया जाए। इसके बाद ही वे सदन की कार्यवाही को चलने देंगे। हालांकि, स्पीकर ओम बिरला इसके पक्ष में नहीं हैं, क्योंकि यह नियमों के खिलाफ है।

ओम बिरला ने कहा कि सदन की कार्यवाही नियमों से चलती है और वैसे ही चलेगी। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि विपक्ष लोकसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। अगर ऐसा होता है तो बजट सत्र के आने वाले दिन भी हंगामे भरे रह सकते हैं। विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही सोमवार को शुरू होने के पांच मिनट बाद ही दोपहर बारह बजे तक के लिए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राहुल गांधी को बोलने दो, वरना...

विपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की मांग कर रहा है, लेकिन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि प्रश्नकाल को पूरा हो जाने दीजिए। फिर नियम कानून के तहत चर्चा होगी। सदन की कार्यवाही आपसी सहमति और चर्चा से चलती है, लेकिन जब कांग्रेस सांसद नारे लगाते हुए वेल में आ गए तो सदन की कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया।

न्यूज गैलरी

एनीकेट में नहाने के दौरान डूबे दो बच्चे

सूरजपुर/नवप्रदेश। जिले के रामनगर में मोहरा एनिकट में रविवार को नहाने के दौरान दो नाबालिग छात्र गहरे पानी में जाने से डूब गए। सूचना पर डीडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और दोनों की तलाश शुरू की गई। देर शाम तक दोनों का कुछ पता नहीं चल सका। अंधेरा हो जाने के कारण रविवार रात को रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा। रविवार दोपहर को शिवनंदनपुर निवासी आदिल अंसारी (12 वर्ष) पिता सेराज अंसारी और जयनगर कुंजनगर निवासी अयान सद्दाम (15 वर्ष) पिता मो. जावेद दोस्तों के साथ घूमने के लिए रामनगर मोहरा एनीकट गए थे।

लॉ छात्रा की हत्या, छात्र ने खुद को मारी गोली

तरनतारन (ए.)। पंजाब के तरनतारन स्थित लॉ कॉलेज में सोमवार को छात्र ने क्लासरूम में घुसकर छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने वहीं पर खुद को भी गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मृतक छात्रा संदीप कौर (20) है। वह लॉ कॉलेज में फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट थी। वहीं आरोपी छात्र तरनतारन का प्रिंसराज सिंह है। वह भी छात्रा के साथ पढ़ता था। पुलिस ने लॉ कॉलेज को सील कर दिया है। साथ ही हत्या के कारणों की जांच कर रही है।

संसद और दिल्ली के स्कूलों में सुरक्षा अलर्ट

नई दिल्ली (वार्ता)। खालिस्तानी समर्थकों ने दिल्ली में संसद भवन को उड़ाने की धमकी दी है, जिसके बाद संसद परिसर के आसपास सुरक्षा बहुत बढ़ा दी गई है। सोमवार को दिल्ली के कई स्कूलों को धमकी भरे ईमेल भी भेजे गए, जिनमें बम विस्फोटों की चेतावनी दी गई थी।

साय कैबिनेट की बैठक कल, होंगे कई फैसले

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वपूर्ण कैबिनेट बैठक 11 फरवरी को आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में यह बैठक मंत्रालय के मंत्रिपरिषद कक्ष में सुबह 11 बजे से शुरू होगी। बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के कार्यक्रमों, प्रशासनिक फैसलों और कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होने की संभावना है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बैठक में वित्त, अवसंरचना, कृषि, उद्योग, ऊर्जा समेत अन्य प्रमुख विभागों के कई जरूरी एजेंडा पेश किए जाएंगे।

10 जिलों में बनेगी नशा विरोधी टास्क फोर्स: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में नशे के बढ़ते खतरे को देखते हुए बड़ा फैसला लिया है। 10 जिलों में जिला स्तरीय नशा विरोधी टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। इसके लिए 100 नए पदों को मंजूरी दी गई है। इन जिलों में रायपुर, महासमुंद, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, सरगुजा, कबीरधाम, जशपुर शामिल है।

योजनाओं का होगा मूल्यांकन

बैठक में राज्य में चल रही कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। साथ ही, बजट में शामिल होने वाली नई नीतियों और परियोजनाओं पर भी निर्णय की प्रक्रिया तेज की जा सकती है। सरकार के विकास रोडमैप को गति देने के लिए निवेश आकर्षण, रोजगार सृजन, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचा उन्नयन से जुड़े प्रस्ताव भी मेज पर आ सकते हैं।

शरद पवार की तबीयत बिगड़ी, पुणे के रूबी अस्पताल में भर्ती

पुणे (ए.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी -शरदचंद्र पवार (शप) के प्रमुख शरद पवार को खांसी और सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के बाद सोमवार को पुणे के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। रूबी हॉल क्लिनिक के मुख्य हृदय रोग विशेषज्ञ और प्रबंध न्यासी डॉ. परवेज ग्रांट ने बताया कि सीटी स्कैन जांच में छाती में संक्रमण पाया गया है। ग्रांट ने बताया सभी जांचों के बाद हम उन्हें (पवार को) एक दिन के लिए भर्ती कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों की एक टीम उनकी जांच कर रही है।

एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म, तड़पकर गई जान

■ **परिजनों ने किया हंगामा, डॉक्टर बोली- जेल भिजवा दूंगी**

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिले में निमोनिया से पीड़ित 35 वर्षीय मरीज की ऑक्सीजन नहीं मिलने से एंबुलेंस में मौत हो गई। एंबुलेंस में लगा ऑक्सीजन सिलेंडर पूरी तरह खाली था, जिसकी वजह से मरीज को ऑक्सीजन नहीं मिल पाई। इस वजह से उसने दम तोड़ दिया। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। इस दौरान परिजनों और अस्पताल की लेडी डॉक्टर के बीच जमकर बहस हुई। परिजनों ने कहा, आपको विनम्रता से बात करना चाहिए। इस पर डॉक्टर ने गुस्से में कहा- ऐसे लोगों के लिए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

हालात बिगड़ने पर मौके पर पहुंची पुलिस

हालात बिगड़ते देख कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। पुलिस की समझाइश के बाद शव को एंबुलेंस से ले जाया गया, जिसके बाद प्रदर्शन शांत हुआ। हालांकि, परिजन अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही की जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

गरमा-गरम

सराफा कारोबार : सोना आज 3,515 रुपये महंगा हुआ, 10 ग्राम की कीमत 1.56 लाख रुपये तक पहुंची

चौका रही सोने-चांदी की चाल, सिल्वर 17 हजार बढ़कर 2.62 लाख रुपये किलो

नई दिल्ली/एजेंसी। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 9 फरवरी को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,515 रुपये बढ़कर 1,55,593 रुपये हो गया है। इससे पहले से 1,52,078 रुपये पर था।

चांदी 16,826 रुपये बढ़कर 2,61,755 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले ये 2,44,929 रुपये पर थी। सर्राफा बाजार में सोने ने 29 जनवरी को 1,76,121 और चांदी ने 4 लाख रुपये तक की कीमत को पार कर लिया था। सोने-चांदी की बढ़ती घटती कीमतों को लेकर निवेशक भी चिंतित नजर आ रहे हैं।

सस्ते दामों पर खरीदारी कर रहे लोग

पिछले तीन कारोबारी सत्रों में सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट आई थी। इस दौरान सोना करीब 15% तक सस्ता हो गया था। अब कीमतें स्थिर होते ही निवेशकों ने निचले स्तर पर खरीदारी शुरू कर दी है। हालांकि, जानकारों का कहना है कि अभी सोने-चांदी में एकमुश्त पैसा लगाने से बचना चाहिए। इसकी जगह धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा फायदेमंद होगा।

2025 में सोना 75% और चांदी 167% महंगी हुई

■ 2025 में सोना 57 हजार रुपये (75%) बढ़ा है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपये का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपये हो गया।

■ चांदी इस दौरान 1.44 लाख रुपये (167%) बढ़ी। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी 86,017 रुपये की थी, जो साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपये प्रति किलो हो गई।

शराब घोटाला केस: सौम्या को हाईकोर्ट जाने के निर्देश

■ **चैतन्य बघेल की जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में एक हफ्ते बाद होगी सुनवाई**

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में चैतन्य बघेल की जमानत को चुनौती देने वाली छत्तीसगढ़ सरकारी की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ मामले में अब एक सप्ताह बाद सुनवाई करने की बात कही है। वहीं, सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट जाने के निर्देश। सरकार की ओर से सीनियर एडवोकेट महेश जेठमलानी ने पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया कि चैतन्य बघेल को जमानत मिलने के बाद एक अहम गवाह सामने नहीं आ रहा है। उन्होंने तर्क दिया कि ऐसी स्थिति में जांच प्रभावित हो सकती है। जेठमालानी ने चैतन्य की जमानत आदेश पर पुनर्विचार करने की बात रखी।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25
डबल इंजन की सरकार में विकास सुपरफास्ट
रावघाट- जगदलपुर रेल परियोजना के साथ रेल नेटवर्क मैप से जुड़ रहा बस्तर
पीएम जनमन योजना के साथ जनजाति समुदाय का हो रहा विकास
दक्षिण छत्तीसगढ़ में बोधघाट परियोजना बनेगी हरियाली और समृद्धि का वरदान
महतारी वंदन से महिलाओं को संबल
किसानों को बकाया बोनस, पीएम किसान सम्मान निधि का भी लाभ
26 लाख से अधिक परिवारों को अपना पक्का आवास
जगदलपुर - विशाखापत्तनम और रायपुर- विशाखापट्नम नई सड़क परियोजनाओं से विकास की नई राहें
स्पष्ट नीति और मजबूत निर्णयों के साथ सुशासन का राज
S- 46810
सुशासन से समृद्धि की ओर
ChhattisgarhCMO
DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

न्यूज गैलरी

25.24 लाख किसानों ने बेचा धान 2.28 लाख पंजीकृत हुए वंचित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के दौरान समर्थन मूल्य पर कुल 141.04 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है। इस सीजन में 27.53 लाख किसानों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 25.24 लाख किसानों ने धान विक्रय किया। इस तरह करीब 92 प्रतिशत पंजीकृत किसानों ने धान बेचा, जबकि 2.28 लाख पंजीकृत किसान धान नहीं बेच पाए। खाद्य विभाग के अनुसार, चालू खरीफ विपणन वर्ष में 25.31 लाख किसानों को धान विक्रय के लिए 29.03 लाख टोकन जारी किए गए थे। इनमें से 25.24 लाख किसानों से धान की खरीदी की गई। धान खरीदी का कार्य 15 नवंबर 2025 से 31 जनवरी 2026 तक चला। बाद में 5 और 6 फरवरी को अवधि बढ़ाकर छूटे किसानों से 1.18 लाख मीट्रिक टन धान की अतिरिक्त खरीदी की गई। गौरतलब है कि पिछले खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में 25.49 लाख किसानों से 149.25 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी। उस वर्ष कुल 27.79 लाख किसानों ने पंजीयन कराया था और 25.53 लाख किसानों को 31.07 लाख टोकन जारी किए गए थे। चालू सीजन में धान उठाव की रफ्तार धीमी रहने से कई उपार्जन केन्द्रों में धान जाम है। राइस मिलर्स द्वारा धान का उठाव अपेक्षाकृत कम होने से कई केन्द्रों में सूखत बढ़ने का खतरा बना हुआ है। कस्टम मिलिंग और चावल उपार्जन में भी अपेक्षित गति नहीं आ पाई है। वहीं, मार्कफेड और खाद्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि मिलर्स द्वारा धान उठाव शुरू कर दिया गया है और संग्रहण केन्द्रों के लिए भी धान का परिवहन जारी है।

निधन

भगवानी जेठानंद

रायपुर/नवप्रदेश। मकान न.532/ केसी विला सिविल लाइन रायपुर निवासी भगवानी जेठानंद आसवानी जी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके प्रभु चरणों में लीन हो गई है । अंतिम यात्रा कल 10 फरवरी मंगलवार दोपहर 1 बजे निवास स्थान से न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम रायपुर जाएगी। **शोकाकुल परिवार :** भतीजे - राजेश, नरेश, नवीन आसवानी, पौत्र - आशीष, रचित आसवानी एवम् समस्त आसवानी एवम् सचदेव परिवार।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र बैठक का एजेंडा तैयार, फैसलों का इंतजार

एससीआर प्राधिकरण में सीईओ की नियुक्ति लटकी, कामकाज ठप

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की तर्ज पर छत्तीसगढ़ में रायपुर, नवा रायपुर और दुर्ग-भिलाई को मिलाकर स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) विकसित करने की प्रक्रिया फिलहाल सुस्त पड़ गई है। छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति अब तक नहीं हो सकी है। इसके चलते प्राधिकरण का कामकाज आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

हालांकि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में संचालक मंडल का गठन पहले ही किया जा चुका है, लेकिन सीईओ की पदस्थापना नहीं होने के कारण संचालक मंडल की पहली बैठक नहीं हो पाई है। आवास एवं पर्यावरण विभाग ने बैठक के लिए एजेंडा तैयार कर लिया है। सीईओ की नियुक्ति के बाद संचालक मंडल की पहली बैठक में कई अहम निर्णय लिए जाने हैं।

प्रस्तावित एजेंडे में एससीआर के क्षेत्र को अधिसूचित करने, सर्वे के लिए कंसल्टेंसी चयन, नवा रायपुर-रायपुर-दुर्ग-भिलाई मेट्रो रेल परियोजना के लिए डीपीआर तैयार करने हेतु सलाहकार संस्था के चयन जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

210 पदों को मिल चुकी है मंजूरी

आधिकारिक जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के सेटअप के लिए 210 पदों को पूर्व में स्वीकृति दी जा चुकी है। प्राधिकरण के सीईओ की नियुक्ति से संबंधित फाइल करीब पखवाड़ेभर पहले अनुमोदन के लिए मुख्य सचिव को भेजी गई है, लेकिन अब तक शासन स्तर पर पदस्थापना नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि एससीआर के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किसी वरिष्ठ और अनुभवी आईएएस अधिकारी को सीईओ बनाए जाने की संभावना है। प्राधिकरण का मुख्यालय नवा रायपुर में प्रस्तावित है। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र की योजना, समन्वय, पर्यवेक्षण और विकास से जुड़े निर्णयों के लिए छत्तीसगढ़ राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाले संचालक मंडल में आवास मंत्री, नगरीय प्रशासन मंत्री, लोक निर्माण मंत्री, मुख्य सचिव, आवास सचिव, नगरीय प्रशासन सचिव, पीडब्ल्यूडी सचिव और वित्त सचिव शामिल हैं। सीईओ को सदस्य संयोजक बनाया गया है।

6 हजार वर्ग किमी में फैलेगा एससीआर

प्रस्तावित एससीआर में रायपुर, नवा रायपुर और दुर्ग-भिलाई सहित आसपास का करीब 6000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल होगा। भविष्य में इसका विस्तार राजनांदगांव तक किए जाने की भी संभावना है। क्षेत्र अधिसूचित होने के बाद अधोसंरचना विकास से जुड़े कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है।

इकोनॉमिक मास्टर प्लान की तैयारी

एससीआर का क्षेत्र तय करने के लिए कंसल्टेंसी चयन की प्रक्रिया चल रही है। चयनित कंसल्टेंसी फर्म परिदृश्य विश्लेषण कर विस्तृत इकोनॉमिक मास्टर प्लान तैयार करेगी। इसमें प्रमुख परियोजनाएं, भूमि उपयोग, औद्योगिक पार्क, सड़क नेटवर्क सहित अन्य विकास कार्य शामिल होंगे।

2031 तक 50 लाख आबादी का अनुमान

एससीआर क्षेत्र में वर्ष 2031 तक करीब 50 लाख की आबादी का अनुमान है। राज्य बजट में एससीआर कार्यालय, सर्वे और डीपीआर तैयार करने के लिए 5 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। राजधानी क्षेत्र के समग्र विकास का रोडमैप भी तैयार किया जाएगा।

कच्चे घर से सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थायी जीवन की ओर बढ़ा कदम

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण देश के लाखों जरूरतमंद परिवारों को कच्चे और असुरक्षित आवासों से निकालकर पक्के, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रही है। इसी कड़ी में जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत वनांचल ग्राम कल्लूटोला निवासी श्री उदेराम साहू का पक्के मकान का सपना साकार हुआ है।

वर्षों की कठिनाई, अब मिली राहत: श्री उदेराम साहू ने बताया कि सीमित आय एवं कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे वर्षों तक कच्चे मकान में परिवार सहित रहने को विवश थे। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, दीवारों में दरारें और परिवार की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। इन परिस्थितियों के कारण स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता था।

1.20 लाख रुपये की सहायता से बना पक्का और टिकाऊ आवास : प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत श्री उदेराम साहू को 1 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता राशि से उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए पक्का, सुरक्षित एवं टिकाऊ आवास का निर्माण सफ्लतापूर्वक पूर्ण किया।

मनरेगा से मिला रोजगार, बिना ऋण के पूरा हुआ निर्माण : आवास निर्माण के दौरान मनरेगा योजना अंतर्गत 90 दिवस की मजदूरी भी उपलब्ध हुई, जिससे उन्हें निर्माण अवधि में रोजगार एवं आय का स्थायी स्रोत मिला। इससे अतिरिक्त ऋण लेने की आवश्यकता नहीं पड़ी और आर्थिक बोझ से राहत मिली।

स्वच्छ भारत मिशन से मिला शौचालय का लाभ : इसके अतिरिक्त स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय निर्माण से परिवार को स्वच्छता, बेहतर स्वास्थ्य एवं गरिमापूर्ण जीवन का लाभ प्राप्त हो रहा है।

जीवन-शैली में आया सकारात्मक बदलाव

श्री उदेराम साहू ने बताया कि पक्का आवास बनने के बाद परिवार की जीवन-शैली में उल्लेखनीय सुधार आया है। अब सुरक्षित आवास, स्वच्छ वातावरण, बेहतर स्वास्थ्य तथा बच्चों की शिक्षा के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ उपलब्ध हैं। इस योजना के माध्यम से न केवल आवास सुविधा सुनिश्चित हुई है, बल्कि परिवार का सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण भी हुआ है।

परीक्षा-पे-चर्चा : छत्तीसगढ़ से लाखों विद्यार्थियों शिक्षकों और पालकों की उत्साहजनक सहभागिता

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के प्रथम चरण का सीधा प्रसारण दिनांक 6 फरवरी 2026 को देशभर के विद्यालयों में किया गया। इस चरण में छत्तीसगढ़ राज्य से अत्यंत उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली।

राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 36,903 विद्यालयों में इस कार्यक्रम का प्रसारण हुआ, जिसे 26.65 लाख विद्यार्थियों, 1.54 लाख शिक्षकों एवं 1.68 लाख पालकों सहित कुल 29.87 लाख दर्शकों ने देखा। इसके अतिरिक्त, समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु 478 सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम देखने की व्यवस्था की गई, जहाँ लगभग 42 हजार नागरिकों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया। प्रथम चरण में महासमुंद जिले की कक्षा 12वीं की छात्रा कु. सृष्टि साहू को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से सीधे प्रश्न पूछने का अवसर प्राप्त हुआ, जो राज्य के लिए गर्व का विषय रहा।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का द्वितीय चरण दिनांक 9 फरवरी 2026 को आयोजित किया गया, जिसमें भी छत्तीसगढ़ राज्य की व्यापक एवं सक्रिय सहभागिता रही। इस चरण में राज्य के 36,905 विद्यालयों से कार्यक्रम प्रसारित किया गया, जिसे 26.65 लाख विद्यार्थी, 1.54 लाख शिक्षक एवं 1.68 लाख पालकों सहित कुल 29.89 लाख दर्शकों ने देखा। साथ ही, पूर्ववत 478 सार्वजनिक स्थलों पर सामूहिक रूप से कार्यक्रम देखने की व्यवस्था की गई, जिससे 42 हजार लोगों ने लाभ प्राप्त किया।

जेआर दानी स्कूल में उत्साह से सुना गया परीक्षा पे चर्चा

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी जी का विद्यार्थियो के साथ आत्मीय संवाद कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा के दूसरे एपिसोड के प्रसारण को जे आर दानी स्कूल की समस्त छात्राओं, पालक गण, प्राचार्य, शाला विकास समिति और शिक्षकों ने रुचि पूर्वक देखा और सुना। प्रसारण पूर्व शाला विकास समिति की अध्यक्ष श्रीमती रंजना महावर और प्राचार्य डॉ हितेष दीवान ने मा सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। प्रसारण पश्चात प्राचार्य डॉ हितेष दीवान ने प्रधानमंत्री जी के बताए हुए मार्गदर्शन पर विद्यार्थियों के साथ बातचीत करते हुए कहा कि जीवन मे माता पिता और शिक्षक इन तीन गुरुओ का विशेष महत्व है. वहीं परीक्षा को उत्सव की तरह मनाने की बात कहते हुए उन्होंने सभी छात्राओं को आगामी परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दी ।

नवा रायपुर में 169 करोड़ से बनेगा 11 मंजिला 'आयोग भवन'

रायपुर/नवप्रदेश। नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-24 में शासकीय विभागों, आयोगों और निगमों के कार्यालयों के लिए एक विशाल बहुमंजिला भवन का निर्माण किया जा रहा है। इसे 'आयोग भवन' नाम दिया गया है। करीब 169 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह भवन 11 मंजिला होगा और इसमें राज्य के सभी 33 आयोगों के कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे।

नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण के अनुसार, यह भवन करीब 1.5 लाख वर्गफीट क्षेत्र में बनाया जा रहा है। आयोग भवन में वाहन पार्किंग, लिफ्ट सहित तमाम आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। भवन निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और कार्य का ठेका डीवी प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है। इसी कंपनी द्वारा नवा रायपुर में नवीन विधानसभा भवन का निर्माण किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि निर्माणाधीन आयोग भवन दिसंबर 2027 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद विभिन्न आयोगों को यहां कार्यालयीन स्पेस आवंटित किया जाएगा। वर्तमान में राज्य के आयोगों के दफ्तर अलग-अलग स्थानों पर संचालित हो रहे हैं।

गुजराती सम्मेलन : सर्व गुजराती समाज छत्तीसगढ़ का भव्य सामाजिक आयोजन

'डायरो' में सजी गुजरात की भक्ति-संस्कृति की गौरवगाथा

रायपुर/नवप्रदेश। एन.आर. गुजराती फाउंडेशन, गांधीनगर (गुजरात), सर्व गुजराती समाज छत्तीसगढ़ एवं एन.आर. गुजराती एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 8 फरवरी को गुजराती स्कूल परिसर, रायपुर में एन.आर. गुजराती सम्मेलन एवं गुजरात की प्रसिद्ध लोककला 'डायरो' का भव्य आयोजन किया गया। सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से यह कार्यक्रम अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

आयोजन में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक राजेश मूणत, विधायक पुरंदर मिश्रा, विधायक सुनील सोनी, उड़ीसा के नुआपाड़ा से विधायक जय राजेंद्र डोलकिया, रायपुर नगर निगम के सभापति सूर्यकांत राठौर तथा गुजरात सरकार के एन.आर. गुजराती फाउंडेशन, गांधीनगर से ज्योतिबेन तेली विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में गुजरात की भक्ति, संस्कृति, परंपरा एवं प्राचीन शौर्य गाथाओं की भावनात्मक प्रस्तुति ने उपस्थित समाजजनों को भावविभोर कर दिया। सर्व गुजराती समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष प्रीतेश गांधी ने कहा कि गुजराती समाज ने देश के आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विकास में ऐतिहासिक योगदान दिया है। अपनी परंपराओं और मूल्यों से जुड़े रहकर समाज निरंतर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को साकार करने में सहभागी बन रहा है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं।

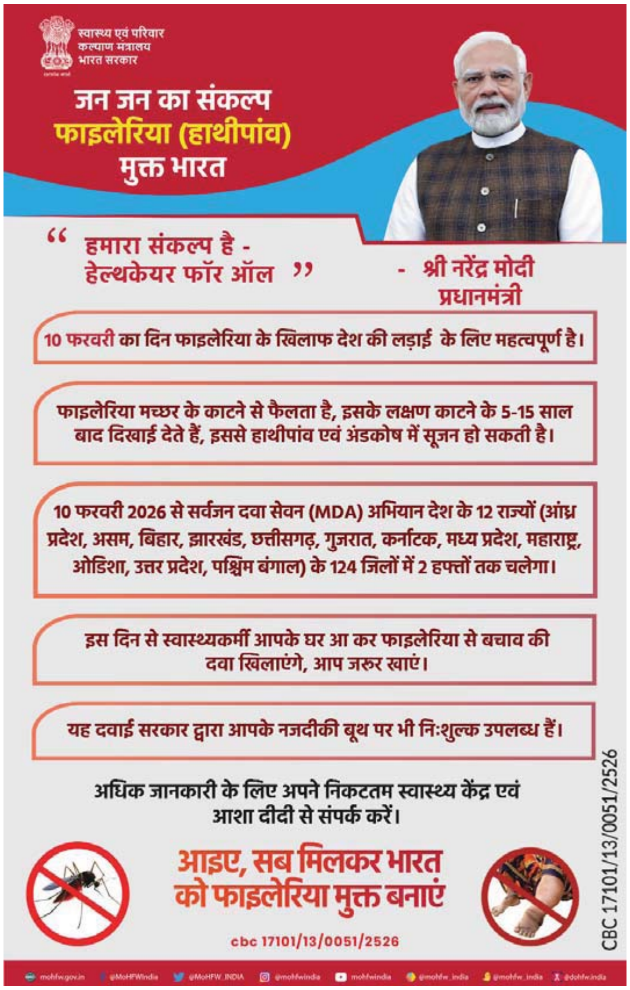

मैनपाट महोत्सव का सीएम साय करेंगे शुभारंभ, मनोज तिवारी-कनिका कपूर बिखेरेंगे गायकी का जादू

■ 13 फरवरी से शुरुआत, नामी कलाकार देंगे प्रस्तुति, एडवेंचर गेम्स का होगा आयोजन

सरगुजा/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ का शिमला कहे जाने वाले मैनपाट में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मैनपाट महोत्सव 2026 का आयोजन 13 से 15 फरवरी तक किया जाएगा। यह महोत्सव तीन दिनों तक चलेगा, जिसमें भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी, बॉलीवुड गायिका कनिका कपूर सहित कई नामी कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव के दौरान एडवेंचर गेम्स, बोटिंग, झूले, भव्य मेला और दंगल जैसे आकर्षक आयोजन भी किए जाएंगे। मैनपाट महोत्सव का शुभारंभ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय करेंगे। आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं। लंबे समय बाद इस महोत्सव की रौनक फिर से लौटती नजर आ रही है। पिछले कुछ सालों में आयोजन औपचारिकता तक सीमित रह गया था, लेकिन इस बार इसे भव्य रूप दिया जा रहा है। राज्य शासन द्वारा इस महोत्सव के लिए 10 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य मैनपाट में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देना और सैलानियों को आकर्षित करना है। महोत्सव का समापन 15 फरवरी रविवार को होगा। अंतिम दिन बॉलीवुड की मशहूर सिंगर कनिका कपूर अपनी प्रस्तुति देंगी। उनके अलावे रायगढ़ घराने की कत्थक नृत्यांगना ज्योतिश्री वैष्णव, छत्तीसगढ़ के उभरते गायक आयुष नामदेव भी अपनी प्रस्तुति देंगे। मैनपाट की सुरम्य वादियां सैलानियों को बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सालभर यहां सैलानी पहुंचते हैं। खासकर ठंड के दिनों में मैनपाट में सैलानियों की सर्वाधिक संख्या होती है।

दूसरा दिन छत्तीसगढ़ के कलाकार देंगे प्रस्तुति

आयोजन के दूसरे दिन 14 फरवरी शनिवार को सरगुजा के मशहूर गायक स्वप्निल जायसवाल, छत्तीसगढ़ी गायिका अलका चंद्राकर, इंडियन आइडल और सारे-गा-मा-पा जैसी रियलिटी शोज की फेम वैशाली रायकवार अपनी प्रस्तुति देंगे। ओडिशा के कलाकारों की भागीदारी भी इस दिन विशेष रहेगी। अन्य रंगारंग कार्यक्रम माहौल को मनोरंजक बनाएंगे।

पहले दिन भोजपुरी स्टार मनोज तिवारी बांधेगे शमा

13 फरवरी (शुक्रवार) को महोत्सव का शुभारंभ होगा। पहले दिन भाजपा सांसद और भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार मनोज तिवारी मंच पर प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा पहले दिन छत्तीसगढ़ी गायक सुनील सोनी और ओडिशा के प्रसिद्ध छउ नृत्य कलाकार हरिपद मोहंता भी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही स्थानीय कलाकार भी रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

न्यूज गैलरी

16 किलो चांदी बरामद, दो नाबालिग समेत तीन गिरफ्तार

चिरमिरी। एमसीबी जिले के चिरमिरी शहर स्थित पोड़ी क्षेत्र में चोरी के मामले में एक मुख्य आरोपी समेत दो नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से सोने-चांदी के जेवर समेत अन्य चोरी हुआ सामान बरामद किया है, बल्कि सर्चिंग के दौरान लावारिस हालत में मिले करीब 18 लाख रुपए मूल्य के 16 किलोग्राम चांदी के जेवर भी जब्त किए हैं। मामले में 3 फरवरी को सौरभ सरकार ने थाना पोड़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि चोरों ने उनके घर का ताला तोड़कर अलमारी से सोने-चांदी के जेवर, सिक्के, लैपटॉप और मोबाइल फोन चोरी कर लिए हैं। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। थाना प्रभारी विवेक पाटले ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस टीम ने केराडोल बस्ती में दबिश दी। इस दौरान पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे राजिम बंसल (18 वर्ष) और दो नाबालिगों को घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने चोरी की वारदात को स्वीकार कर लिया। आरोपियों के पास मौजूद एक पोटली की तलाशी लेने पर उसमें 16 किलो चांदी के जेवर बरामद हुए, जिनकी कीमत 18 लाख आंकी गई है। इसके अलावा आरोपियों से 2 लैपटॉप, 4 मोबाइल फोन, 2 सूटकेस, 3 पीतल की थालियां और अन्य सोने-चांदी के जेवर भी बरामद किए गए हैं। कार्रवाई के दौरान केराडोल साजा पहाड़ मुख्य मार्ग के पास सर्चिंग करते समय पुलिस टीम को पुरानी साड़ी में लिपटी एक भारी पोटली भी मिली। मामले में एसपी रत्ना सिंह ने पोड़ी पुलिस और साइबर सेल की टीम का गठन किया था।

मेडिकल कॉलेज में फॉल्स सीलिंग गिरी, हादसा टला

जगदलपुर/नवप्रदेश। शहर के मेडिकल कॉलेज के ग्राउंड फ्लोर पर लगे फॉल्स सिलिंग गिरने से बड़ा हादसा होने से टल गया। यह घटना दवा वितरण केंद्र के पास हुई, जहां अचानक फाल्स सिलिंग नीचे गिर गई। सिलिंग के साथ-साथ छत में लगी सीमेंट के टुकड़े भी जमीन पर आ गिरे। इस दौरान किसी का वहां मौजूद न होना एक बड़ी राहत की बात रही, वरना गंभीर चोट या बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। मिली जानकारी के अनुसार, अस्पताल के कई हिस्सों में फॉल्स सिलिंग जर्जर हो चुकी है और यह कभी भी गिर सकती है।खासतौर से ग्राउंड फ्लोर, जहां मरीजों और स्टाफका लगातार आना-जाना होता है, वहां इस तरह की घटना गंभीर खतरे की घंटी है। फॉल्स सिलिंग कमजोर होने की वजह से यह हादसा हुआ। अस्पताल प्रशासन की ओर से पीडब्लूडी विभाग को बताया गया है कि तुरंत सभी जर्जर फॉल्स सिलिंग की जांच कराकर उन्हें बदलवाया जाए। इस घटना ने अस्पताल प्रशासन और जनता दोनों में चिंता बढ़ा दी है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि अस्पताल में लगातार आने-जाने वाले लोग किसी भी समय इस तरह की दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं। हादसे के बाद अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल प्रभावित क्षेत्र को खाली करवा दिया और वहां सुरक्षा के इंतजाम किए।

पुरानी रंजिश के चलते युवक की बेरहमी से पिटाई, केस दर्ज

रायगढ़/नवप्रदेश। रायगढ़ जिले में पुरानी रंजिश के चलते 7 से 8 युवकों ने एक युवक की जमकर पिटाई कर दी। घटना के बाद आरोपी युवक बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। मारपीट की पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का। जानकारी के अनुसार, वायरल वीडियो करीब 4 दिन पुराना है, जो अब सोशल मीडिया पर अब वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कुछ युवक अलग-अलग बाइक और स्कूटी पर सवार होकर गाली-गलौज करते हुए घूम रहे हैं। लक्ष्मीपुर रोड से रामभांठा की ओर जाने वाले रास्ते के पास आरोपियों ने स्कूटी सवार दो युवकों को रोका। इसके बाद एक युवक को सभी ने मिलकर लात-घूंसों से जमकर पीटा। इस दौरान मौके पर कोई बीच-बचाव करने वाला नहीं था, जिससे युवक को गंभीर रूप से पीटा गया।जानकारी के मुताबिक, मारपीट करने वाले युवकों के ही ग्रुप में शामिल किसी एक युवक ने घटना का वीडियो बना लिया। बताया जा रहा है कि पीड़ित दीनदयाल कॉलोनी क्षेत्र का रहने वाला है। जबकि मारपीट करने वाले युवक इंदिरा नगर और आसपास के अलग-अलग मोहल्लों के रहने वाले बताए जा रहे हैं। कोतवाली थाना प्रभारी सुखनंदन पटेल ने बताया कि यह मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि घटना को लेकर पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। अब आरोपियों की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपियों को पकड़कर पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

भवन निर्माण के लिए जमीन आबंटन करने ग्रामवासियों से चर्चा हुई

गरियाबंद/नवप्रदेश। गरियाबंद जिला मुख्यालय में अथक प्रयास के बाद जिला मुख्यालय में कन्या महाविद्यालय की स्वीकृति हुई है, वर्तमान में वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संचालित है जिसके लिए भवन निर्माण हेतु जमीन आबंटन करने हेतु विगत दिनों तहसीलदार चितेश देवांगन ने ग्राम पंचायत डोंगरीगाँव में स्थानीय ग्रामवासी एवं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, प्रबुद्ध नागरिकों की एक बैठक हुई जिसमें तहसीलदार चितेश देवांगन ने बताया कि ग्राम डोंगरीगाँव में 200 एकड़ घांस जमीन है जो कि कन्या महाविद्यालय गरियाबंद भवन के लिए 10 एकड़ जमीन उपलब्ध कराना है जिसमें आपके ग्राम डोंगरीगाँव में जमीन आबंटन किया जाना है । ग्रामीणों के कुछ लोगों के विरोध किए जाने पर तहसीलदार श्री देवांगन जी ने ग्रामीणों को समझाया कि यह शिक्षण संस्था के निर्माण होने से आप सब लोगों को ज्यादा फायदा मिलेगा, बच्चियाँ पढ़ेंगी, आप लोगों को रोजगार मिलेगा। उपस्थित जनप्रतिनिधि में जनपद अध्यक्ष सोहन लाल ध्रुव, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष लेखराम साहू, नगरपालिका परिषद गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम यादव, गरियाबंद वरिष्ठ नागरिक मुरलीधर सिन्हा, अमित मिरी, पत्रकार महेन्द्र सहीस, पटवारी मनोज कुमार कंवर, मनोज खरे आदि उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने रिटायर्ड लेक्चरर को दी राहत, जारी वसूली आदेश निरस्त

रिटायरमेंट के छह माह बाद जीपीएफ से वसूली अवैध, कोर्ट ने आदेश किया निरस्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी शासकीय अधिकारी या कर्मचारी के रिटायरमेंट होने के छह माह बाद सामान्य भविष्य निधि की राशि से किसी भी प्रकार की वसूली नहीं की जा सकती। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने एक रिटायर्ड लेक्चरर को राहत देते हुए उनके खिलाफ जारी वसूली आदेश को निरस्त कर दिया। दरअसल, मामला जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ निवासी लक्ष्मीनारायण तिवारी से जुड़ा है। वे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ससहा में व्याख्याता के पद पर पदस्थ थे। लक्ष्मीनारायण तिवारी 31 जनवरी 2011 को 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर रिटायरमेंट हुए थे। रिटायरमेंट के करीब 12 साल बाद महालेखाकार कार्यालय रायपुर ने उनके जीपीएफ खाते में ऋणात्मक शेष दर्शाते हुए उनके खिलाफ वसूली आदेश जारी कर दिया। इस आदेश से परेशान होकर लक्ष्मीनारायण तिवारी ने

अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय और ऋषभदेव साहू के माध्यम से हाईकोर्ट में रिट याचिका दायर कर वसूली आदेश को चुनौती दी।

हाईकोर्ट ने किया वसूली आदेश को निरस्त

हाईकोर्ट ने प्रस्तुत तर्कों और न्यायिक दृष्टांतों से सहमति जताते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के 12 साल बाद जारी किया गया वसूली आदेश विधि के विपरीत है। इसके बाद न्यायालय ने कार्यालय महालेखाकार रायपुर की ओर से जारी वसूली आदेश को निरस्त कर दिया।

12 साल बाद की जा रही थी वसूली

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय ने कोर्ट में तर्क दिया। उन्होंने कहा कि जबलपुर हाईकोर्ट के रामनारायण शर्मा बनाम मध्यप्रदेश राज्य मामले में यह स्पष्ट किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के डीआर मंडावी बनाम छत्तीसगढ़ शासन और हृदयनारायण शुक्ला बनाम छत्तीसगढ़ शासन मामलों में भी यही बात कही गई है। इन फैसलों में कहा गया है कि शासकीय कर्मचारी के रिटायरमेंट के 6 माह के भीतर ही देयकों की वसूली की जा सकती है। इसके बाद वसूली करना नियमों के खिलाफहै। पेंशन नियम 65 के तहत 6 माह के भीतर ही वसूली का प्रावधान-इसके साथ ही छत्तीसगढ़ सिविल सेवा पेंशन नियम, 1976 के नियम 65 का हवाला देते हुए बताया गया कि यदि किसी शासकीय सेवक के लक्कस्न खाते में ऋणात्मक शेष पाया जाता है, तो सेवानिवृत्ति की तिथि से केवल 6 माह की अवधि के भीतर ही वसूली की जा सकती है। निर्धारित समय-सीमा के बाद लक्कस्न राशि से किसी भी प्रकार की वसूली कानूनन गलत है।

जेल प्रहरी की बर्खास्तगी हाई कोर्ट ने रद्द की

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में रायपुर केंद्रीय जेल के प्रहरी लखनलाल जायसवाल की बर्खास्तगी को निरस्त करते हुए उनकी तत्काल सेवा बहाली के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि केवल इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित अपुष्ट वीडियो के आधार पर किसी कर्मचारी को दंडित करना न्यायसंगत नहीं है। मामले की सुनवाई जस्टिस पी.पी. साहू की सिंगल बेंच ने की। कोर्ट ने 31 दिसंबर 2024 और 6 अगस्त 2025 को जारी बर्खास्तगी आदेशों को रद्द कर दिया।

एनडीपीएस मामलों की जांच मजबूत करने प्रशिक्षण कार्यशाला

■ जशपुर में पुलिस अधिकारियों को न्यायाधीश-अभियोजन ने दिए टिप्स

जशपुर/नवप्रदेश। जशपुर जिले में नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने और एनडीपीएस एक्ट के मामलों की जांच को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला 8 फरवरी 2026 को एसपी कार्यालय के मीटिंग हॉल में संपन्न हुई। इसमें जिले के सभी पुलिस अधिकारी और विवेचक शामिल हुए। कार्यशाला में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश शैलेंद्र पटवर्धन, डिप्टी डायरेक्टर (अभियोजन) सुरेश कुमार साहू, सहायक निदेशक अभियोजन विपिन कुमार और सहायक जिला अभियोजन अधिकारी विवेक शर्मा ने अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने एनडीपीएस एक्ट के मामलों में कानूनी प्रक्रियाओं, साक्ष्य संकलन, जब्ती, सैंपलिंग, दस्तावेजी साक्ष्य और विवेचना की आवश्यक बारीकियों पर विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विवेचना की गुणवत्ता ही यह तय करती है कि आरोपी को न्यायालय में सजा मिल पाएगी या नहीं।

डीआईजी बोले- गिरफ्तारी नहीं, मजबूत विवेचना जरूरी

डीआईजी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई सिर्फ गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। विवेचना की गुणवत्ता, कानूनी प्रावधानों का पूर्ण पालन और अभियोजन विभाग के साथ समन्वय बेहद जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि एनडीपीएस एक्ट के प्रत्येक मामले में जिला अभियोजन विभाग से अनिवार्य रूप से परामर्श लिया जाए, ताकि न्यायालय में तस्करों के खिलाफ मजबूत पक्ष रखा जा सके।

एडीजे पटवर्धन ने दस्तावेजी साक्ष्यों पर दिया जोर-

अतिरिक्त जिला न्यायाधीश शैलेंद्र पटवर्धन ने एनडीपीएस मामलों में सूक्ष्म और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विवेचना के दौरान प्रत्येक तथ्य का स्पष्ट, सटीक और विधिवत दस्तावेजीकरण अत्यंत आवश्यक है।

तेज रफ्तार टिप्पर बना काल, स्कूटी सवार महिलाओं को रौंदा, दो की मौत

जगदलपुर / नवप्रदेश। बड़ाजी थाना क्षेत्र के ग्राम पोटानार के पास सोमवार दोपहर को एक तेज रफ्तार टिप्पर ने स्कूटी सवार एक महिला को रौंद दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में साथ बैठी एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद टिप्पर चालक घटना स्थल से फरार हो गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पोटानार के निकट चित्रकोट की ओर से आ रही एक अनियंत्रित टिप्पर ने सामने से आ रही स्कूटी को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण दुर्घटना में स्कूटी सवार महिला की तत्काल मृत्यु हो गई, जबकि उसकी साथी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के तुरंत बाद चालक मौके से भाग निकला। घायल महिला को बेहतर उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, मृतक महिला की पहचान नहीं हो पाई है। घायल महिला की स्थिति भी कुछ बताने लायक नहीं है, जिससे पुलिस को घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाने में परेशानी हो रही है। पुलिस दोनों महिलाओं के परिजनों की तलाश कर रही है।

आरोपी की तलाश जारी- मृतक महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए लोहंडीगुड़ा के अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी टिप्पर चालक की तलाश शुरू कर दी है। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ।

भोरमदेव शक्कर कारखाने से गन्ना किसानों को बड़ी राहत, अब तक 46.77 करोड़ का भुगतान

कवर्धा / नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, कवर्धा द्वारा गन्ना किसानों को एक और बड़ी राहत दी गई है। कारखाने ने हाल ही में ?6.93 करोड़ की अतिरिक्त राशि जारी की है, जिसके साथ ही अब तक कुल ?46.77 करोड़ का भुगतान किसानों को किया जा चुका है। समयबद्ध एवं निरंतर भुगतान से क्षेत्र के गन्ना किसानों में संतोष और उत्साह का माहौल बना हुआ है। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत

अधिकारी गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया निरंतर जारी है। इससे सहकारी व्यवस्था के प्रति किसानों का भरोसा और अधिक मजबूत हुआ है। कारखाना प्रबंधन का कहना है कि नियमित भुगतान न केवल किसानों की आर्थिक मजबूती सुनिश्चित कर रहा है, बल्कि कारखाने के सुचारु संचालन को भी स्थायित्व प्रदान कर रहा है।

पेराई व उत्पादन में उल्लेखनीय प्रगति: कारखाना प्रबंधन के अनुसार चालू पेराई सत्र में अब तक 2,33,455 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई पूरी की जा चुकी है, जिससे 2,74,322 क्विंटल शक्कर का उत्पादन हुआ है। यह उपलब्धि किसानों के सहयोग, प्रशासनिक मार्गदर्शन और कारखाने की कार्यकुशलता का संयुक्त परिणाम मानी जा रही है।

नारंगी नदी पर तटरक्षण काम करने सांसद ने किया भूमिपूजन

जगदलपुर / नवप्रदेश। बस्तर ब्लॉक के भैंसगांव में जल संसाधन विभाग नारंगी नदी पर 2.98 करोड़ की लागत से तटरक्षण करेगा। सांसद महेश कश्यप ने रविवार को भूमिपूजन किया। इससे किसानों की उपजाऊ जमीन को नदी के कटाव से बचाने की पहल होगी। इस मौके पर सांसद कश्यप ने कहा, नारंगी नदी के तटीय इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए बारिश का मौसम चिंता का विषय बना रहा है। बाढ़ से न सिर्फ फसलें बर्बाद होती थीं, बल्कि आवासीय क्षेत्रों पर भी खतरा मंडराता था। जपं अध्यक्ष संतोष बघेल, भाजपा मंडल अध्यक्ष सुखदेव मंडावी ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान जिपं शकुंतला कश्यप, जपं उपाध्यक्ष जयवती कश्यप, मनीराम कश्यप, रामानंद मिश्रा, उदबोराम नाग, मदन बघेल, कुलधर भारती, अर्जुन कोर्राम, चैतन भारती उपस्थित रहे।

बच्चा न होने के विवाद में पत्नी को मार डाला

■ पति चरित्र पर करता था शक, फरार आरोपी गिरफ्तार

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में बच्चे न होने के विवाद में पति ने पत्नी को मार डाला। शनिवार शाम को आरोपी ने फावड़े से हमला कर पत्नी की हत्या कर दी और फरार हो गया। पुलिस ने सोमवार को आरोपी को गिरफ्तार लिया गया है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, करीब 18 साल पहले गायत्री बस्ती में रहने वाले तुलसी यादव (37) की शादी रंजना यादव (35) से हुई थी। लेकिन दंपती को अब तक संतान नहीं हुई थी। इसके अलावा पति पत्नी के कैरेक्टर पर भी शक करता था। जांच में सामने आया है कि संतान न होने और चरित्र पर संदेह को लेकर दंपती के बीच अक्सर विवाद होता था। घटना वाली शाम भी पति-पत्नी के बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद गुस्साए पति ने फावड़े से पत्नी के सिर पर चेहरे पर हमला दिया।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, तुलसी यादव पेशे से किसान है। पत्नी रंजना यादव और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ ढेलवाडीह गायत्री बस्ती में रहता है। शादी के 18 साल बाद भी संतान प्राप्ति नहीं हो रहा था। ऐसे में उसने अक्सर विवाद होता था। हाल ही में रंजना अपने मायके ढेलवाडीह मेला देखने गई थी। पति भी मेले में पहुंचा था। वहां से लौटने के बाद रविवार शाम को दंपती में पुरानी बातों को लेकर विवाद हो गया। पति ने फावड़े से पत्नी के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर वार किया। जिससे पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई और जमीन पर गिर पड़ी। इसके बाद पति मौके से फरार हो गया। इधर, चीख-पुकार सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो रंजना खून से लथपथ पड़ी हुई थी। परिजन उसे फौरन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जांच के बाद डॉक्टरों ने रंजना को मृत घोषित कर दिया। मामले जानकारी मिलते ही कटघोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वारदात की जानकारी लेने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। आरोपी पति के खिलाफकेस दर्ज कर लिया है।

अच्छी पहल : जांजगीर-चांपा में रीपर मशीन से खेती की नई राह, चारा-खाद बनाने में करती है मदद

रिटायर्ड फौजी ने 100 एकड़ की पराली जलने से बचाई

जांजगीर-चांपा (नवप्रदेश)। जांजगीर-चांपा के जगमहंत निवासी रिटायर्ड एसीपी शैलेन्द्र सिंह बनाफर ने फौज से रिटायर होकर न सिर्फ खेती में नई जान डाली, बल्कि पराली को जलने से रोककर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश भी दे रहे हैं।

फौज में रहते हुए भी उनका दिल खेती की ओर खींचता था और रिटायरमेंट के बाद उन्होंने इसे अपने जीवन का उद्देश्य बनाया। बनाफर ने अपने गांव में 12 एकड़ निजी जमीन के साथ कुल 20 एकड़ जमीन पर खेती शुरू की। पहले गांव में किसान धान की पराली जलाते थे, जिससे प्रदूषण बढ़ता और मिट्टी की उर्वरता घटती

थी। पराली जलाने से कीटाणु मर जाते हैं और मिट्टी में प्राकृतिक खाद घट जाती है। उनके घर के चारों ओर पराली जलती, तो घर में रहना मुश्किल हो जाता था। ऐसे में उन्होंने रीपर मशीन लाई, जो पराली को जलाने की बजाय काटकर मवेशियों का चारा या खेत के लिए खाद बनाने में मदद करती है।

पराली कटवाकर पैरा से खाद तैयार करना शुरू कर दिया: बनाफर के अनुसार यह तकनीक न सिर्फपर्यावरण की रक्षा करती है, बल्कि किसानों की लागत भी घटाती है। बनाफर ने गांव के अन्य किसानों को भी इस तकनीक से परिचित कराया। कई किसानों ने अब अपने खेतों में पराली कटवाकर पैरा से खाद तैयार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने घर में चार आवारा घूम रही गायों को रखा और पराली का उपयोग उनके चारे के रूप में किया। इससे आवारा पशुओं की समस्या भी कम हुई और किसानों को प्राकृतिक खाद मिली। उन्होंने मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने गोबर और कम्पोस्ट खाद का उपयोग शुरू किया है।

मिट्टी धीरे-धीरे बंजर हो रही थी: पहले गांव में अधिक यूरिया और डीएपी का उपयोग होता था, जिससे मिट्टी धीरे-धीरे बंजर हो रही थी। बनाफर ने धीरे-धीरे मिट्टी का संतुलन लौटाया और ऑर्गेनिक खेती के प्रयोग शुरू किए। इसके परिणामस्वरूप खेत की उपज बढ़ी और लागत भी कम हुई। उनकी देखा-देखी अब गांव के अन्य किसान भी पराली के उपयोग के लिए प्रेरित हो रहे हैं।

पराली को जलने से रोका

इस साल उन्होंने लगभग 100 एकड़ जमीन पर पराली को जलने से रोका। इसका उपयोग खाद बनाने में या मवेशियों के चारे के तौर पर उपयोग में हो रहा है। उन्हें खुद गांव के गोठान को दो ट्रैक्टर पैरा दान किया है, जो मवेशियों के पेट भरने के काम आ रहा है। इस प्रक्रिया से मिट्टी की गुणवत्ता बढ़ी, यूरिया की जरूरत कम हुई और खेत स्वच्छ भी रहे।

आज से रूख्खड़ स्वामी महोत्सव

खैरागढ़/नवप्रदेश।छत्तीसगढ़ की धार्मिक और आध्यात्मिक पहचान माने जाने वाले श्री रूख्खड़ स्वामी मंदिर परिसर में आज मंगलवार से श्री रूख्खड़ स्वामी महोत्सव का शुभारंभ होगा। परम तपस्वी संत श्री रूख्खडनाथ स्वामी जी ने वर्षों तक कठोर साधना कर सनातन धर्म की अलख जगाई।

इस महोत्सव को क्षेत्र की धार्मिक विरासत का जीवंत प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि भगवान भोलेनाथ और माँ नर्मदा के अनन्य भक्त संत श्री रूख्खडनाथ स्वामी जी ने यहाँ कठोर तपस्या कर क्षेत्र को आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत किया। मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन दक्षिणमुखी हनुमान जी की प्रतिमा को विशेष चमत्कारी माना जाता है।

दो किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा, नेटवर्क की तलाश में जुटी पुलिस

दुर्ग/नवप्रदेश। तितुरडीह इलाके में पुलिस ने गांजा बेचने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 2 किलो 30 ग्राम गांजा जब्त किया है, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख रुपए बताई जा रही है। आरोपी के पास से 2200 रुपए नगद बरामद किए गए हैं।

पुलिस को सुबह मुखबिर से सूचना मिली थी कि पुराना शराब दुकान के पास तितुरडीह क्षेत्र में एक व्यक्ति सफेद-हरे रंग के झोले में गांजा रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना के आधार पर मोहन नगर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर संदिग्ध को हिरासत में लिया।

पुलिस टीम जब सरकारी वाहन से मौके पर पहुंची तो वहां एक व्यक्ति झोला लेकर खड़ा था। पुलिस को देखते ही वह भागने का प्रयास करने लगा।

पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपी ने पूछताछ में अपना नाम गोपाल राम (38), निवासी वार्ड-19 तितुरडीह, मस्जिद के पास बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के झोले से दो पैकेट बरामद किए गए, जो पारदर्शी सेलो टेप से लिपटे हुए थे। जांच करने पर दोनों पैकेटों में गांजा भरा हुआ पाया गया। इसके अलावा आरोपी की पेंट की जेब से 2200 रुपए नकद भी बरामद हुए। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर मादक पदार्थ की जांच की। जब्त गांजे का कुल वजन 2 किलो 30 ग्राम निकला। इसके बाद गांजा सीलबंद कर जब्त कर लिया गया। मोहन नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि गांजा तस्करी में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। इस पूरे नेटवर्क का पता लगाने पुलिस जांच में जुट गई है।

राजनांदगांव से परीक्षा देने आई युवती के जेवर पार

भिलाई/नवप्रदेश। सीटेट परीक्षा देने आई युवती के जेवर चोरी हो गए। युवती कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज खम्हरिया में परीक्षा देने आई थी। अज्ञात चोर ने एक्टिवा की डिग्गी खोलकर उसका पर्स निकाल लिया। पर्स में सोने के जेवर, कैश और 2 मोबाइल थे। कुल 45 हजार रुपए मूल्य के जेवर व अन्य सामान की चोरी होना बताया गया है। राजनांदगांव निवासी आकांक्षा पटेल 8 फरवरी को सीटेट परीक्षा देने राजनांदगांव से भिलाई स्थित कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज खम्हरिया पहुंची थी। सुबह करीब 9 बजे एग्जाम सेंटर में एंट्री से पहले उसने 3 सोने की अंगूठियां, एक जोड़ी सोने के कान के टॉप्स, 8 हजार कैश, वीवो का मोबाइल और आईफोन पर्स में रख लिया। परीक्षा केंद्र के अंदर सामान ले जाना प्रतिबंधित होने के कारण आकांक्षा ने पर्स को अपनी एक्टिवा की डिग्गी में रखकर वाहन लॉक कर दिया और परीक्षा देने कॉलेज के अंदर चली गई। परीक्षा खत्म होने के बाद जब वह वापस वाहन के पास पहुंची और डिग्गी खोली, तो पर्स गायब था।

न्यूज गैलरी

दिव्यांगजन और वृद्धजनों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच आज

भिलाई। कल्याणी सोशल वेलफेयर एंड रिसर्च ऑर्गनाइजेशन भिलाई द्वारा समाज के दिव्यांगजन व वृद्धजनों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने निःशुल्क सहायक उपकरण जांच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर 10 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। शिविर के दौरान दिव्यांग व वृद्धजनों की विशेषज्ञों द्वारा स्वास्थ्य जांच के बाद उनके लिये सहायक उपकरण की आवश्यकता का आंकलन किया जाएगा। जांच के बाद पात्र लाभार्थियों को द्वितीय चरण में आवश्यक सहायक उपकरणों का वितरण किया जाएगा। शिविर में व्हीलचेयर, बैसाखी, वॉकर, श्रवण यंत्र, ट्राई साइकिल सहित अन्य आवश्यक सहायक उपकरणों की आवश्यकता रखने वाले दिव्यांगजन आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी की छायाप्रति व वृद्धजन आधार कार्ड की छायाप्रति के साथ उपस्थित होकर जांच करा सकते हैं। शिविर का आयोजन कल्याणी नशा मुक्ति केंद्र सुपेला थाना के पीछे, 1/22 न्यू कृष्णा में किया जाएगा।

नितेश साहू बने भाजपा जिला प्रवक्ता

दुर्ग। भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र कौशिक ने प्रदेश संगठन की सहमति से युवा मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष और युवा नेता नितेश साहू को भाजपा जिला प्रवक्ता नियुक्त किया है। नितेश साहू पेशे से अधिवक्ता हैं और अपनी स्पष्ट वक्तव्य शैली, संगठन के प्रति निष्ठा एवं सक्रियता के कारण युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में भी विशेष रूप से लोकप्रिय हैं।

नो मैपिंग और तार्किक विसंगतियां संबंधी दस्तावेज सत्यापन के निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अभिजीत सिंह ने एसआईआर के तहत कोई मैपिंग नहीं और तार्किक विसंगतियों के अंतर्गत नगरीय क्षेत्रों के समस्त पूर्व/वर्तमान निर्वाचित जनप्रतिनिधियों/ सांसद/ विधायक/पूर्व सांसद/पूर्व विधायक/प्रमुख राजनीतिक दलों के संगठन के पदाधिकारी, राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कार गृहिता पद्म श्री/पद्म विभूषण/पद्म भूषण व राज्य अलंकरण और इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधियों को ईआरओ द्वारा जारी नोटिस के संबंध में 10 फरवरी तक सूचित करने के निर्देश दिये गए हैं। सर्व विभाग प्रमुख अधिकारियों व विभाग से संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों व उनके परिवार के सदस्यों के दस्तावेज सत्यापन होने संबंधी जानकारी भी 10 फरवरी तक प्रस्तुत करने कहा गया है।

निगम प्रशासन ने हटाया अवैध कब्जा

भिलाई नगर। नगर निगम भिलाई क्षेत्र के अंतर्गत शहर को कब्जामुक्त बनाने लगातार अभियान चलाया जा रहा है। निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय ने जोन आयुक्तों को सड़क किनारे, नालियों व अन्य स्थल पर अवैध अतिक्रमण मिलने पर तत्काल अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने निर्देशित किया है। जोन-5 अंतर्गत मुख्य सड़क मार्ग पर अनाधिकृत स्थान पर किये गये अतिक्रमण को जेसीबी से हटाने की कार्यवाही की गई। सड़क किनारे अवैध रूप से लगाए गए पैथालजी लैब के बोर्ड को हटाया गया। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी अनिल मेश्राम, दुर्योधन साहू, गणित बघेल, टेकराम हरिन्द्रवार, विनोद यादव, गेंद प्रसाद सहित राजस्व विभाग व स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

मूर्ति बने भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ के जिला संयोजक

भिलाई। भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ की प्रदेश कार्यकारिणी व जिला संयोजकों की नियुक्तियां की गई है। भाजपा भिलाई जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन की अनुशंसा से प्रदेश संयोजक दिनेश सिंह और प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव की सहमति से वरिष्ठ कार्यकर्ता के. रुद्र मूर्ति को भिलाई जिला संयोजक पद पर नियुक्त किया गया है। रुद्र मूर्ति की नियुक्ति पर जिला भाजपा अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजेश बिजपुरिया, सांसद विजय बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय और वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने हर्ष जताया है। के. रुद्र मूर्ति पूर्व में भिलाई भाजपा पूरब मंडल में उपाध्यक्ष और महामंत्री पद पर सेवा दे चुके हैं।

दुकानदारों से वसूला 58 सौ रुपये जुर्माना

भिलाईनगर। निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय के निर्देश पर स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के नेतृत्व में जोन-1 नेहरू नगर स्वच्छता निरीक्षक कमलेश द्विवेदी और उनकी टीम ने वार्ड 17 आकाश गंगा के हिमालय कॉम्पलेक्स के पास प्रतिष्ठान सिंगल यूज प्लास्टिक रखने, सड़क बाधा पाए जाने पर 2900 रुपये की चालानी कार्यवाही की गई। इन मामलों में दुकानदार रोहित गुप्ता 300, अब्दुल मुकीम पान पैलेस 300, शिवा चाय नाश्ता सेंटर 300 और आदित्य गोलछा से 2000 रुपए जुर्माना वसूल किया गया। अन्य स्थलों पर भी 2900 रुपये की चालानी कार्यवाही की गई।

आज छत्तीसगढ़ स्तरीय कवि सम्मेलन

कुम्हारी। प्रेस क्लब ऑफ कुम्हारी के 11 वें स्थापना दिवस के अवसर पर 10 फरवरी को शाम 7.30 बजे छत्तीसगढ़ स्तरीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। आयोजन वार्ड 15 स्थित बैडमिंटन कोर्ट परिसर में किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक प्रेस क्लब ऑफएवं छत्तीसगढ़ श्रमजीवी पत्रकार संघ कुम्हारी इकाई है। इस कवि सम्मेलन में गीतकार रमेश विश्वहार रायपुर नांदघाट से हास्य कवि कृष्णा भारती, मुंगेली से देवेंद्र परिहार, अकलतरा से हास्य कवि बंशीधर मिश्रा एवं खरसिया से कवयित्री प्रियंका गुप्ता प्रिया अपनी प्रस्तुति देंगे। उक्त आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में कुम्हारी नपा अध्यक्ष मीना वर्मा, विशेष अतिथि प्रमोद सिंह राजपूत एवं विशिष्ट अतिथि पार्षद अनुराग गुप्ता उपस्थित रहेंगे।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के साथ हुए दुर्व्यवहार पर तीखी प्रतिक्रिया

शंकराचार्य कौन है? यह तय करना सरकार का काम नहीं: धर्मेश महाराज

दुर्ग/नवप्रदेश। प्रसिद्ध कथावाचक अंतर्राष्ट्रीय प्रवक्ता गौवत्स धर्मेश महाराज ने मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में शाही स्नान के दौरान ज्योतिष्मठ के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज के साथ हुए दुर्व्यवहार पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि शंकराचार्य से दुर्व्यवहार से हिन्दू जगत आहत हुआ है। ऐसा व्यवहार किसी भी शंकराचार्य या साधु-संतो के साथ नहीं होना चाहिए। शंकराचार्य कौन है या कौन नहीं है? यह तय करना सरकार का कार्य नहीं है। शंकराचार्य, साधु-संत सर्व कल्याणार्थ की भावना से कार्य करते है। उनके साथ ऐसा व्यवहार कतई बर्दाश्त योग्य नहीं है। राजस्थान बीकानेर से दुर्ग पधारे धर्मेश महाराज ने अग्रसेन भवन स्टेशन रोड दुर्ग में मीडिया से चर्चा कर रहे थे। धर्मेश महाराज ने कहा कि कथावाचकों को शिव महापुराण कथा में ओम नमः शिवाय मंत्र का ही वाचन करना चाहिए। यदि कोई कथावाचक इस मंत्र के स्थान पर दूसरे मंत्र का वाचन करता है, तो वह धर्म के लिहाज से सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कथावाचकों को कथा में टोटके व श्रद्धालुओं को भ्रमित करने वाली बातों का सहारा नहीं लेना चाहिए। कथावाचकों वास्तविकता से जोड़ना चाहिए। मूल से हटेंगे तो निश्चय ही भटकाव की स्थिति पैदा होगी। धर्म में राजनीति के घुसपैठ के सवाल पर धर्मेश महाराज ने कहा कि राजनीति में धर्म होना चाहिए, ना कि धर्म पर राजनीति। नीति को छोड़कर राज चलाएंगे तो विवाद की स्थिति बनते रहेगी। धर्म पहले सर्वोपरि होना चाहिए। वर्तमान में हावी पाश्चात्य संस्कृति व अन्य विसंगतियों के चलते लोगों की नैतिकता और धार्मिकता का पतन हो रहा है। हिन्दुत्व को जीवंत रखने के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं हो सकता है। कथा को कुछ कथावाचकों द्वारा कारोबार का जरिया बनाने से जुड़े एक सवाल के जवाब में कथावाचक धर्मेश महाराज ने स्पष्ट कहा कि कथा धर्म है। अर्थ के लिये कथा करना कदापि कथा नहीं हो सकती। ऐसे व्यवहार से कथाकारों को दूर रहना चाहिए। धर्मेश महाराज ने गौवंश से जुड़े सवाल पर कहा कि देश व राज्यों में गौ सुरक्षा कानून बने या ना बने, लेकिन माँ माता की रक्षा और गौ हत्या रोकने सरकारों को सख्ती से कदम उठाना चाहिए।

16 तक शिव महापुराण कथा का रसपान

धर्मेश महाराज दुर्ग में अधिवक्ता विजय सोनी और आसट परिवार दुर्ग द्वारा 9 से 16 फरवरी तक आयोजित शिव महापुराण की कथा का रसपान कराएंगे। श्रद्धालु प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक श्रवण लाभ ले सकेंगे। शिव महापुराण कथा के दौरान महाशिवरात्रि पर्व का शुभ योग बन रहा है। महाशिवरात्रि के दिन 15 फरवरी को धर्मेश महाराज द्वारा अधिवक्ता विजय सोनी के आदित्य नगर स्थित निवास में रात्रि चतुर्थ प्रहर की विशेष पूजन कराई जाएगी।

सामाजिक आयोजनों में पहुंचे कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव

दुर्ग/नवप्रदेश। दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में आयोजित विभिन्न धार्मिक-सामाजिक आयोजनों में कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव शामिल हुए। मोहन नगर स्थित श्री संत गजानन महाराज मंदिर में आयोजित प्रगट महोत्सव में भी गजेन्द्र यादव शामिल हुए। उन्होंने संत गजानन महाराज के दर्शन कर पूजा-अर्चना करते हुए सभी की शांति के लिये प्रार्थना की। इस अवसर पर उन्होंने मंदिर समिति और श्रद्धालुओं को महोत्सव के सफल आयोजन के लिये शुभकामनाएं दी। वार्ड 12 में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 30 लाख की घोषणा की। मंत्री यादव दुर्ग राज ठेठवार यादव समाज द्वारा चंदखुरी दुर्ग में आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए। सामाजिक आयोजन के अंतर्गत आयोजित रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर की उन्होंने सराहना की। जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान करने वाले समाज के युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने इसे समाजहित में एक अनुकरणीय पहल बताया।

पटेल समाज भवन के लिए 50 लाख स्वीकृत

कैबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव दुर्ग में आयोजित कोसरिया मरार पटेल समाज के वार्षिक महोत्सव में भी शामिल हुए। उन्होंने मां शाकंभरी देवी की विधिवत पूजा-अर्चना की और समाजजनों से संवाद करते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर दुर्ग विधानसभा क्षेत्र में दो स्थानों पर पटेल समाज का भवन निर्माण करने 20 और 30 लाख राशि की घोषणा भी की।

दुर्ग में फ्लॉवर शो 14 को, रंगारंग कार्यक्रम होंगे

- **महापौर अलका बाघमार ने प्रभारी काशीराम कोसरे व अधिकारियों के साथ किया तैयारियों का निरीक्षण**

दुर्ग/नवप्रदेश। आगामी 14 फरवरी को राजेंद्र पार्क में भव्य फ्लॉवर शो का आयोजन किया जा रहा है। शो के दौरान रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। पार्क में रंग-बिरंगे फूल खिलेंगे। फ्लॉवर शो की तैयारियों को लेकर आज महापौर अलका बाघमार ने पर्यावरण प्रभारी काशीराम कोसरे, एमआईसी सदस्य देवनारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, नीलेश अग्रवाल, खालिक रिजवी व उद्यान प्रभारी अनिल सिंह के साथ राजेंद्र पार्क का निरीक्षण किया। आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर फ्लॉवर शो कार्यक्रम के लिये कार्यपालन अभियंता को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। पर्यावरण विभाग प्रभारी काशीराम कोसरे ने बताया कि फ्लॉवर शो में पारिवारिक वातावरण के अनुरूप मनोरंजक कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग स्टॉल भी बनाए जाएंगे।

चीचा गांव की दुर्गा पटेल बनीं लखपति दीदी

दुर्ग/नवप्रदेश। चीचा ग्राम पंचायत के अंतर्गत चीचा गांव की दुर्गा पटेल ने बहुआयामी आजीविका गतिविधियों को अपनाकर आर्थिक प्रगति हासिल की है। वर्तमान में उन्हें लखपति दीदी कहा जाता है। माँ शाकम्बरी स्व-सहायता समूह की सक्रिय सदस्य दुर्गा पटेल ने कौशल प्रशिक्षण और स्वरोजगार संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होती रही। प्रशिक्षण के बाद उन्होंने घर पर ब्यूटी पार्लर का काम शुरू किया। उन्हें प्रतिमाह लगभग तीन से पांच हजार रुपये की आय होने लगी। पशु सखी के रूप में चयन के बाद वे पशु टीकाकरण, पोषण संबंधी परामर्श और प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराने लगी। इससे उन्हें प्रतिमाह लगभग 1910 रुपये की आय होती है। उन्होंने अपने घर की बाड़ी में सब्जियों की खेती शुरू की, जिससे उन्हें प्रतिमाह छह से आठ हजार रुपये की अतिरिक्त आमदनी हो रही है। इन गतिविधियों से दुर्गा पटेल ने नियमित और सतत आय अर्जित कर परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया है। वर्तमान में वे न केवल अपने परिवार की आर्थिक मजबूती के लिए प्रेरणा बन रही हैं, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने हेतु प्रोत्साहित कर रही हैं। राज्य सरकार का धन्यवाद करते हुए पटेल ने कहा कि आजीविका संवर्धन योजनाओं, कौशल विकास प्रशिक्षण और स्व सहायता समूह के सहयोग से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का अवसर प्रदान किया।

छत्तीसगढ़ क्रीडा प्रोत्साहन योजना खेलवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए प्रतिभावान खिलाड़ियों के खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह खेलवृत्ति विगत वर्ष 2024-25 में खिलाड़ियों द्वारा अर्जित खेल उपलब्धियों के आधार पर प्रदान की जाएगी। योजना के तहत 25 वर्ष तक की आयु के ऐसे खिलाड़ी पात्र होंगे, जिन्होंने ओलंपिक, कॉमनवेल्थ, एशियाड और नेशनल गेम्स में शामिल खेलों की राष्ट्रीय/राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में सीनियर, जूनियर या सब-जूनियर वर्ग में प्रथम, द्वितीय या तृतीय स्थान प्राप्त किया हो। एकल व दलीय खेलों में वास्तविक रूप से प्रतियोगिता में खेले हुए खिलाड़ी पात्र होंगे जिसका प्रमाण संबंधित खेल संघ पदाधिकारियों के माध्यम से प्रस्तुत करना होगा। आवेदन पत्र राज्य खेल संघ से प्रमाणीकरण सहित जिला कार्यालय/ संचालनालय में जमा करना होगा। आवेदन की 16 फरवरी निर्धारित की गई है। आवेदन विभागीय वेबसाइट पर उपलब्ध है।

महिला अपराधी केंद्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध, संभागायुक्त ने जारी किये आदेश

दुर्ग/नवप्रदेश। मादक पदार्थों के अवैध व्यापार में शामिल मेहरून निशा पति इस्माईल खान निवासी वार्ड 8, महाराणा भाठा गंडई को 3 माह के लिए केन्द्रीय जेल दुर्ग में निरुद्ध करने के आदेश जारी किये गए हैं। दुर्ग संभागायुक्त सत्यनारायण राठौर ने पुलिस अधीक्षक खैरागढ़-गंडई-छुईखदान के प्रतिवेदन पर यह आदेश पारित किया। मेहरून निशा के विरूद्ध नारकोटिक्स एक्ट के 2 मामले दर्ज कर कार्यवाही की गई है। ये मामले न्यायालय में विचाराधीन है और अनावेदिका जमानत पर जेल से छूटने के बाद लगातार मादक पदार्थ की खरीदी-बिक्री में शामिल रहा है। खैरागढ़-गंडई-छुईखदान के पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के अनुसार मेहरुन्निशा अपने घर में अवैध रूप से मादक पदार्थ रखकर बिक्री कर रही है। इस अपराध में वर्ष 2023 से लिप्त है। घर में गांजा की बिक्री करते पकड़े जाने के बाद भी दोबारा अवैध मादक पदार्थ गांजा की बिक्री की जा रही है। फिलहाल उसे जमानत पर छोड़ा गया है।

महापौर ने किया डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर निगम सीमा क्षेत्र के अंतर्गत आज वार्ड 38 ऋषभ नगर में महापौर अलका बाघमार ने 12 लाख रुपये की लागत से डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। ऋषभ नगर जैन मंदिर से गार्डन तक डामरीकरण किया जाएगा। भूमिपूजन कार्यक्रम में लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चंद्राकर, एमआईसी सदस्य शेखर चंद्राकर, ज्ञानेश्वर ताम्रकार, नीलेश अग्रवाल, पार्षद रामचंद्र सेन, भाजपा नेता कांतिलाल बोथरा, मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, उपअभियंता मोहित मरकाम, आरके जैन सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी मौजूद रहे। ऋषभ नगर क्षेत्र के रहवासियों ने लंबे समय से लंबित डामरीकरण कार्य की मांग पूरी होने पर महापौर अलका बाघमार के प्रति आभार व्यक्त किया। नागरिकों ने क्षेत्र में अन्य विकास कार्यों को लेकर भी महापौर से चर्चा की। महापौर ने आश्वस्त किया कि नगर के समग्र विकास के लिए निगम प्रतिबद्ध है तथा सभी वार्डों में चरणबद्ध रूप से आवश्यक निर्माण एवं विकास कार्य कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि डामरीकरण कार्य गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण कराया जाएगा।

रंगारंग आयोजन: कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया विजेताओं को पुरस्कृत, विधायक रिकेश सेन भी हुए कार्यक्रम में शामिल

संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में कार्निवाल-2026 का समापन

भिलाई/नवप्रदेश। संजय रूंगटा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस भिलाई के स्टूडेंट्स के लिए इंटर इंस्टीट्यूट वार्षिक सांस्कृतिक और खेल उत्सव कार्निवाल 2026 का आयोजन किया गया। कार्निवाल के समापन समारोह में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य के कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब और विशेष अतिथि वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन उपस्थित थे। कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कार्निवाल 2026 के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता स्टूडेंट्स को ट्रॉफी, मेडल्स और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि सरकार तकनीकी शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिये प्रयासरत है। रूंगटा ग्रुप के अध्यक्ष संजय रूंगटा के साथ विचार विमर्श और सलाह लेकर तकनीकी शिक्षा को बेहतर और सुविधाजनक बनाने की दिशा में कार्य किया जाएगा। ज्ञात हो कि गुरु खुशवंत साहेब खुद एक इंजीनियर हैं। उन्होंने कहा की स्टूडेंट्स को सिर्फ जॉब के पीछे नहीं जाना चाहिए, बल्कि खुद भी एक जॉब क्रिएटर बनकर दूसरों को जॉब दिलाने में मदद करनी चाहिए।

सरकार ने आई हब गुजरात के साथ एक एमओयू किया है। आप के पास कोई नई सोच है तो प्रोजेक्ट बनाकर तकनीकी शिक्षा विभाग के पास भेजने पर आवश्यक सहयोग किया जाएगा। उन्होंने स्टूडेंट्स से कहा कि जीवन में संयम रखना चाहिए। डरना और घबराना नहीं चाहिए। अपना लक्ष्य निर्धारित कर अध्ययन करने में जुट जाएं तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। गुरु खुशवंत साहेब ने रूंगटा कार्निवाल 2026 के सफल आयोजन के लिए चेयरमैन संजय रूंगटा और रूप को बधाई दी।

वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने कहा कि रूंगटा कार्निवाल के आयोजन से स्टूडेंट्स उत्साहित है। भिलाई कला, शिक्षा और खेल धानी है। रूंगटा इंस्टीट्यूट में कई जॉब फेयर लगाए गए है। बड़ी बड़ी कंपनियों ने यहां आकर स्टूडेंट्स को जॉब प्रदान किया है। रूंगटा प्रांगण में स्टूडेंट्स को अच्छी शिक्षा के साथ-साथ जॉब देने का काम भी रूंगटा आर 2 ने किया है। कार्निवाल के दौरान प्रतियोगिता रूंगटा कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस एंड रिसर्च ने जीती और रूंगटा कार्निवाल के समग्र विजेता का खिताब संयुक्त रूप से रूंगटा इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज और रूंगटा आईटीआई ने अर्जित किया। इससे पहले कार्निवाल के चर्चित कार्यक्रम बैटल ऑफ डांस शुभारंभ अवसर पर पॉपुलर इंडियन सिंगर, एक्ट्रेस ध्वनि भानुशाली और सिंगर ताबिश पाशा एवं उनके बैंड ने लाइव परफॉर्मेंस किया।

चेयरमेन संजय रूंगटा ने किया अतिथियों का सम्मान

समारोह में चेयरमैन संजय रूंगटा ने मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। उन्होंने कार्निवाल 2026 में स्टूडेंट्स, स्टाफ का मनोबल बढ़ाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। डायरेक्टर डॉ साकेत रूंगटा ने वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। डॉ साकेत रूंगटा ने सभी प्रतिभागी संस्थानों को आयोजन को सफल बनाने के लिए बधाई दी।

सुविचार

जब आपके बोलने से आपके अपने ही रूठ जाएं तो बेहतर है कि आप खामोशी की चादर ओढ़ कर सो जाएं

ट्रेड डील पर झुके डोनाल्ड ट्रंप

भारत और अमेरिका के बीच बहुप्रतिक्षित ट्रेड डील को आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मंजूरी मिल गई। इस तरह भारत और अमेरिका के अंतरिम रूपरेखा पर सहमति की मुहर लग गई। गौरतललब है कि भारत द्वारा रूस से तेल खरीदे जाने से चिढ़कर और अपनी शर्तों पर ट्रेड डील कराने के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर पचास प्रतिशत टैरिफ लगा दिया था। किन्तु भारत अमेरिका के दबाव में नहीं आया और यह ट्रेड डील अधर में लटक गई थी। डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ अटैक से भारत को आर्थिक क्षति तो उठानी पड़ी लेकिन भारत ने इस क्षति की भरपाई के लिए यूरोपीय देशों के अलावा और कई देशों के साथ व्यापार समझौते कर लिये। जिससे डोनाल्ड ट्रंप पर दबाव बन गया वैसे भी उनके टैरिफ वार के कारण भारतीय उत्पाद अमेरिका में बेहद महंगे हो गये थे और वहां महंगाई बढ़ने के साथ ही डॉलर के कमजोर होने का भी खतरा पैदा हो गया था। नतीजतन डोनाल्ड ट्रंप को भारत के आगे झुकना पड़ा और उन्होंने भारत पर लगने वाले पचास प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया और ट्रेड डील में भारत की शर्तों को स्वीकार भी का लिया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका अपने खद्यान और डेयरी उत्पाद को भारत में खपाने के लिए दबाव बना रहा था लेकिन भारत ने इससे स्पष्ट इंकार कर दिया। अब इस डील के मुताबिक भारत के किसाान और पशुपालकों के हित पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। यह बात अलग है कि विपक्ष इस डील की यह कहकर आलोचना कर रहा है कि यह डील भारतीय किसानों के लिए अहितकर है। कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अमेरिका के आगे घुटने टेकने का आरोप लगा रही है लेकिन भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्ष के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए किसानों को भरोसा दिलाया है कि इस डील से भारतीय किसानों को कोई नुकसान नहीं पहुंचेगा उल्टे उन्हें लाभ होगा। इस ट्रेड डील का भारतीय उद्योग जगत ने भी स्वागत किया है और कहा है कि इस डील से भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते का ढांचा वैश्विक निवेशकों के विश्वास का प्रतिक है और इससे भारत को लाभ होगा। भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग ने भी इस समझौते को ऐतिहासिक कदम बताते हुए इसका स्वागत किया और कहा है कि इससे हीरा और रत्नों के व्यापार को मजबूती मिलेगी और यह रत्न उद्योग के लिए टर्निंग प्वाइंट सिद्ध होगा। अमेरिका और भारत के बीच होने वाले इस ट्रेड डील से भारत के लिए 500 अरब डॉलर का बाजार खुलेगा जो आगामी पांच सालों के भीतर होगा। निश्चित रूप से इस ट्रेड डील से भारत और अमेरिका के बीच संबंधों में जो बर्फ जम गई थी वह भी पिघलेगी और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध मजबूत होने का दोनों को ही लाभ मिलेगी। अमेरिका द्वारा भारत पर पचास प्रतिशत टैरिफ लगाये जाने से भारत के ज्वैलरी, दवाई, कपड़ा और जूता सहित हस्तशिल्प और कालीन उद्योगों पर जो संकट के बादल गहराने लगे थे वे अब छट जाएंगे और इन सभी उद्योगों को संजीवनी मिलेगी। रही बात कृषि की तो इस डील से भारतीय किसानों को भी कोई विशेष नुकसान नहीं होगा। यह बात सरकार को किसान संगठनों को समझानी पड़ेगी और उन्हें विश्वास में लेना पड़ेगा क्योंकि विपक्ष अब इस ट्रेड डील के खिलाफ किसानों को बरगला सकता है और फिर से देश में किसान आंदोलन खड़ा करने की कवायद कर सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि इस ट्रेड डील का भारत सरकार जल्द से जल्द विस्तृत ब्यौरा देश के सामने पेश करेगी और इसे लेकर विपक्ष जो आशंकाएं व्यक्त कर रहा है उसका निराकरण करेगी। बहरहाल भारत ने ट्रेड डील को लेकर अमेरिका के दबाव को पूरी तरह से नकार कर सारी दुनिया को यह संदेश दे दिया है कि आज की तारीख में भारत भी एक बड़ी ताकत बन गया है जो अपनी शर्तों पर ही ट्रेड डील करेगा। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के साथ ही दुनिया का सबसे बड़ा बाजार भी है ऐसे में कोई भी देश यहां तक की अमेरिका भी भारत की अंदेखी नहीं कर सकता और न ही भारत पर अपनी शर्तें लाद सकता है।

सद्गुरू बोधामृतम्

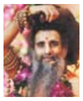

सदगुरू ऋतेश्वर

◆ हमने स्वीकार किया है गुरू जी के चरणों में बैठना क्योंकि आनंद है और एक मजबूरी बैठाए हुए हैं। दोनों में बड़ा अंतर है ध्यान देना कोई न कोई मजबूरी, कोई भी कुछ भी इतनी सी भी लाचारी अगर बिठाकर रखी है तब तो से इत्तेफाक की बात है ये जाएगा और हम बैठेगा हैं। मेरा चुनाव है, मेरा आहलाद है, मेरा आनंद है, इन चरण में मौज है, मैं बहता हूं इनके साथ में, अपनी मर्जी से बहता हूं, मर्जी अपनी हो, मजबूरी न हो।

आज का इतिहास

नई दिल्ली। 1783 - इटली के कालाब्रिया में भीषण भूकंप में 30000 लोग मारे गये। 1870 - फिलाडेल्फिया के थियेटर में पहली बार चलचित्र दिखाया गया। 1900 - अमेरिका और ब्रिटेन के मध्य पनामा नहर समझौते पर हस्ताक्षर। 1904 - क्यूबा अमेरिका के कब्जे से मुक्त हुआ। 1917 - मैक्सिको ने नया संविधान अंगीकृत किया। 1922 - उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के पास चौरी चौरा कस्बे में उग्र भीड़ ने थाने में आग लगा दी जिसमें 22 पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी। 1924 - रेडियो समय संकेतक जीएमटी का पहली बार प्रसारण रायल ग्रीनविच से हुआ। 1931 - मैक्सिने डनलप पहली ग्लाइडर पायलट बनी। 1961 - ब्रिटिश समाचार पत्र संडे टेलीग्राफ के पहले संस्करण का प्रकाशन हुआ। 1970 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया। 1994 - सरायेवो के बाजार में नरसंहार हुआ। सरायेवो के मुख्य बाजार में एक मोर्टार बम के फटने से 68 लोगों की मौत हो गई थी और 200 लोग घायल हुए थे। 2004 - पाकिस्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ़ ने परमाणु प्रौद्योगिकी के ग़लत इस्तेमाल के मामले में परमाणु वैज्ञानिक अब्दुल कादिर ख़ान को माफी दी।

हमेशा रोशनी बांटते रहे रमेश नैयर

डॉ देवेन्द्र नाथ शर्मा

रमेश जी का देश की कई प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया था द्य स्वर्गीय देवीलाल चौबे की स्मृति में प्रथम 'वसुंधरा सम्मान' 2001 में रमेश जी को दिया द्य इस पुरस्कार में मिली समूची सम्मान निधि उन्होंने मंच से ही बालिका शिक्षा हेतु जिला साक्षरता समिति दुर्ग के अध्यक्ष कलेक्टर को सौंप दी थी द्य 1984 में ऑल इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन शिमला द्वारा उन्हें 'स्पेशल जर्नलिज्म सम्मान' प्रदान दिया गया था द्य माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय भोपाल ने 2012 में उन्हें गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकार सम्मान से सम्मानित किया था द्य कोलकाता की बंगाली साहित्य परिषद ने उन्हें 2014 में 'स्वामी विवेकानंद पत्रकार रत्न सारस्वत सम्मान' से विभूषित किया था द्य 2015 में मधुबन भोपाल द्वारा 'श्रेष्टतम पत्रकार सम्मान' उन्हें प्रदान किया गया था द्य दशकों तक अपने आलेखों, सम्पादकीय लेखन, रपटों व व्याख्यानों से ज्ञान की रौशनी फैलाने वाले रमेश जी 2 नवंबर 2022 को हम सबसे हमेशा के लिए अलबिदा हो गए ।।

पत्रकार, संपादक, लेखक, साहित्यकार, अनुवादक के रूप में रमेश जी ने अपने आप को सफलतापूर्वक स्थापित किया द्य अपनी ज्ञानवर्धक, प्रभावी व रोचक शैली के कारण लोग उनके व्याख्यानों में जुटते व एकाग्रता से उन्हें सुनते थे द्य सरलता, सहजता और विनम्रता उनके व्यक्तित्व के नैसर्गिक तत्व थे।

रमेश नैयर का जन्म 10 फरवरी 1940 में जिला गुजरात पश्चिमी पंजाब (जो बाद में पाकिस्तान का हिस्सा बना) के कुंजाह गाँव में हुआ था द्य फक्कड़ प्रकृति के उनके पिता प्रकाश नाथ नैयर का समूचा परिवार इसी गाँव के अपने जमींदार मामा शाहजी की हवेली में रहता था द्य नैयर जी की पैदाईश व परवरिश यहीं हुई द्य पहली कक्षा के दाख़िले के लिए अपने लाडले रमेश को शाहजी घोड़े पर बिठा कर गाजे-बाजे के साथ स्कूल लेकर गए थे द्य स्कूल में रमेश जी एक साल ही पढ़ सके । तभी भारत-पाकिस्तान के विभाजन को लेकर स्थितियां विकराल होने लगी । मार-काट शुरू होने पर गांव के कुछ हिन्दुओं के साथ पिता पहले दिल्ली आये, फिर वे मथुरा में अपने साढ़ू के पास आ गए। बाद में, गुजरात जिले में स्थिति ज्यादा ही बिगड़ने लगी। मुसलमानों के झुंड हथियार लेकर गलियों में लगभग रोजाना चिल्लाते व धमकाते गुज़रते हुए खून-खराबा करने लगे द्य शाह जी के मुंशी कालू खान और घर की आया जैनम ने कई बार हिंसा पर उतारू उत्पातियों से शाहजी के घर व परिवार को नुक़सान से बचाया द्य एक बार तो वे तलवार लहराते हुए हवेली में घुस आए । डर-सहमी जैनम ने रमेश जी को अपनी गोद में लेकर शाल में छुपा लिया । किसी तरह से रमेश जी की जान बची थी । इस घटना के बाद शाहजी काफ़ी डर गए और फिर किसी तरह गांव से निकलकर भारत जाने का सुरक्षित मौका तलाशने लगे । अनुकूल स्थिति के दिन मुंशी कालू ख़ान रमेश जी, बहन पवन व उनकी मां कृष्ण प्यारी और शाह जी को एक बग्घी में बैठा कर लाहौर ले आये द्य जहाँ से परिवार मथुरा आया द्य पिता प्रकाश नाथ ने यहां लकड़ी का टाल खोला और उसकी आय से परिवार की गुजर-बसर होने लगी है । रमेश जी ने यहां स्कूल में दाख़िला लिया है और यही से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूर्ण की द्य इस बीच 1956 में रायपुर से पिता की मामी मथुरा आईं और उनकी आर्थिक व रहन सहन की दयनीय हालात देखकर परिवार को रायपुर ले आईं। रायपुर में मामा भीम सेन सरीन आढ़तिया का काम करते थे। गुजर-

जन्म दिवस विशेष

आज के दौर में पत्रकारिता की आड़ में अपने स्वार्थपरक कार्यों को करवाने व निजी लाभों के लिए सत्ता के गलियारों में राजनेताओं के ईर्दगिर्द नियमित कूल्हे हिलाने वाले पत्रकार तो बहुत मिलेंगे, पर ऐसे विरले ही पत्रकार होते हैं जो नैतिक मूल्य और जन सरोकार को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए ईमानदारी से पत्रकारिता को एक मिशन के रूप में जीते हों। लोक सेवा का माध्यम मानकर सदैव जनपक्षधर रहते हुए स्व. रमेश नैयर ने निष्ठा और प्रतिबद्दता से जीवन-भर पत्रकारिता की द्य आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी का यह कथन 'पत्रकारिता भाषा, विचार और चरित्र-तीनों की परीक्षा है' के एक उदाहरण रहे हैं, रमेश नैयर।

बसर के लिए उन्होंने पिता प्रकाश नाथ की रायपुर में राशन की दुकान खुलवाई और फिर बाद में उन्होंने किराना स्टोर खोला । रमेश जी ने शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में प्रवेश लेकर बीए की डिग्री हासिल की द्य बाद में उन्होंने अंग्रेज़ी सहित्य में स्नातकोत्तर डिग्री ली द्य पं रविशंकर विश्वविद्यालय के भाषा विज्ञान विभाग में अध्ययनरत होकर भाषा विज्ञान में एमए किया।

पुरानी भिलाई के जनता स्कूल में शिक्षक के रूप में उन्होंने नौकरी शुरू की ।

डेढ़ वर्ष अध्यापन करने के बाद हिंदी 'दैनिक युगधर्म' के रायपुर संस्करण में 1965 से 1973 तक उप संपादक व सहायक संपादक रहे द्य उसके बाद अंग्रेजी 'दैनिक एमपी क्रॉनिकल' के रायपुर संस्करण में 74 से 79 तक सहायक संपादक का कार्य किया द्य 1978 से 1982 तक बिलासपुर से प्रकाशित 'दैनिक लोकस्वर' के संस्थापक संपादक रहे द्य 'दैनिक ट्रिब्यून' चंडीगढ़ में 1983 से 1988 तक सहायक संपादक के पद पर कार्य किया द्य हिंदी साप्ताहिक 'संडे ऑब्जर्वर' के 1989 से 1992 तक कार्यकारी संपादक रहे द्य 1993 से 2002 तक 'दैनिक भास्कर' रायपुर के संपादक का दायित्व निभाया द्य जनवरी 2006 में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा उन्हें छत्तीसगढ़ राज्य हिंदी ग्रन्थ अकादमी के संचालक बनाया गया द्य 2016 तक इस अकादमी को उन्होंने अपनी सेवाएं दी।

घर में सबसे बड़े होने के कारण परिवार के लालन-पालन की जिम्मेदारी रमेश जी नौकरी लगते ही हो गई थी द्य अपने से छोटे भाई श्याम सुन्दर, बहन पवन, निर्मला, भाई ललित व सबसे छोटी बहन उर्मिला की परवरिश करते हुए उनकी शिक्षा व विवाह आदि करवाने की जिम्मेदारी गरिमा के साथ निभाही द्य रमेश जी का विवाह 2 मई 1966 में इंद्र मोहिनी से हुई थी द्य रमेश जी के बड़े पुत्र संजय रायपुर में व छोटे पुत्र संदीप वर्किंगघम (इंग्लॅण्ड) में सोफ्टवेयर इंजिनीयर हैं।

हिंदी, अंग्रेजी, गुरुमुखी व उर्दू भाषाओं के जानकार रमेश जी की कई पुस्तकें प्रकाशित हुईं द्य उनके संपादन में व्यंग रचनाओं की प्रकाशित पुस्तकें 'बुक ऑफ चारा रिकॉर्ड्स' तथा 'साधु जग बोराना' चर्चित रहीं द्य कहानियों के दो संकलन 'उत्तर कथा' तथा 'कथा यात्रा' ग्रंथ अकादमी नई दिल्ली ने प्रकाशित किये थे द्य 'भारत एक आहत सभ्यता', 'माटी मेरे देश की', 'रहस्यमय टापू' 'अलिफलैला' तथा 'वारिस' शीर्षक से अनुवाद की पांच पुस्तकें प्रकाशित हुईं थीं द्य इसके अलावा 'धूप के शामियानें' शीर्षक से आलेखों का संकलन प्रकाशित हुआ था।

अमेरिका को पछाड़कर भारत 'विश्व गुरु' बनने की ओर?

राजीव खंडेलवाल

परंतु लगातार देश का अपमान करने वाली बातों पर कभी भी उन्होंने ट्रम्प को एक शब्द भी नहीं कहा। न ही ऐसा कोई दावा किया। विश्व की हर समस्या का बिना मांगे इलाज करने वाले " डॉक्टर ट्रम्प" को इस बात का धन्यवाद तो दिया ही जाना चाहिए कि उन्होंने गर्भस्थ शिशु का "लिंग" तो बता ही दिया–भले ही भारत में लिंग-जांच पर कानूनी प्रतिबंध हो! परंतु "बच्चा" सुंदर है या नहीं, यह तो नौ महीने बाद ही पता चलेगा? पूर्व में ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सख्त वार्ताकार (नेगोशिएटर) का प्रमाण पत्र देने के अनुसार ही मोदी द्वारा टैरिफ50त्न से घटाकर 18 त्न कर देने के बावजूद विपक्ष की "सूत न कपास जुलाहों में लट्ठम-लट्ठा" रूपी पौ-चिल्लाहट का अर्थ क्या है?

लंबे समय से लंबित भारत-अमेरिका ट्रेड डील (व्यापारिक अनुबंध) की घोषणा अंततः अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा किए जाने के साथ ही, भारत के ''विश्व गुरु'' बनने पर मानो अंतरराष्ट्रीय मुहर लग गई हो। इस तथ्य को समझने के लिए आवश्यक है कि वर्ष 2025 में ट्रम्प के पुनः राष्ट्रपति बनने के बाद से अब तक भारत-अमेरिका व्यापारिक नीतियों के संबंध में घटित घटनाओं का विश्लेषण करें। पिछले लगभग एक वर्ष में कम से कम दो ऐसे बड़े नीतिगत निर्णय सामने आए हैं, जिनकी घोषणा भारत सरकार से पहले स्वयं अमेरिका राष्ट्रपति ट्रम्प ने विश्व मंच पर ÷सर सलामत तो पगड़ी हज़ार÷ की तर्ज पर की।

प्रमुख निर्णय, जिनकी घोषणा भारत से पहले ट्रंप ने की।

1. 10 मई 2025 –''ऑपरेशन सिंदूर' और भारत-पाक युद्ध विराम"।

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के दौरान राष्ट्रपति ट्रम्प ने यह दावा किया कि उन्होंने ट्रेड व टैरिफदबाव के माध्यम से दोनों देशों के बीच सीजफायर करवाया। भारत सरकार ने इसे स्पष्ट रूप से द्विपक्षीय निर्णय बताया, जो भारत की पाकिस्तान के संबंध में दीर्घकालिक विदेश नीति के अनुरूप था–'किसी तीसरे देश का हस्तक्षेप अस्वीकार्य''। किन्तु तथ्य यह भी है कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने "अपने मुंह मियां मिट्ठू बनते हुए" अपने उक्त दावे को 83 बार दोहराया और प्रधानमंत्री मोदी के मुख से ट्रंप के उक्त बार-बार दोहराए जाने वाले "दावे" पर एक बार भी स्पष्ट "प्रतिवाद" सामने नहीं आया।

2. 2 फरवरी 2026 –" भारत-अमेरिका ट्रेड डील की घोषणा"।

राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ' ट्रुथ (Truth) ' पर घोषणा की कि प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत के बाद उनके अनुरोध पर अमेरिका ने भारत-अमेरिका ट्रेड पर सहमति दी है।

ट्रंप के अनुसार:

भारत पर अमेरिकी टैरिफ 50% से घटाकर 18त्न, तत्काल प्रभाव से करेगा। चूंकि "घोड़ा घास से यारी तो कर नहीं सकता" बदले में भारत रूसी तेल खरीद बंद करेगा व अमेरिका/वेनेजुएला से अधिक तेल खरीदेगा। साथ ही 500 बिलियन डॉलर के अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा। भारत अपने टैरिफ/ बैरियर लगभग शून्य करेगा। इसके बाद भारत की ओर से ट्रेड डील की बात तो स्वीकार की गई, किंतु–केवल टैरिफघटने की पुष्टि के साथ। लेकिन अन्य शर्तों पर मौन? अभी तक अमेरिका के साथ भारत का ट्रेड व्यापार अतिशेष (212 बिलियन डॉलर) रहा। यह विश्व के किसी भी देश की तुलना में सबसे अधिक है। लेकिन यदि 500 बिलियन का अमेरिका उत्पाद भारत खरीदेगा तो वह ऋणात्मक होकर सरप्लस व्यापार घाटे में परिवर्तित हो जायेगा। एक तथ्यात्मक प्रश्न यह भी है कि टैरिफ50% से घटाकर 18% एक उपलब्धि है, तो अमेरिका के साथ "ट्रेड वार" चालू होने के पहले जो टैरिफ मात्र 3.3% था, वह बढ़कर अब 18त्न हो गया है। इसके लिए ÷उत्सव÷ मनाना कितना औचित्य है? वह भी जब डीड पर अभी हस्ताक्षर नहीं हुए हैं, (पीयूष गोयल के अनुसार,) सोवियत रूस से ÷सस्ता तेल हमको रुपए में" मिलता है जिस कारण अभी तक लगभग एक करोड़ 153 लाख करोड रुपए बचे। यदि यह मान भी लिया जाए कि भारत ने रूस से तेल कम खरीदीने की बात को नहीं स्वीकारा है, तब भी दिसंबर 2025 में रूस की आयत में कुल हिस्से घटकर 27त्न 4त्न रह गया जो जनवरी 2030 के बाद अब तक सबसे कम है। खरीदी कम होने का कोई कारण सरकार ने नहीं बतलाया। क्योंकि रूस ने तो तेल सप्लाई करने से मना कभी किया नहीं?

माय डियर फ्रेंड' की कूटनीति। एक सफल: एक असफल?

राष्ट्रपति ट्रम्प ने प्रधानमंत्री मोदी को हमेशा की तरह" महानतम दोस्तों में से एक" बतलाते हुए कहा कि "मोदी के अनुरोध पर ही उन्होंने यह डील तुरंत मंजूर की"। प्रधानमंत्री मोदी ने भी ट्रम्प को '' मेरे प्रिय मित्र'' कहकर इस ट्रेड़ डील के लिए धन्यवाद दिया। दुर्भाग्यवश यह तथाकथित मित्रता अब केवल एक तरफा होकर व्यक्तिगत नहीं, बल्कि भारत के हितों के विरुद्ध नीतिगत घोषणा-प्रणाली का रूप ले चुकी है। जिस पर कोई अंकुश नहीं है।

ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 12 महीनों में ट्रम्प को सोशल मीडिया "एक्स" प्लेटफार्म के द्वारा मैसेज न भेजे हों? कम से कम 5-6 बार मैसेज किया और "माय फ्रेंड" या "डियर फ्रेंड" कहकर "थैंक यू" ही कहा। हमेशा सकारात्मक दोस्ताना और सहयोग पर ही फोकस किया। अक्टूबर 2025 में "गांजा पीस प्लान" की सफलता पर बधाई दी। फोन पर भी दो बार बात हुई।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

गीत की लहरियां तो यही कह रहीं भावनाओं का मौसम बहुत सर्द है ! कल्पनाएं नई, व्यंजनाएं नई गीत के अर्थ में भी नए दर्द हैं । राग में हैं कई अश्क की झील सी कर रहीं व्याख्याएं नई, पीर की भाव की वेदना के तरल बिम्ब में हर सिसकती सदी के छुपे दर्द हैं गीत की लहरियां... बंदिशें तोड़तीं व्याख्या प्रीत की कैद से चल पडीं डायना गीत की ये बसंती हवा सी, दुआएं लिए नेह की कल्पनाएं कि हमदर्द हैं गीत की लहरियां...

– अजय कुमार सिंह भदौरिया

अक्षर स्व में स्व से हिलकर, शब्द अनेक गढ़ते हैं मिलकर,, ना हथियार से ना आयुध के वार से- धार अकाट्य रखते अपने बल पर, टूटते रिस्तों को पल में बनाते है, अनसुलझी उलझन सुलझाते हैं, नई दुनियाँ बनाते अपने आधार पर, अक्षर स्व से स्व में हिलकर, शब्द अनेक गढ़ते हैं मिलकर। – **ललित उपाध्याय**

हम अपने प्यार की,दुनिया तुम्हारे नाम कर बैठे... खूबसूरत ये गुनाह क्यूँ,सर-ए-आम कर बैठे !! नजारा साजिशों का तेरी, हरा हमको कहाँ पाया . बाजी ये मुहब्बत की,हमदम हमारे नाम कर बैठे।।

– डॉ.सविता वर्मा 'ग़ज़ल'

मैं चुप हूँ, इसका ये मतलब नहीं कि मैं कमज़ोर हूँ, मैं मेरी ख़ामोशी में भी, हौसलों का शोर हूँ। लफ़्ज़ जब ज़रूरत होंगे, खुद रास्ता बना लेंगे, अभी शांत हूँ मैं, मगर हर तूफ़ान का तोड़ हूँ। – **अनुराधा सिंह**

तुम कभी किसी विकल पंछी से पूछना कैसे तुम्हारी प्राण-पपिहरी छूटी है। कभी किसी नीड़ के तिनको से पूछना उस घन-गर्जन के तांडव नर्तन में कैसे उसके दिल पर बिजली टूटी है। पूछना यादों के कंकाल से वो कैसे अटटहास करते हैं। सपनों के शव को एक दुशाला मिला नहीं मेरी आँखों को मेरा वधशाला मिला नहीं मैं किसके लिए नित गीत लिखूँ नये -नये आँखों को जब उसका उजियाला मिला नहीं...।

– नीरज वर्मा नीर

जाने क्यों लोग ले आते है अपने अहंकार के होड़ में.. जाने क्यों गिराते है मुझे अपने ही बातो के दौड़ में मुझे तो पता है अपनी हरेक एहसास की पूंजी.. कभी मुश्किलों भरा सफ़र कभी खुशियां मिली जोड़ में.. माना देती जवाब तीखी शुगर कोट के नही होड़ में.. कि समय देगा सभी को ये जवाब ज्मौन भी तो क्यों.. कि वफ़ा की सादगी बुलाती है मुझे मीठी ना रखती हूँ ज़हर कभी दिल में..!!

– नंदिता तनूजा

"हमें तो कोई चॉकलेट नहीं देता, पता नहीं चॉकलेट का कारोबार कैसे चल रहा है..." मैं मन ही मन बड़बड़ा रही थी। बेटी ने बिना किसी भूमिका के कहा, "कॉफी में भी तो चॉकलेट पाउडर होता है।" मुझे लगा कि ज़िंदगी में यह समझ लेना चाहिए कि मिठास अक्सर वहीं होती है, जहाँ हम देखना भूल जाते हैं। मेरे लफ़्ज़ों में..... चॉकलेट डे।

– शोभा गोयल

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आपके लिए आज का दिन प्रतिकूल फल देने वाला रहेगा। जिस भी कार्य को करने का मन बनाएंगे उसमे पहले आलस्य बाद में किसी के गलत मार्गदर्शन के कारण विघ्न बाधाएं आएंगी।

वृष: आज के दिन आपको लगभग सभी कार्यो के अनुकूल परिणाम मिलेंगे। अधिकांश कार्य थोड़े से प्रयास से पूर्ण हो जाएंगे।

मिथुन: आज का दिन आर्थिक दृष्टिकोण से उन्नति वाला रहेगा। धन संबंधित समस्याएं काफी हद तक सुलझने पर दिन भर प्रसन्नता रहेगी। दाम्पत्य सुख में भी वृद्धि होगी।

कर्क: आज के दिन आप बुद्धि विवेक से कार्य करेंगे परन्तु परिस्थिति हर तरह से कार्यो में बाधा डालेगी। महिलाये अधिक बोलने की समस्या से ग्रस्त रहेंगी।

सिंह: आज के दिन आप सम्भल कर ही कार्य करेंगे फिर भी सफलता में संशय बना रहेगा। व्यवहारिकता की कमी के कारण जितना लाभ मिलना चाहिए उतना नही मिल सकेगा।

कन्या: आपका आज का दिन आर्थिक लाभ कराएगा फिर भी ध्यान रखें व्यवहार का रूखापन लाभ को हानि में बदलने के साथ ही सामाजिक प्रेम संबंधों में खटास भी ला सकता है। धन आने के साथ जाने के रास्ते बना लेगा।

तुला: आज के दिन आप किसी भी कार्य को लेकर ज्यादा भाग-दौड़ करने के पक्ष में नही रहेंगे। आसानी से जितना मिल जाये उसी में संतोष कर लेंगे।

वृश्चिक: आज आप दिन के आरंभ में जितना परिश्रम करेंगे मध्यान के बाद उसका फल धन लाभ एवं सम्मान के रूप में मिलेगा। परन्तु कार्य व्यवसाय में आज अधिकांश कार्य बीच मे भी छोड़ सकते है।

धनु: आज के दिन आप अकस्मात घटनाओं से सतर्क रहें। घरेलू दिनचर्या वैसे तो सामान्य ही रहेगी परन्तु आज जिस भी कार्य मे हाथ डालेंगे उसमे आशा के विपरीत अकस्मात क्षति के योग बनेंगे।

मकर: आपको आज का दिन धन एवं सम्मान दोनों की प्राप्ति कराएगा। जिस भी कार्य को करेंगे उसमे प्राम्भ में थोड़ी भाग-दौड़ करनी पड़ेगी लेकिन अंतिम परिणाम प्रसन्नता दायक रहेगा।

कुंभ: आज आपको प्रत्येक कार्यो में सफलता मिलेगी लेकिन इसके लिए बौद्धिक परिश्रम अधिक करना पड़ेगा। आध्यत्म अथवा साधना क्षेत्र से जुड़े जातको को साधना में सिद्धि की दिव्य अनुभूति होगी।

मीन: आज के दिन कार्यो के प्रति मन मे उच्चाटन रहेगा। नौकरी पेशा एवं व्यवसायिक लोगो को अपने क्षेत्र में विविध कष्टो का सामना करना पड़ेगा। कोई भी कार्य बिना किसी के सहयोग के बनाना असंभव ही लगेगा।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) दुनिया के सबसे पुराने ज्ञात उल्कापिंड प्रभाव क्रेटर की खोज किस देश ने की है?

2) हाल ही में 9वां अमूर फाल्कन महोत्सव किस राज्य में मनाया गया?

3) किस वायसराय के शासनकाल में दिल्ली दरबार में महारानी विक्टोरिया को कैसर-ए-हिन्द की उपाधि से सम्मानित किया गया?

4) दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम कहां शुरू की गई?

5) समाचारों में देखे गए टेनकाना जयमंगली किस प्रजाति से संबंधित है?

उत्तरमाला- (1) ऑस्ट्रेलिया (2) नागालैंड (3) लॉर्ड लिटन (4) दिल्ली (5) मकड़ी

पहेली

शब्द सामर्थ्य -311

त्रेता युग में माता सीता ने बनाई थी शिवलिंग, आज भी निभाई जाती है निर्माण की यह परंपरा

राजिम/नवप्रदेश। त्रिवेणी संगम तट पर स्थित पंचमुखी भगवान श्री कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर धार्मिक और पौराणिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता है। यह प्राचीन मंदिर आठवीं-नवमी शताब्दी का बताया जाता है। मंदिर में की गई कलात्मक नक्काशी और स्थापत्य कला यहां आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करती है।

मंदिर परिसर दो प्रमुख भागों में विभाजित है। प्रथम भाग में महामंडप से होते हुए गर्भगृह स्थित है, जहां भगवान शिव ज्योतिर्लिंग स्वरूप में विराजमान हैं। वहीं दूसरे भाग में देवी दुर्गा की प्रतिमा स्थापित है। मंदिर परिसर में स्थित पीपल का वृक्ष लगभग 600 वर्ष पुराना बताया जाता है। यह मंदिर लगभग 17 फीट ऊंचे जगती तल पर स्थित है। प्रतिवर्ष बरसात के दिनों में बाढ़ आने के बावजूद मंदिर अपने स्थान पर अडिग खड़ा है। मंदिर अभिलेखों के अनुसार

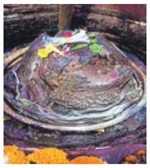

यह लगभग 1100 वर्षों से अपने मूल स्थान पर स्थित है। मंदिर तक पहुंचने के लिए तीन दिशाओं से सीढ़ियां बनाई गई हैं। मुख्य सीढ़ी पूर्व दिशा की ओर है, जबकि अन्य दो सीढ़ियां उत्तर और दक्षिण दिशा में स्थित हैं।

माता सीता ने रेत से किया था शिवलिंग का निर्माण : पौराणिक कथाओं के अनुसार त्रेता युग में वनवास काल के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता एवं लक्ष्मण राम वनगमन पथ से होते हुए राजिम पहुंचे थे।जहां त्रिवेणी संगम में स्नान के पश्चात माता सीता ने नदी में रेत से शिवलिंग बना कर पूजा-अर्चना की। कथा के अनुसार शिवलिंग पर जलाभिषेक करते समय पांच दिशाओं से जल प्रवाहित होने लगा, जिससे यह शिवलिंग पंचमुखी स्वरूप में प्रतिष्ठित हुआ। तभी से यह स्थल पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पृथ्वी लोक में द्वादश ज्योतिर्लिंग, 275 पवित्र शैव पीठ एवं 108 दिव्य शिवलिंगों का उल्लेख मिलता है। राजिम क्षेत्र में भी अनेक प्राचीन शिवलिंग स्थापित हैं, जिनमें भूतेश्वरनाथ महादेव, राजराजेश्वरनाथ महादेव, दानेश्वरनाथ महादेव, पंचेश्वरनाथ महादेव, बाबा गरीबनाथ महादेव, सोमेश्वरनाथ महादेव, भुनेश्वरनाथ महादेव, पद्मेश्वरनाथ महादेव एवं बटुकेश्वरनाथ महादेव प्रमुख हैं।

पौराणिक मान्यता के अनुसार त्रेता युग में भगवान श्रीराम ने रामेश्वरम में शिवलिंग की स्थापना की थी, जबकि माता सीता ने राजिम के त्रिवेणी संगम में रेत से कुलेश्वरनाथ महादेव की स्थापना की थी।

प्रतिदिन उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

पंचमुखी कुलेश्वरनाथ महादेव मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। दूर-दूर से आए भक्त कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते हैं। श्रद्धालु भगवान शिव को बिल्व पत्र, धतूरा, शमी पत्र, शक्कर, दूध, दही, शहद, मधुरस एवं चंदन अर्पित करते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में बैरिकेड्स लगाए गए हैं, जिससे दर्शन व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

न्यूज गैलरी

बच्चों की छुट्टी को लेकर दंपती से मारपीट

महासमुंद/नवप्रदेश। बच्चे की छुट्टी की बात को लेकर पति-पत्नी के साथ मारपीट के मामले में सिटी कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को वार्ड नंबर 12 पिटियाझर निवासी डाकेश्वरी सिन्हा ने बताया कि उसके सास-ससुर व देवर ग्राम खम्हरिया में रहते हैं। 7 फरवरी को करीब 2.30 बजे के मध्य उनके ससुर खेमनाथ सिन्हा और देवर युवराज सिन्हा घर आए और बातचीत के दौरान बताया कि युवराज सिन्हा के बच्चे का छट्टी कार्यक्रम 8 फरवरी को रखा गया है। इस पर उन्होंने (प्रार्थिया) ने कहा कि साथ में मेरे बच्चे डेविड सिन्हा का भी छट्ठी कार्यक्रम रखवा देते तो एक साथ दोनों बच्चों का हो जाता। इस बात को सुनकर देवर ने आवेश में आकर हम लोग क्यों करेंगे तुम्हारे बच्चे की छट्ठी कहकर गालियां देते हुए मारपीट की, उसी दौरान ससुर खेमनाथ सिन्हा बहुत बात करती है, कहकर धक्का देकर जूते से पीटने लगा। विवाद बढ़ता देख पति राजेश सिन्हा बीच बचाव करने आए उसके साथ भी ससुर व देवर ने मारपीट की। इसी दौरान युवराज सिन्हा ने रॉड से मारपीट की। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115(2), 117(2), 296, 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

शराब दुकान के सुपरवाइजर को पीटा, गल्ले से रुपये भी ले गए

महासमुंद/नवप्रदेश। ग्राम अछोला स्थित लाइसेंसी आहाता के सुपरवाइजर के साथ कुछ लोग मारपीट कर गल्ले से रुपए लेकर चले गए। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस को अछोला के लाइसेंसी आहाता के सुपरवाइजर तुकेश (28) ने बताया 07 फरवरी की दोपहर करीब 1.20 बजे लक्की ठाकुर, दद्दू ध्रुवंशी, गुलशन, प्रकाश और उनके साथी शराब पीने आए थे। डिस्पोजल पानी लेने पर चिल्हर मांगने पर विवाद शुरू हो गया और वे लोग गालियां देने लगे। अहाता स्टाफ अभिषेक सिंह, छोटेलाल, राजू ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। लेकिन, वे लोग नहीं माने और मारपीट शुरू कर दी, अहाता में अंदर घुसकर भी मारपीट की और गल्ले से लगभग 1800 रुपए निकाल कर ले गए और जान से मारने की धमकी दी। मामले की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(3), 309(4) के तहत जुर्म दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

शराब बनाने की अवैध फैक्ट्री से 105 लीटर महुआ शराब जब्त

महासमुंद/नवप्रदेश। सांकरा पुलिस ने नदी किनारे संचालित एक अवैध महुआ शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त छापामार कार्रवाई में भारी मात्रा में कच्ची शराब, लाहन और शराब बनाने के उपकरण जब्त किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम लोहराकोट के जंगल और नदी किनारे लंबे समय से गुप्त रूप से बड़े पैमाने पर महुआ शराब बनाने की सूचना पुलिस को मुखबिर के माध्यम से प्राप्त हुई थी। सूचना पर सांकरा पुलिस और एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स की संयुक्त टीम गठित की गई। 7 फरवरी की शाम लगभग 6 बजे पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से नदी किनारे घेराबंदी कर छापामार कार्रवाई की। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 105 लीटर तैयार कच्ची महुआ शराब बरामद की। इसके अलावा शराब निर्माण के लिए रखे गए लगभग 200 किलो महुआ लाहन मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार इस लाहन से लगभग 600 लीटर शराब तैयार की जा सकती थी। पुलिस ने मौके से शराब निर्माण में उपयोग किए जा रहे कई उपकरण भी जब्त किए हैं, जिनमें एक बिना नंबर की स्कूटी, वाटर पंप, एप्पल कंपनी का मोबाइल फोन कीमत लगभग 1.06 लाख रुपये, 8 गैस सिलेंडर, चूल्हा, 8 बड़े ड्रम और अन्य बर्तन शामिल हैं। जब्त सामग्री की कुल कीमत लगभग 1 .66 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने लोहराकोट निवासी तेजकुमार डडसेना (28) को गिरफ्तार कर लिया, वहीं करण चौहान और रितेश सिन्हा फरार हो गए।

भारत की मजबूत नींव रखने वाला ऐतिहासिक बजट

महासमुंद/नवप्रदेश। खाद्य व नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखने वाला ऐतिहासिक बजट है। श्री श्रीवास्तव जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में यह 12वीं बार बजट प्रस्तुत हुआ है और श्रीमती निर्मला सीतारमण लगातार 9वीं बार यह बजट पेश करने वाली पहली महिला वित्त मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट विकसित भारत के सपने को साकार करने का महाकाव्य है। यह समाज की समृद्धि और संकल्पों की सिद्धि का बजट है। यह डेवलप्ड इंडिया का डायनामिक बजट है। प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता और विजन से प्रेरित यह बजट वर्ष 2047 के आत्मनिर्भर, सशक्त और समृद्ध भारत की मजबूत नींव रख रहा है। जो किसान, युवा, महिला और देश के युवाओं के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने का यह बजट एक नया अध्याय लिखेगा। यह बजट विशेष रूप से गांव, गरीब, किसान, युवा और महिला इन सभी वर्गों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में चल रही योजनाओं से गरीबी लगातार कम हो रही है और यह बजट गरीब को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि लखपति दीदी योजना की सफलता को आगे बढ़ाते हुए बजट में सेल्फहेल्प एंटरप्रेन्योर 'एसएचई -मार्ट' की व्यवस्था की गई है।

सभापति प्रकाश सिन्हा ने कलेक्टर से की शीघ्र मरम्मत की मांग

बसना-पदमपुर अंतरराज्यीय मार्ग बदहाल गड्ढों में तब्दील सड़क से हादसे की आशंका

महासमुंद/नवप्रदेश। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत बसना से पदमपुर (ओडिशा अंतराज्यीय सीमा) को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग इन दिनों अत्यधिक जर्जर एवं खस्ताहाल स्थिति में पहुंच चुका है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े एवं गहरे गड्ढों के कारण आम नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है।

यह मार्ग कालकासा, अंकोरी, अंकोरी टांडा मार्ग एवं पलसपाली (अ) सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ता है। इन क्षेत्रों से प्रतिदिन स्कूली बच्चे, किसान, मजदूर, मरीज तथा दोपहिया-चारपहिया एवं भारी वाहन आवाजाही करते हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार सड़क की बदहाल स्थिति के चलते कई बार दुर्घटनाएँ घटित हो चुकी हैं। विशेषकर रात्रिकाल एवं वर्षा ऋतु में गड्ढे दिखाई न देने से हादसों की आशंका और अधिक बढ़ जाती है, जिससे आमजन में भय का माहौल है। इस गंभीर समस्या को लेकर जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 21 अंकोरी, प्रकाश कुमार सिन्हा ने जिला कलेक्टर महासमुंद को आवेदन सौंपते हुए तत्काल मरम्मत एवं आवश्यक सुधार कार्य कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह विषय केवल सड़क की दुर्दशा तक सीमित नहीं है, बल्कि सीधे तौर पर जनसुरक्षा से जुड़ा हुआ मामला है। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, तो किसी बड़ी जनहानि से इंकार नहीं किया जा सकता।

महासमुंद कलेक्टर से की शिकायत

प्रकाश सिन्हा ने कलेक्टर महासमुंद को 06 फरवरी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि संबंधित लोक निर्माण विभाग को निर्देशित कर गड्ढों की तत्काल मरम्मत अथवा आवश्यक सुधार कार्य कराया जाए, ताकि आवागमन सुरक्षित एवं सुचारु हो सके। साथ ही उन्होंने प्रशासन से संबंधित कार्य एजेंसी के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई करने की भी मांग की है, जिससे भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही की पुनरावृत्ति न हो।

महासमुंद जिले में सामूहिक दवा सेवन अभियान 10 से 25 फरवरी तक

- **एक से 2 वर्ष के बच्चों को केवल एल्बेंडाजोल की आधी गोली दी जाएगी**

महासमुंद/नवप्रदेश। राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह के निर्देशन में जिले में 10 से 25 फरवरी 2026 तक सामूहिक दवा सेवन अभियान चलाया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई नागेश्वर राव ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जिले के सभी पात्र नागरिकों को स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा डीईसी (डाईथाइकार्बामाजीन) एवं एल्बेंडाजोल दवा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार खिलाई जाएगी। दवा सेवन स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी में डॉट्स पद्धति के माध्यम से कराया जाएगा, ताकि इसका सही प्रभाव सुनिश्चित किया जा सके।

उन्होंने बताया कि दो वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्तियों को यह दवा नहीं दी जाएगी। वहीं, 1 से 2 वर्ष के बच्चों को केवल एल्बेंडाजोल की आधी गोली दी जाएगी, जिसे चबाकर खाने की सलाह दी गई है। दवा वितरण एवं सेवन निर्धारित समय-सारणी एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया जाएगा। अभियान के प्रारंभिक दिनों में आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों एवं सार्वजनिक स्थलों पर बूथ लगाकर दवा सेवन कराया जाएगा। इसके बाद घर-घर जाकर पात्र व्यक्तियों को दवा दी जाएगी तथा छूटे हुए लोगों को मॉप-अप राउंड में कवर किया जाएगा। शहरी क्षेत्रों, स्लम बस्तियों, कार्यालयों एवं दूरस्थ क्षेत्रों में मोबाइल टीम के माध्यम से दवा सेवन कराया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा आम नागरिकों से अपील की है कि वे अभियान के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों का सहयोग करें और स्वयं तथा अपने परिवार के सभी पात्र सदस्यों को दवा अवश्य सेवन कराएं, ताकि जिले को फाइलेरिया मुक्त बनाया जा सके। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के कक्ष क्रमांक 20 में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को दिए प्रेरक संदेश

- **बच्चों को भावनात्मक सहयोग, विश्वास और सकारात्मक वातावरण दें : कलेक्टर लंगेह**

महासमुंद/नवप्रदेश। कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा 20 फरवरी 2026 से प्रारंभ होने जा रहा हैं। इस अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए प्रेरक संदेश जारी किया है।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा है कि बोर्ड परीक्षा विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण है, जिसे संतुलन, सकारात्मक सोच एवं आत्मविश्वास के साथ पार करना आवश्यक है। यह परीक्षा विद्यार्थियों की मेहनत, अभ्यास एवं अनुशासन का मूल्यांकन करने का अवसर है, जीवन का अंतिम निर्णय नहीं है। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से शांत मन, धैर्य एवं आत्मविश्वास बनाए रखने की अपील की है। परीक्षा के दौरान समय पर विश्राम करने, संतुलित भोजन करने, अध्ययन किए गए विषयों का पुनरावलोकन करने तथा परीक्षा कक्ष में प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर उत्तर लिखने की सलाह दी गई है। साथ ही, दूसरों से तुलना कर तनावग्रस्त होने एवं अंतिम समय में नया विषय पढ़ने से बचने का आग्रह किया गया है।

दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

बागबाहरा/नवप्रदेश। जनपद पंचायत बागबाहरा कार्यालय में आज 9 फरवरी 2026 को दिव्यांगजनों के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए दिव्यांगजन सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत अध्यक्ष केशव नायकराम चंद्राकर के द्वारा दिव्यांग हितग्राहियों को आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ करते हुए अध्यक्ष केशव नायकराम चंद्राकर ने अपने

संबोधन में कहा कि समाज के समग्र विकास के लिए यह आवश्यक है कि हर वर्ग के साथ-साथ दिव्यांगजनों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण उपलब्ध कराना केवल सहायता नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त प्रयास है। अध्यक्ष चंद्राकर ने कहा कि इन उपकरणों से दिव्यांगजनों के दैनिक जीवन, शैक्षणिक गतिविधियों और सामाजिक सहभागिता में सहजता आएगी। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को उपकरण प्रदान कर उनकी शारीरिक सीमाओं को कम करने और उन्हें सामान्य जीवन के करीब लाने का प्रयास किया जा रहा है।

परीक्षा केंद्रों में पहुंचायी गई 1.20 लाख उत्तर पुस्तिकाएं

- **बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियां अंतिम चरण में**

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियां अब अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। परीक्षा संचालन से जुड़ी गोपनीय और आवश्यक सामग्री को समय पर परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। समन्वयक संस्था द्वारा सभी केंद्रों में उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण पूरा कर लिया गया है, जिससे परीक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन की तैयारी स्पष्ट नजर आ रही है।

समन्वयक संस्था के अनुसार अब तक लगभग 1.20 लाख उत्तर पुस्तिकाएं परीक्षा केंद्रों को उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। इसके अलावा पूरक उत्तर पुस्तिकाएं भी केंद्रों तक पहुंचा दी गई हैं। किसी प्रकार की तकनीकी या प्रिंटिंग त्रुटि की स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त 20 हजार उत्तर पुस्तिकाओं की मांग भी की गई है।

तीन राज्यों के तस्करों से 66 लाख का 132.5 किलो गांजा जब्त

- **एक महिला समेत 11 आरोपी गिरफ्तार, छह कार भी सीज**

महासमुंद/नवप्रदेश। जिले में एंटी नारकोटिक टॉस्क फोर्स की टीम ने पिछले 24 घंटे के अंदर गांजा तस्करी के खिलाफ 3 अलग-अलग थाना क्षेत्र से 132. 5 किलो गांजा जब्त किया है। जिसकी कीमत 66 लाख 25 हजार बताई जा रही है। इनमें 5 मध्य प्रदेश, 4 महाराष्ट्र, 2 ओडिशा एक महिला समेत 11 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इस तस्करी में 6 कार भी जब्त किए हैं। वही 6 घंटे के अंदर एंड टू एंड कार्रवाई में थोक बिक्रीकर्ता और खरीददार भी पकड़ा गया है।

पुलिस के ऑपरेशन निश्चय के तहत जिले के सिंघोड़ा, कोमाखान और बागबाहरा थाना क्षेत्र में तस्करी करते हुए पकड़े गए गांजा का खुलासा करते हुए पुलिस कप्तान प्रभात कुमार ने बताया कि 132.5 किलो गांजा जब्त किया है। तस्करी में शामिल 11 आरोपी भी पकड़े गए हैं। गांजा परिवहन में

इस्तेमाल की गई 55 लाख की 6 कार भी जब्त किए गए हैं। एसपी ने बताया कि रायपुर, राजनांदगांव, भंडारा जिले के पुलिस के सहयोग से 6 घंटे में पूरे नेटवर्क को पकड़ने में सफलता मिली है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई में साइबर थाना के डाटा एनालिटिक्स एंड इंटेलिजेंस डेस्क के विश्लेषण टीम की विशेष भूमिका रही है। सिंघोड़ा थाना में सोनपुर ओड़िशा की ओर से स्वीफ्ट डिजायर एवं टाटा इंडिको दो सफेद कार से गांजा तस्करी करने की मुखबिर से मिली सूचना पर नेशनल हाईवे 53 पर नाकाबंदी व जांच टीम बिठाई गई।

राजिम कुंभ कल्प: मुख्य मंच पर आरू साहू की भव्य प्रस्तुति, आरु को सुनने उमड़ी भीड़, जमकर झूमे दर्शक

'मेरा भारत का बच्चा-बच्चा... जय-जय श्रीराम बोलेगा' से गूंज उठा मंच

राजिम/नवप्रदेश। राजिम कुम्भ कल्प 2026 के आठवें दिन मुख्य मंच पर बाल कलाकार आरू साहू की भव्य प्रस्तुति हुई, नवीन मेला मैदान मेरा भारत का बच्चा-बच्चा जय-जय श्रीराम बोलेगा... गाने से गूंज उठा। आरू साहू की झलक पाने मुख्य मंच श्रद्धालुओं व दर्शकों से खचाखच भरा रहा। राम सिया राम जय-जय राम से प्रस्तुति की शुरुआत करने वाली आरू साहू ने अपनी सधी हुई आवाज़, आत्मविश्वास और भावपूर्ण गायन से न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता, बल्कि जनप्रतिनिधियों को भी तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया। भक्ति, लोकसंस्कृति और

देशभक्ति के रंग में रंगी इस बाल कलाकार की प्रस्तुति से लोग सरोबार होते रहे।

आठवें दिन मुख्य मंच पर कार्यक्रम की शुरूआत धमतरी के प्रसिद्ध कलाकार रूपेन्द्र साहू की रही। उन्होंने मां जगदम्बा का स्मरण करते हुए भक्ति गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति दी, जिससे दर्शक भक्ति-रस में डूब गए। इसके बाद रि... रिलो... जैसे आदिवासी गीतों ने माहौल को पूरी तरह जीवंत कर दिया। छम-छम बोले पांव के पैरी... और जिंदगी के नहीं हे ठीकाना, लहरगंगा लें लेतें... जैसे गीतों पर दर्शक झूमते नज़र आए। इन प्रस्तुतियों ने न सिर्फ मंच को रोमांचित किया, बल्कि दर्शकों में भी नई ऊर्जा का संचार किया।

बाल कलाकार आरू साहू की प्रस्तुति ने बांधा समां : कार्यक्रम की अगली कड़ी में जब बाल कलाकार आरू साहू ने प्रस्तुति दी, तो पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्होंने अपनी पहली प्रस्तुति राम सिया राम जय-जय राम... से दर्शकों का दिल जीत लिया। ओ मईया झूपत-झूपत महूं ल नाचई देबे... गीत पर जोरदार तालियाँ गूंजीं। मेरा भारत का बच्चा-बच्चा जय-जय श्रीराम बोलेगा... गीत की प्रस्तुति ने लोगों से जयश्री राम के नारे लगाने पर मजबूर कर दिया दर्शक अपनी जगह पर ही जमकर थिरकने लगे। गीत पर राजिम विधायक रोहित साहू, साजा विधायक ईश्वर साहू सहित उपस्थित जनप्रतिनिधि भी हाथ उठाकर तालियां बजाने को मजबूर हो गए।

लोकनृत्य और शिवभक्ति से सजा मंच : इसके बाद आरू साहू ने दीपावली के अवसर पर होने वाले सुवा नृत्य, गौरी-गौरा और राउत नाचा की मनमोहक प्रस्तुति दी। वहीं दुर्गेश तिवारी ने सावन म शिव जी ल मनाबो... गीत गाकर मंच और दर्शक दीर्घा को शिवमय बना दिया। आरू साहू की अगली प्रस्तुति चना के दाल राजा, चना के दाल रानी... पर दर्शक झूम उठे। उन्होंने पंथी नृत्य और छोटे से श्याम कन्हैया.. की प्रस्तुति देकर दर्शकों से भरपूर स्नेह और आशीर्वाद प्राप्त किया।

लोकसाधना की सुमधुर प्रस्तुतियां

इसके पश्चात लोकसाधना की कलाकार सावित्री कहार ने गजानंद स्वामी चार भुजाधारी और चल न खेलेल जाबो गांजरकली जैसे गीतों से खूब तालिया बटोरीं। वहीं गोला रे गोला, बर्फके गोला.., चिरईया ल के गोटी मारों.. और कर्मा सुने ल चले आबे गा.. जैसे गीतों ने दर्शकों को मंच से बांधे रखा। लोकसाधना टीम द्वारा प्रस्तुत छुनुर-छुनुर पैरी बाजे रे गोरी.. गीत ने भी दर्शकों से भरपूर मनोरजंन किया।

साढ़े तीन करोड़ के विकास कार्यों से भाटापारा को मिलेगी नई पहचान, नागरिक सुविधाएं होंगी बेहतर

■ **नगर का सुव्यवस्थित विकास पहली प्राथमिकता : अश्वनी शर्मा**

भाटापारा/नवप्रदेश। नगर के सर्वांगीण एवं सतत विकास के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा लगभग साढ़े 3 करोड़ की लागत से विभिन्न बहुप्रतीक्षित विकास कार्यों को एक साथ स्वीकृति प्रदान की गई है। यह स्वीकृति नगर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने के साथ-साथ भाटापारा को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं नागरिक सुविधाओं से युक्त नगर के रूप में विकसित करने की सोच को दर्शाता है।

जानकारी अनुसार 3.50 करोड़ की इस स्वीकृत राशि से नगर के प्रमुख चौक-चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा, जिससे यातायात व्यवस्था अधिक सुचारु एवं सुरक्षित होगी; अंडर ब्रिज का बीटी कार्य संपादित किया जाएगा, जिससे आवागमन और अधिक सहज बनेगा; नगर पालिका परिसर का समग्र विकास किया जाएगा, जिससे नागरिकों को बेहतर प्रशासनिक सेवाएँ प्राप्त होंगी; साथ ही

नगर के विभिन्न वार्डों की लंबे समय से लंबित आवश्यक मांगों की पूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इन कार्यों के माध्यम से नगर के प्रत्येक वार्ड में संतुलित एवं समान विकास का लक्ष्य रखा गया है। इन सभी विकास कार्यों के पूर्ण होने से नगरवासियों को बेहतर यातायात सुविधा, स्वच्छ एवं सुंदर सार्वजनिक स्थल, आधुनिक व्यावसायिक सुविधाएँ तथा सुगम नागरिक सेवाएँ प्राप्त होंगी, जिससे नगर के सामाजिक एवं आर्थिक जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आएगा।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने इन विकास कार्यों की स्वीकृति हेतु मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल एवं पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा के प्रति आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के दूरदर्शी नेतृत्व, सुदृढ़ प्रशासनिक दृष्टिकोण एवं जनकल्याणकारी सोच के परिणामस्वरूप भाटापारा नगर को निरंतर विकास की नई दिशा और गति प्राप्त हो रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी स्वीकृत विकास कार्यों को उच्च गुणवत्ता, पूर्ण पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाएगा, ताकि विकास का लाभ नगर के प्रत्येक नागरिक तक समान रूप से पहुँच सके। उन्होंने कहा कि ये विकास कार्य केवल भौतिक संरचनाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह पहल भाटापारा के सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय विकास को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

स्थानीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

इन विकास कार्यों के अतिरिक्त, नगर के समग्र आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय विकास को दृष्टिगत रखते हुए कुछ अन्य महत्वपूर्ण कार्य भी प्रस्तावित किए गए हैं, जिनमें पलटन होटल व्यावसायिक परिसर का निर्माण शामिल है, जिससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे; मॉल क्षेत्र के समीप आधुनिक चौपाटी का निर्माण किया जाएगा, जिससे नगरवासियों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं आकर्षक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध होगा; साथ ही नगर के तालाबों का सौंदर्यकरण किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन एवं पर्यटन की संभावनाओं को भी बल मिलेगा।

न्यूज गैलरी

नगरी आंगनबाड़ी केंद्र खम्हरिया में वजन त्यौहार कार्यक्रम

नगरी/नवप्रदेश। नगरी आंगनबाड़ी केंद्र खम्हरिया 01 में वजन त्यौहार कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत खम्हरिया के सरपंच संत कुमार मरकाम द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना कर किया गया। इसके पश्चात केंद्र में उपस्थित 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों का वजन एवं ऊंचाई मापन कर उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की गई इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता माहेश्वरी द्वारा माताओं को बच्चों की वृद्धि एवं विकास की जानकारी वृद्धि चार्ट के माध्यम से दी गई तथा सही पोषण और संतुलित आहार के महत्व पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में संकुल समन्वयक द्रोण कंचन सहित सुमरित ध्रुव, उषा कश्यप, सुखिया साहू, उमादेवी साहू, सरिता, भोलेश्वरी, डागेश्वरी, ईश्वरी, मीनाक्षी एवं उमा सहित अन्य ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय रिजर्व पुलिस में हुआ गोपी किशन निषाद का चयन

नगरी/नवप्रदेश। नगरी नगर के होनहार युवक गोपी किशन निषाद का चयन केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल) में कॉन्स्टेबल (तष्ठ) के पद पर हुआ है। गोपी किशन निषाद पिता केदारनाथ निषाद निवासी वार्ड क्रमांक 7 नगर पंचायत नगरी के चयन से न केवल नगरी नगर, पूरा निषाद समाज एवं छत्तीसगढ़ राज्य गौरवान्वित हुआ है। निषाद परिवार से ताल्लुक रखने वाले गोपी किशन निषाद ने कड़ी मेहनत और लगन से यह सफलता प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि साधारण परिवार से निकलकर भी असाधारण मुकाम हासिल किया जा सकता है। गोपी किशन निषाद ने नगरी नगर और निषाद समाज का नाम रोशन किया है। ऐसे युवा देश की सेवा कर समाज के लिए प्रेरणा बनते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निषाद को ष्टक्रक्कस्न में नियुक्ति के बाद एक वर्ष का प्रशिक्षण राजस्थान राज्य में दिया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के पश्चात वे देश की आंतरिक सुरक्षा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। निषाद की इस सफलता से क्षेत्र के युवाओं में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार हुआ है। पूरा नगरी नगर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

वजन त्यौहार : नगरी में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर विशेष आयोजन

नगरी/नवप्रदेश। वजन त्यौहार-2026 के अंतर्गत 09 फरवरी, सोमवार को नगर के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 06, बाजार पारा नगरी में बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के वजन की नियमित जांच कर उनके शारीरिक विकास का आंकलन करना तथा अभिभावकों को संतुलित आहार के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर नगर पंचायत के पार्षद अल्का साव पार्षद हरीश साहू विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने बच्चों का वजन लेकर स्वयं निरीक्षण किया तथा माताओं को बच्चों के पोषण स्तर सुधारने के लिए हरी सब्जियों, फल, दूध एवं घर पर बने पौष्टिक भोजन को प्राथमिकता देने की सलाह दी। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुलोचना साहू, माद्री साहू, ललिता गौर, यामिनी नाग, मितानीन अनीता यादव, सहायिका अमृता लाहोरिया तथा गुलेश्वरी सोम की सक्रिय सहभागिता रही।

आश्रम अधीक्षक को बर्खास्त करने की मांग, नाराज लोगों ने विभागीय अफसरों के मुर्दाबाद के लगाये नारे

आश्रम के छात्र की मौत पर भड़का आदिवासी समाज, एसडीएम कार्यालय का किया घेराव

■ **19 को नेशनल हाइवे 130 सी मैनपुर देवभोग मार्ग चक्काजाम की चेतावनी**

गरियाबंद/नवप्रदेश। शासकीय आदिवासी बालक आश्रम बड़ेगोबरा में एक आदिवासी बच्चे के बीमार पड़ने पर आश्रम प्रबंधन द्वारा इलाज में लापरवाही बरतने और देरी के कारण 30 जनवरी को छात्र राघव मंडावी की दर्दनाक मौत हो गई यह खबर मीडिया में आने के बाद प्रशासनिक हड़कंप मच गया और आनन फानन में जॉच कमेटी बनाई गई थी जिस पर आदिवासी समाज के लोगो ने लिपा.पोती का आरोप लगाया है और आज 10 दिनो बाद भी इस मामले में कोई ठोस कार्यवाही नही होने से आदिवासी समाज के लोग भड़क उठे सैकड़ो लोगो ने जंगी रैली निकाली नारेबाजी करते एसडीएम कार्यालय मैनपुर का घेराव कर दिये और लापरवाह आश्रम अधीक्षक पर एफआईआर दर्ज करने के साथ ही बर्खास्त करने की मांग करने लगे। आक्रोशित भीड ने इसके लिए संबंधित विभाग के अफसर सहायक आयुक्त के खिलाफ भी नारेबाजी करते रहे साथ ही चेतावनी दिया है कि इस मामले में जल्द कार्यवाही नही किये जाने पर आगामी 19 फरवरी को नेशनल हाइवे 130 सी रायपुर देवभोग मार्ग में चक्काजाम किया जायेगा।

लापरवाह प्रबंधन ने बच्चे का इलाज नहीं कराया

आदिवासी बालक आश्रम बड़ेगोबरा में अध्यनरत कक्षा सातवीं के छात्र राघव मंडावी आश्रम में एक सप्ताह से बीमार थे लेकिन आश्रम अधीक्षक एवं लापरवाह प्रबंधन ने न तो बच्चे का इलाज कराया न ही इसकी जानकारी उनके परिजनों को दी। मृतक छात्र के पिता फिरतुराम मंडावी ने बताया 26 जनवरी को जब अचानक वह आश्रम पहुंचे तो पता चला कि उसका बेटा राघव का बहुत ज्यादा तबीयत खराब है और उसका कोई इलाज नही किय जा रहा है। गरीब बाप ने अपने बच्चे को आश्रम में छुट्टी का आवेदन देकर इलाज के लिए धमतरी ले गये लेकिन काफी देरी होने के कारण छात्र की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के पिता फिरतुराम ने आज मैनपुर में मीडिया से चर्चा करते हुए बताया आश्रम प्रबंधन की लापरवाही के कारण उसके एकलौता पुत्र की मौत हो गई दोषी लोगो पर सरकार कार्यवाही करे यह कहते हुए पिता फफककर रोने लगा।

अधीक्षक पर लगाया लापरवाही का आरोप

जनपद सदस्य सुकचंद ध्रुव पूर्व सरपंच नोकेलाल ध्रुव, आदिवासी नेता एवं कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष रामकृष्ण ध्रुवए नैनसिंह नेताम ने आश्रम अधीक्षक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्हे तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है और जिम्मेदार आला अफसर सहायक आयुक्त पर भी गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए एवं दोषियो को बचाने के लिए कोई कार्यवाही नही करने का आरोप लगाया है साथ ही इस मामले को लेकर 19 फरवरी को नेशनल हाइवे में चक्काजाम करने की चेतावनी दिया है।

शिवरतन शर्मा ने लाखों रुपये के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

भाटापारा/नवप्रदेश। विकास, विश्वास और आत्मनिर्भर ग्राम की दिशा में हम निरंतर प्रतिबद्ध हैं, यह बाते रविवार को भाटापारा विधानसभा के ग्राम मल्दी में लाखो के विकास कार्यों का लोकार्पण-भूमिपूजन कर शिवरतन शर्मा ने कही।शिवरतन शर्मा ने ग्राम मल्दी में बने सामुदायिक भवन एवं अटल सी.एस.सी केंद्र भवन का लोकार्पण एवं गौठान, कांक्रेटीकारण का भूमिपूजन किया। श्री शर्मा ने ग्रामवासियों को सम्बोधित करते हुए कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का संकल्प निरंतर आगे बढ़ रहा है।भाजपा सरकार के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सभी क्षेत्र में तेजी से कार्य किए जा रहे हैं।

हर वर्ग के उत्थान के लिए सरकार संकल्पित : शिवरतन शर्मा ने सभा को आगे सम्बोधित कर कहा कि किसान, युवा, मजदूर और महिला वर्ग सहित समाज के हर वर्ग को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। भाजपा सरकार का उद्देश्य गरीबों और वंचितों को उनका अधिकार दिलाना है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अब हर गरीब परिवार को आवास उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में महिलाओं और गरीबों के लिए विशेष योजनाएं लागू की जा रही हैं।

गरियाबंद सीएमएचओ ने चार सदस्यीय दल किया गठन

गरियाबंद/नवप्रदेश। अस्थि रोग इलाज की अनुमति नहीं थी फिर भी सोमेश्वर हॉस्पिटल मरीज की जांच किया। ऑक्सीजन के अभाव में मरीज के मौत के मामले में जांच के लिए सीएमएचओ ने 4 विशेषज्ञों की कमेटी बनाई। 36 घंटे के भीतर रिपोर्ट देना होगा।

गरियाबंद मुख्यालय में मौजूद सोमेश्वर हॉस्पिटल में रेफर के बाद एंबुलेंस में ऑक्सीजन की कमी के बाद गरियाबंद निवासी मरीज बसंत देवांगन के मौत के मामले की जांच के लिए गरियाबंद सीएमएचओ ने चार सदस्य का

दल गठित किया है। जिन्हें 36 घंटे के भीतर रिपोर्ट देना होगा। टिम में सर्जरी विशेषज्ञ डॉक्टर हरीश चौहान,निश्चेतन विशेषज्ञ योगेंद्र कुमार पात्रे , डॉक्टर गजेंद्र ध्रुव, डॉक्टर सुनील रेड्डी की टिम बनाई गई है।

सीएमचो ने कहा कि नर्सिंग होम एक्ट के तहत बनाई टिम सूक्ष्मता से जांच करेगी।बताया कि अस्पताल को अस्थि जांच का लाइसेंस नहीं दिया गया है,जानकारी मिली है कि पीड़ित का पसली टूटा हुआ था,। बगैर लाइसेंस के जांच गलत है। सेटअप नहीं अस्पताल का, आयुष्मान उपचार लाइसेंस निरस्त किया गया।

आपदा के समय सहयोग को रहेंगे तत्पर

धरसीवां / कूंरा /नवप्रदेश। शासकीय पंडित श्यामाचरण शुक्ला महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेवक महाविद्यालय के प्राचार्य कौशल किशोर के मार्गदर्शन तथा कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह एवं डॉ. रश्मि कुजूर के निर्देशन में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रायोजित एवं आपदा प्रबंधन विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित युवा आपदा मित्र प्रशिक्षण शिविर जो की माना जिला रायपुर में 2 से 8 तक आयोजित रहा। इसमें महाविद्यालय के स्वयं सेवक युवा आपदा मित्र

का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस शिविर का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई स्वयंसेवक तनवीर मिर्जा ने किया। शिविर में आंचल देशलहरे ,गरिमा वर्मा, वर्षा, देविका साहू,टोमेश साहू,खुशबु साहू, खिलेश साहू, संजना वर्मा शामिल हुए। प्रशिक्षण उपरान्त स्वयं सेवकों ने महाविद्यालय प्रशासन को विश्वास दिलाया की आपदा के समय हम सहयोग हेतु हमेशा उपलब्ध रहेगें। प्रशिक्षित स्वयं सेवकों को महाविद्यालय जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष पूजा वर्मा, संध्या वर्मा, कु. सुषमा वर्मा, एवं परमेश्वर निर्मलकर, सागर मैथ्यूज के साथ कॉलेज प्रबंधन ने शुभकामनाएं दी।

क्रिकेट स्पर्धा में कुथरेल विजेता

धरसीवां / कूंरा/नवप्रदेश। ग्राम पंचायत कुथरेल के ईडन गार्डन मैदान पर आयोजित ग्रामीण स्तरीय क्रिकेट 2026 का फाइनल मुकाबला कुथरेल ने जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के सहसंयोजक नितिन अग्रवाल जी थे। अध्यक्षता श्रीमती अन्नू सुनील बघेल सरपंच ग्राम पंचायत कुथरेल ने की। विशिष्ट अतिथि जनपद उपाध्यक्ष धरसीवा दिनेश खूंटे जी, श्रीमती ईश्वरी बिहारी लाल भारती जनपद सदस्य,सूरज टंडन जिला उपाध्याय भाजपा अनुसूचित जाति, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता दिनेश अग्रवाल जी,उपसरपंच धनेश्वर बंजारे कुथरेल, गोविंद साहू सरपंच मेहरसखा मनोहरा, बेनीराम पाल,रिखीराम साहू, रोशन पवार, देवीचरण डहरिया,नरेंद्र डहरिया, प्रेम भारती, मंटोप बंजारे, दिनेश साहू, मोहन सेन एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।फाइनल मुकाबले में कुथरेल की टीम ने विजेता होने का गौरव हासिल किया।

61 युवाओं को मिला रोजगार नियोजन पत्र, खिले चेहरे

हम होंगे कामयाब कार्यक्रम में वित्त मंत्री एवं राजस्व मंत्री हुए शामिल

भाटापारा/नवप्रदेश। वित्त मंत्री एवं यूथ आइकॉन ओ.पी. चौधरी सोमवार को केंद्रीय बजट 2026 - 27 विषय पर जिला ऑडीटोरियम में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के तौर पर शामिल हुए।राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

दीप प्रज्जवलन एवं वन्देमातरम गायन के साथ कार्यक्रम का

शुभारम्भ किया गया। वित्त मंत्री श्री ओ. पी चौधरी ने भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी की जयघोष के साथ युवाओं से संवाद प्रारम्भ किया। उन्होंनेअपनी प्रारंभिक शिक्षा से लेकर आइएएस बनने तक की जीवन संघर्ष और आभावो के बावजूद मंजिल हासिल करने की खुद के अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि अगर कुछ बनने की ठान लें तो विपरीत परिस्थिति या आभाव भी बाधा नहीं बनते।उन्होंने कहा कि युवा परिवर्तन के वाहक होते है, किसी भी क्षेत्र में काम करने का जूनून हो तो वह काम होकर रहता है। अवसर को सफलता में परिवर्तन करने के लिये युवाओ को अपनी क्षमता विस्तार से भविष्य की योजना बनानी चाहिए।

युवा केवल डिग्री की गिनती के लिये पढ़ाई न करें बल्कि पढ़ाई जीवन की योजना से जुडी हो, कहां पर किस तरह से आगे बढ़ना है यह सोचें, आलोचनाओं को मन से निकाल दें।उन्होंने कहा कि खराब परिस्थिति में भी उम्मीद रखने वाला हर विपरीत परिस्थिति को जीतता है। हमारा देश व गांव आज की परिस्थिति में ज्यादा अच्छा है जिससे युवा दृढ विश्वास के साथ भविष्य निर्माण कर सकते है।

छुरा में वार्षिकोत्सव, छात्रों का हुआ सम्मान

छुरा /नवप्रदेश। शासकीय कचना ध्रुवा महाविद्यालय, छुरा में वार्षिकोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसके पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या सी.एच. पटेल ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल चंद्राकर उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सभापति श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी, जिला

पंचायत सभापति लेखराज ध्रुवा, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष थानसिंह निषाद सहित महाविद्यालय परिवार एवं क्षेत्रीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

अतिथियों का परिचय एवं स्वागत : कार्यक्रम के प्रारंभ में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी ने मंचासीन अतिथियों का परिचय कराया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, संस्कार और कौशल विकास को भविष्य निर्माण की आधारशिला बताया। उन्होंने वर्तमान बजट में युवाओं, छात्राओं तथा महिलाओं के लिए उपलब्ध योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए कौशल प्रशिक्षण और पर्यटन क्षेत्र में प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है। जिससे बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकेंगे।

प्रथम पेज का शेष

पीएम ने छात्रों संग बांटी...

से देखने की सीख देना भी है। जब पीएम मोदी छात्रों के साथ ठेठरी और खुरमी जैसे पारंपरिक स्नैक्स शेयर करते दिखे, तो यह संदेश साफ था कि पढ़ाई के साथ-साथ अपनी जड़ों, अपनी संस्कृति और अपने राज्य की पहचान पर भी गर्व होना चाहिए। इस छोटे से कदम ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति को राष्ट्रीय मंच पर एक नई पहचान दी।

छत्तीसगढ़ को मिला खास मंच: ठेठरी और खुरमी का जिक्र होते ही सोशल मीडिया पर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खान-पान की चर्चा तेज हो गई। लोगों ने इन व्यंजनों के बारे में जानना शुरू किया, जिससे स्थानीय संस्कृति और खानपान को बढ़ावा मिला। यह दिखाता है कि जब देश का प्रधानमंत्री किसी क्षेत्र की परंपरा को सम्मान देते हैं, तो उसका असर दूर तक जाता है।

बस्तर की पहचान बारूद...

सहभागिता रही और अबूझमाड़िया, माड़िया व मुरिया जनजातियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

हंगामा: 13 मिनट में...

स्थगित कर दी गई। दोबारा सदन शुरू होने के बाद फिर हंगामा हुआ उसके बाद लोकसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए कार्यवाही स्थगित कर दी गई। इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर है कि विपक्ष लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है।

एंबुलेंस में ऑक्सीजन खत्म...

मेरे पास विनम्रता नहीं है।

एंबुलेंस को सड़क पर खड़ा कर किया प्रदर्शन

विवाद तब और बढ़ गया जब परिजनों ने शव को उसी एंबुलेंस में ले जाने की बात कही। इस पर अस्पताल प्रबंधन ने शव को उसी एंबुलेंस से घर ले जाने से मना कर दिया और 108 एंबुलेंस बुलाने के लिए कहा। इससे गुस्साए परिजनों ने एंबुलेंस को सड़क पर खड़ा कर प्रदर्शन किया। हालात बिगड़ते देख पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को काबू में किया। पुलिस की समझाइश के बाद परिजनों का प्रदर्शन शांत हुआ और शव को एंबुलेंस से ले गए। परिजनों ने अस्पताल की लापरवाही की जांच और दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की मांग है। यह मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

अब जानिए पूरा मामला

परिजनों ने बताया कि गरियाबंद के बसंत देवांगन की तबीयत बिगड़ने पर शनिवार रात करीब 8 बजे सोमेश्वर अस्पताल में भर्ती किया गया था। करीब 12 घंटे बाद, रविवार सुबह अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि मरीज को निमोनिया है और उसकी पसली की एक हड्डी भी टूटी हुई है। मरीज की हालत गंभीर बताई गई, जिसके बाद परिजनों ने उसे रायपुर के बड़े अस्पताल में ले जाने का फैसला किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल प्रबंधन मरीज को बाहर रेफर करने में लगातार टालमटोल करता रहा और ले जाने से मना करता रहा। परिजनों का कहना है कि अस्पताल प्रबंधन ने यहां तक कह दिया कि 'अगर मरना ही है तो यहीं मरेगा।' इसके बावजूद परिजन मरीज को रायपुर ले जाने पर अड़े रहे।

परिजन बोले- अस्पताल ने जानबूझकर देरी से एंबुलेंस दी

परिजनों का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने जानबूझकर देरी से एंबुलेंस उपलब्ध कराई। पहले ड्राइवर नहीं होने का बहाना बनाया गया। मरीज की बिगड़ती हालत को देखते हुए भाई पीतेश्वर खुद एंबुलेंस चलाने को तैयार हो गया। दोपहर करीब 3 से 4 बजे के बीच एंबुलेंस दी गई, लेकिन उसमें न तो कोई पैरामेडिकल स्टाफ मौजूद था और न ही ऑक्सीजन सिलेंडर की ठीक से जांच की गई थी।

मरीज की हालत बिगड़ी, 5 किलोमीटर बाद हुई मौत

परिजन मरीज को लेकर निकले और गरियाबंद से करीब 5 किलोमीटर ही आगे बढ़े थे कि बसंत की हालत और ज्यादा बिगड़ने लगी। आनन-फानन में पांडुका के पास एक निजी अस्पताल में मरीज को दिखाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

राष्ट्रीय कार्यशाला में बालोद के 4 शिक्षकों का चयन – विज्ञान–गणित शिक्षण में जिले को मिलेगी नई दिशा

बालोद/ नवप्रदेश। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के अंतर्गत स्कूल मेंटरिंग बाय हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट योजना के तहत गणित एवं विज्ञान विषय के सेकेंडरी स्तर की राष्ट्रीय कार्यशाला भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे में आयोजित की गई। प्रतिष्ठित प्रशिक्षण के दौरान छत्तीसगढ़ के तीन संभागों के 20 जिलों से चयनित शिक्षकों ने भाग लिया, जिसमें प्रत्येक जिले से विज्ञान संकाय के केवल 5 शिक्षकों का चयन किया गया।

राष्ट्रीय आविष्कार अभियान भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य 6 से 18 वर्ष के बच्चों में विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी के प्रति जिज्ञासा, रचनात्मकता व वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है। इसी उद्देश्य से गणित एवं विज्ञान शिक्षण को प्रभावी, रोचक और सुदृढ़ बनाने के लिए पुणे में तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण में बालोद जिले से बडग़ांव हायर सेकेंडरी स्कूल की व्याख्याता कादम्बिनी यादव, भेनुमती चतुर्वेदी, संजरी से अर्पणा वर्मा और चिखली से जगदीश राम साहू ने सहभागिता कर पूरे जिले का गौरव बढ़ाया। इन शिक्षकों का चयन जिले के लिए गर्व का पल माना जा रहा है।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण के दौरान राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर के अधिकारियों का सतत मार्गदर्शन शिक्षकों को प्राप्त हुआ। राज्य स्तर से आयुक्त किरण कौशल (आईएएस), उपसंचालक एके सारस्वत और सहायक संचालक मंजूलता साहू सहित अन्य अधिकारियों ने शिक्षकों को नवाचारी शिक्षण पद्धतियां अपनाने और विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने पर विशेष जोर दिया। राज्य समन्वयक राजेश सोनकर भी प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में देश के विभिन्न राज्यों से आए चयनित शिक्षकों को गणित व विज्ञान विषयों के जटिल सिद्धांतों को सरल, व्यवहारिक और छात्र-केंद्रित तरीके से पढ़ाने की नई तकनीकों से परिचित कराया गया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा गतिविधि आधारित शिक्षण, प्रयोगात्मक पद्धति तथा जीवन से जुड़े उदाहरणों के माध्यम से विषयों को समझाने की नवीन विधियां सिखाई गईं।

प्रशिक्षण में बताया गया कि गणित और विज्ञान को केवल सूत्रों तक सीमित न रखकर व्यवहारिक जीवन से जोड़कर पढ़ाया जाए, ताकि विद्यार्थियों में विषय के प्रति रुचि और समझ दोनों विकसित हो सकें। जटिल विषयों को प्रयोग व गतिविधि आधारित तरीकों से पढ़ाने और विज्ञान को पाठ्यपुस्तकों तक सीमित न रखते हुए प्रयोगात्मक और अनुभवात्मक शिक्षण पर जोर देने की आवश्यकता बताई गई।

कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को डिजिटल टूल्स, शैक्षणिक ऐप्स, हैंड्स-ऑन किट और आधुनिक तकनीकों के उपयोग की भी जानकारी दी गई। कम लागत में उपलब्ध सामग्री से शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए, ताकि संसाधन सीमित होने पर भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

प्रतिभागी शिक्षकों को पुणे की साइंस गैलरी और आधुनिक प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी कराया गया, जिससे उन्हें प्रयोगात्मक अधिगम की व्यवहारिक समझ प्राप्त हुई। इस अनुभव ने शिक्षकों को विद्यालय स्तर पर नवाचार करने के लिए प्रेरित किया। व्याख्याता कादम्बिनी यादव ने बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक, व्यवहारिक व छात्र-केंद्रित बनाने की नई दृष्टि मिली है। प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान व अनुभव का उपयोग विद्यालय में नवाचारी शिक्षण गतिविधियों के माध्यम से किया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों में गणित एवं विज्ञान के प्रति रुचि और समझ दोनों विकसित होंगी। प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को अन्य शिक्षकों के साथ साझा कर सामूहिक रूप से नवाचार किए जाएंगे।प्रशिक्षण में शामिल शिक्षकों ने राज्य एवं जिले के अधिकारियों, जिला शिक्षा अधिकारी मधुलिका तिवारी, डीएमसी व सहायक जिला परियोजना अधिकारी अवन कुमार जांगड़े, एपीसी जीएल खुरश्याम, विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिमांशु मिश्रा, सहायक विकासखंड अधिकारी एसके साहू सहित समस्त अधिकारी व विद्यालय प्राचार्य के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यूज गैलरी

फेडरेशन की हड़ताल 12 को

कबीरधाम/नवप्रदेश। ऑल इंडिया एंप्लॉय फेडरेशन एवं संयुक्त मोर्चा ट्रेड यूनियन द्वारा 12 फरवरी को हड़ताल का आव्हान किया गया है। छत्तीसगढ़ तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष दिलीप कुमार चंद्रवंशी ने बताया कि चार लेबर कोर्ट कानून रद्द करने, पुरानी पेंशन बहाल करने, अनियमित व संविदा दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका के मानदेय में वृद्धि कर 25000 रुपए प्रति माह करने की मांग को लेकर कर्मचारी भवन कवर्धा में सभी कर्मचारी उपस्थित होंगे और प्रधानमंत्री के नाम से कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौंपेंगे। सभी कर्मचारियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति की अपील की गई है।

अवैध परिवहन व खनन करने पर 7 वाहन जप्त

राजनांदगांव दैनिक नव प्रदेश। अवैध उत्खनन, परिवहन, भण्डारण के प्रभावी नियंत्रण के लिए खनिज विभाग की टीम ने आकस्मिक निरीक्षण कर 7 वाहनों को जप्त किया है। खनि अधिकारी ज्योति मिश्रा ने बताया कि खनिज विभाग की टीम ने जांच के दौरान अवैध खनिज परिवहन करने पर 7 प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की है। ग्राम सुरगी में मरूम के अवैध खनन व परिवहन करते हुए जेसीबी सीजी 08 ए एम 2117 और हाईवा सीजी 08 बीएफ 1708 जप्त किया गया। ग्राम भंवरमरा आक्सीजोन में अवैध रेत परिवहन करते हुए ट्रेक्टर सोल्ड स्वराज और ट्रैक्टर इंजन लोडर क्रमांक सीजी 24 पी 7496 जप्त किया गया। ग्राम पारागांवकला में अवैध रेत परिवहन करते हुए ट्रैक्टर सोल्ड मैसी और ट्रैक्टर सोल्ड स्वराज राफ्टर सहित जप्त किया गया। जप्त वाहनों को संबंधित क्षेत्र के थानों में कार्रवाई के लिए सुपुर्द कर दिया गया है।

साहित्यकार पल्लव के उद्यान को मिला तीसरा सम्मान

भिलाई / नव प्रदेश। मैत्री गार्डन द्वारा फ्लॉवर शो के तत्वावधान में आयोजित हाउस गार्डन प्रतियोगिता के तहत बांग्ला साहित्यकार पल्लव चटर्जी के मैत्री कुंज स्थित निवास के उद्यान को तीसरा स्थान मिला है। पल्लव चटर्जी ने बताया कि बीएसपी मैत्री बाग की टीम ने पिछले दिनों आकर उनके निवास का उद्यान देखा था, जिसके बाद 8 फरवरी को मैत्री बाग में आयोजित फ्लॉवर शो में तीसरा पुरस्कार दिया गया। यह सम्मान डॉ प्रतीक चटर्जी, ब्रतिन चटर्जी व सुभाशीष बनर्जी ने हासिल किया।

बाबा अब्दुल रहमान काबुली का 124 वां शाबान उर्स 14 से

दुर्ग / नव प्रदेश। पुराने बस स्टैंड दुर्ग में बाबा अब्दुल रहमान काबुली का 124 वां शाबान उर्स इस साल 14 से 16 फरवरी तक धूमधाम से मनाया जाएगा। पहले दिन 14 फरवरी को शाम 6 बजे परचम कुशाई कर उर्स का आगाज किया जाएगा। रात 10 बजे जश्ने काबुली सरकार कॉन्फ्रेंस का प्रोग्राम होगा।एक रोजा तकरीर (प्रवचन) के प्रोग्राम में हैदराबाद से हजरत अहमद नक्सबंदी साहब और मौलाना हाफिज गुलाम मोहियुद्दीन तकरीर करेंगे। 15 फरवरी को रात 10 बजे समॉ महफिल कव्वाली का आयोजन किया जाएगा। कव्वाल कमर वारसी एंड पार्टी का मुकाबला राजा सरफराज एंड पार्टी के साथ सूफियाना अंदाज में होगा। 16 फरवरी को जोहर की नमाज के बाद गुस्ल होगा। शाही चादर पेश की जाएगी। शाम 7 बजे से आम लंगर होगा।

सुपेला गुरुद्वारा में विशेष गुरमत समागम 10 से

भिलाई / नव प्रदेश। गुरु गोबिंद सिंग के बड़े साहिबजादे बाबा अजीत सिंग के जन्मदिन के अवसर पर सिक्ख यूथ फोरम भिलाई की ओर से 10, 11 व 12 फरवरी को सुपेला गुरुद्वारा साहिब में 16 वें विशेष गुरमत समागम का आयोजन किया जा रहा है। 3 दिन तक चलने वाले समागम में मिसल शहीदां तरना दल के महान प्रचारक ज्ञानी जंग सिंग और अमृतसर से प्रसिद्ध कीर्तन जत्था भाई करमजीत सिंग रतन व स्थानीय जत्थे भाई दलजीत सिंग, हजूरी रागी भाई कमलजीत सिंग गुरुबाणी के शबद कीर्तन से संगत को निहाल करेंगे।बाबा अजीत सिंग ने जिस तरह देश, धर्म और जुल्म के खिलाफ युद्ध करके शहादत दी, उनके जीवन इतिहास को ज्ञानी जंग सिंग विस्तार से श्रवण कराएंगे। सभी दीवानों में गुरु का लंगर अटूट बरतेगा। समागम में भिलाई-दुर्ग के सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों का सम्मान किया जाएगा।

पाटन क्षेत्र में विकास कार्य कराने 47.79 लाख रुपए स्वीकृत

दुर्ग / नव प्रदेश। । मुख्यमंत्री समग्र ग्रामीण विकास योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत अधोसंरचना निर्माण कार्य के लिए 47.79 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। कार्यो की संपादन कार्यकारी एजेंसी संबंधित ग्राम पंचायत होगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीके दुबे से प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखण्ड पाटन के ग्राम सांतरा में मुक्तिधाम सह प्रतिक्षालय शेड निर्माण हेतु 4.79 लाख रुपए, ग्राम डिडगा के वार्ड नं. 10 में सीसी रोड के लिये 2.60 लाख, जामगांव एम सतनाम भवन से मुख्य मार्ग की ओर सीसी रोड निर्माण करने 2.60 लाख और ग्राम सोनपुर में चिंता साहू के घर से सनत कुम्भकार के घर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 7.80 लाख,ग्राम पंदर, ग्राम बटंग में रामायण मंच के पास और ग्राम चुनकट्टा में कला मंच के पास शेड निर्माण हेतु 10-10 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले 7 चालकों का लाइसेंस सस्पेंड, 80 हजार रु का अर्थदंड

■ यातायात पुलिस की लगातार कार्रवाई जारी

बालोद /नवप्रदेश। जिले में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन को लेकर पुलिस प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाते हुए बालोद पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई की है। शराब पीकर वाहन चलाने के मामलों में न्यायालय ने 7 चालकों पर कुल 80 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है। संबंधित चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित करने के आदेश भी जारी किए गए हैं।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के निर्देशन में बालोद पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं को कम करना और आमजन में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। पुलिस ने शराब सेवन कर वाहन चलाने वाले चालकों की सघन जांच शुरू की है।

चेकिंग के दौरान ब्रीथ एनालाइजर मशीन से चालकों की जांच की जा रही है। जांच में दोषी पाए जाने वाले चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है। हाल ही में पकड़े गए 7 चालकों के प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किए गए, जहां न्यायालय ने सख्ती दिखाते हुए कुल 80 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया। उनके ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह के लिए निलंबित कर दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने स्पष्ट किया है कि सड़क पर लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शराब सेवन कर वाहन चलाना न केवल चालक के लिए बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी बेहद खतरनाक साबित होता है। उन्होंने कहा कि जिले में लगातार ऐसे चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

नगर निगम की सामान्य सभा में 11 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

राजनांदगांव, दैनिक नव प्रदेश। नगर निगम की सामान्य सभा की बैठक में 13 प्रस्तावों पर चर्चा के बाद 11 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिये गए। दो प्रस्ताव बहुमत के आधार पर पारित किये गए। सभा के प्रारंभ में एक घण्टे का प्रश्नकाल हुआ। इसके बाद लोक सेवा केन्द्र से प्राप्त सामाजिक सुरक्षा पेंशन के आवेदन की स्वीकृति व अनुमोदन का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।चौक चौराहों के नामकरण की कड़ी में पुष्प वाटिका का नाम वेद्मूर्ति तपोनिष्ठ पं. श्रीराम आचार्य के नाम से किये जाने, डोंगरगांव रोड में ब्रम्हकुमारी प्रवेश द्वार के चौक का नाम ब्रम्हकुमारी चौक, केशन नगर स्थित चौराहे का नाम कालीबाड़ी चौक, महामाया चौक बसंतपुर का नाम संत शिरोमणी सेन जी महाराज, कौरिनभाठा स्थित चौराहे का नाम चित्रांश चौराहा, सिंधी कालोनी वार्ड नं. 23 के संत कवरराम चौराहा से झुलेलाल घाट जाने वाले मार्ग का नाम संत बाबा आसूदाराम मार्ग, वार्ड नं. 23 सिंधी कालोनी हेमू कालाणी चौक के पास स्थित गार्डन का नाम शदाणी उद्यान और फरहद चौक का नाम शहीद वीरनारायण सिंह चौक के नाम पर किये जाने के प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गए।महामाया चौक बसंतपुर का नाम संत शिरोमणी सेन जी महाराज के नाम से किये जाने के प्रस्ताव पर समाज द्वारा नया स्थल आशा नगर चौक व रोड का नाम सेन जी महारा के नाम से किये जाने संबंधी पत्र के आधार पर स्थल परिवर्तन कर आशा नगर चौक व रोड का नाम संत शिरोमणी सेन जी महाराज के नाम से करने का निर्णय लिया गया।

ऑनलाइन सट्टा जुआ पर कबीरधाम पुलिस का प्रहार

कवर्धा /नवप्रदेश।। कवर्धा पुलिस द्वारा ऑनलाइन सट्टा का संचालन करने के मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा है। पुलिस कार्रवाई में राजा उर्फ सतप्रीत सिंह खुराना निवासी कवर्धा को मोबाइल फोन के माध्यम से ऑनलाइन सट्टा संचालन करते हुए पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे से ऑनलाइन सट्टा में प्रयुक्त मोबाइल फोन और डिजिटल साक्ष्य बरामद कर जप्त किया गया। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी भी ली जा रही है।

कबीरधाम जिले के पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जिले में ऑनलाइन सट्टा, जुआ, अवैध धन के लेन-देन और इससे जुड़े नेटवर्क को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों और पर्दे के पीछे रहकर संचालन करने वालों को चिन्हित कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फीस बढ़ाकर छत्तीसगढ़ सरकार ने शिक्षा पर किया अत्याचार : रूपेश

मोदी जी करे मन की बात, साय जी करे धन की बात

राजनांदगांव। दैनिक नव प्रदेश/ छ ग प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता रूपेश दुबे ने दसवीं, बारहवीं की परीक्षा शुल्क सहित अन्य 22 मदों में दोगुनी फीस वृद्धि के फैसले पर भाजपा सरकार को घेरा है। रूपेश ने कहा कि गरीबों, सर्वहारा वर्ग के बच्चों और पालकों को फीस व महंगी शिक्षा की मार झेलनी पड़ी है। परीक्षा के समय पीएम मोदी मन की बात कर रहे हैं, वहीं सीएम साय परीक्षा में धन वसूली में मस्त है।रूपेश ने कहा कि दसवीं, बारहवीं की नियमित फीस 460 रु. को बढ़ाकर 800 रु., नामांकन शुल्क 80 रु. से बढ़ाकर 150 रु., अतिरिक्त विषय की फीस 110 रु से 250 रु. स्वाध्यायी सम्पूर्ण विषय 10 वीं, 12 वीं 1230 रु. से 1600 रु. एक विषय का 280 रु. से 500 रु., दो विषय का 340 रु. से 600 रु., परीक्षा केंद्र परिवर्तन पर 240 रु से 400 रु., स्वाध्यायी विलम्ब शुल्क 770 रु. से 1000 रु, विशेष विलम्ब शुल्क 1540 रु से 2000 रु. बढ़ाकर भाजपा सरकार ने शिक्षा विरोधी होने का प्रमाण दिया है।रूपेश दुबे ने आगे कहा कि छग सरकार ने जनता को राहत के नाम पर मोदी की गारंटी का वादा किया था, लेकिन जनहितकारी योजनाओं को बंद कर जनता को आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाया जा रहा है। स्कूल शिक्षा में फीस दोगुनी कर दिया गया। कांग्रेस सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओ को निःशुल्क किया था लेकिन अब भाजपा सरकार वहां भी वसूली कर रही है। छ ग सरकार की वित्तीय व्यवस्था की बदहाली जगजाहिर है। शिक्षकों की भर्ती न होने से शिक्षा की दुर्गति चरम पर है। अब फीस बढ़ाकर छात्र-छात्राओं के साथ पालक वर्ग पर अत्याचार किया जा रहा है। सरकार को शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर ध्यान देते हुए ठोस कार्ययोजना के साथ फीस वृद्धि को वापस लेना चाहिये।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में द्वादश ज्योतिर्लिंग एवं चैतन्य झाँकी का शुभारंभ

दुर्ग। /नवप्रदेश। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर दुर्ग में 8 फरवरी से 16 फरवरी तक चलने वाले नौ दिवसीय शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ प्रमोद गुप्ता (डायरेक्टर, सेंट्रल इंडिया इंस्टिट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एण्ड न्यूरो साइंस देवादा, राजनांदगाँव),भानु प्रताप सिंह (पूर्व मुख्य वन संरक्षक छत्तीसगढ़ शासन), बसंत मोदी (संचालक मोदी स्टोर दुर्ग), ब्रह्माकुमारी रीटा दीदी संचालिका (ब्रह्माकुमारीज दुर्ग) ने दीप प्रज्वलित कर किया।

नौ दिनों तक चलने वाले इस झाँकी के विषय में जानकारी देते हुए ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा बहन ने बताया कि प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर संस्था द्वारा भिन्न-भिन्न झाँकी का आयोजन किया जाता है । इस वर्ष भी 40 फीट ऊँचा शिवलिंग, शिवलिंग पर अनवरत अनोखा दुग्धाभिषेक, शिव-शंकर की चैतन्य झाँकी, आत्मा-परमात्मा का भेद, सृष्टि के उत्थान और पतन का अद्भुत दर्शन, सूर्य-चंद्र तारागण से पार की अनोखी दुनिया के रहस्य को आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के द्वारा दिखाया जाएगा।

पीएचडी शोधार्थियों से फीस गबन, सीएसवीटीयू का सलाहकार गिरफ्तार

■ **रिसर्चर्स को पीएचडी जमा करने 30 हजार की फर्जी रसीदें थमाई**

भिलाई/नवप्रदेश। स्थित छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) में पीएचडी शोधार्थियों से निर्धारित शुल्क के नाम पर धोखाधड़ी की गई। अब विश्वविद्यालय प्रशासन की शिकायत पर नेवई पुलिस ने विश्वविद्यालय के सलाहकार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन को पीएचडी पंजीकृत शोधार्थियों से फीस वसूली में अनियमितता की शिकायत मिली थी। इसके बाद विश्वविद्यालय स्तर पर गठित दो सदस्यीय जांच समिति ने प्रारंभिक जांच की। जिसमें 9,44,500 की राशि के गबन का खुलासा हुआ था। रिसर्चर्स को पीएचडी जमा करने की फीस के तौर पर 30,000 रुपए की फर्जी रसीदें दी गईं। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि, विवि की पीएचडी शाखा में कार्यरत कनिष्ठ सलाहकार सुनील कुमार प्रसाद ने शोधार्थियों से कैश राशि लेकर उन्हें फर्जी फीस रसीदें जारी कीं।

शोधार्थियों को यह विश्वास दिलाया गया कि, फीस विश्वविद्यालय के खाते में जमा हो गई है, जबकि आरोपी ने रकम का गबन कर लिया। पुलिस जांच के दौरान आरोपी के खिलाफ अपराध प्रमाणित पाए जाने पर उसका मेमोरण्डम कथन लिया गया और जब्ती की कार्रवाई की गई।

नन्हें सितारे कार्यक्रम में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

राजनांदगांव दैनिक नव प्रदेश/ नन्हें सितारे कार्यक्रम का समापन समारोह डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राजनांदगांव के सभागार में उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन राजनांदगांव, एचएसबीसी और ओपन लिंक्स फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

जिला मिशन समन्वयक सतीश ब्यौहारे ने कहा कि नन्हें सितारे कार्यक्रम जिला के प्राथमिक व माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए एक नई छलांग की पहली सीढ़ी है। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों व अधिकारियों से अपील की कि वे विनोबा प्लेटफॉर्म के माध्यम से विद्यालयों में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को साझा करें और टीम विनोबा को बधाई दी। कई शिक्षक पहले से ही उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपने विद्यार्थियों को तैयार करने में कड़ी मेहनत की है और उन्हें नन्हे सितारे के फाइनल तक पहुंचाया है।

शिक्षा क्षेत्र में ओपन लिंक्स फाउंडेशन की विनोबा टीम के निरंतर और नवाचारी योगदान की भी सराहना की। ओपन लिंक्स फाउंडेशन के डिवीजन मैनेजर डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के सहयोग से इस कार्यक्रम का सफल आयोजन हो सका है। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त किया।

नन्हें सितारे पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों के भाषा कौशल को मजबूत करना, आत्मविश्वास बढ़ाना और उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच उपलब्ध कराना है। 15 दिसंबर से प्रारंभ कार्यक्रम को जिले भर के प्राथमिक विद्यालयों से व्यापक प्रतिसाद मिला। विद्यालय एवं ब्लॉक स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद कुल 132 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय फायनल के लिए किया गया।फाइनल में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निष्पक्ष और गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन सुनिश्चित करने शिक्षा एवं साहित्य क्षेत्र के अनुभवी विशेषज्ञ निर्णायक प्रणीता शर्मा, कामनी साहू, प्राचार्य वीरेन्द्र कुमार दुबे, प्राचार्य डॉ. मोनशी वर्गीस, सुरेश साहू, रूपेश ठाकुर और राहुल देव श्यामकुंवर शामिल रहे।प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 3, 4 से 5 और 6 से 8 समूहों के अंतर्गत चार प्रमुख स्पोकन इंग्लिश, स्टोरी टेलिंग, पोएट्री रिसायटेशन और स्पेलिंग प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। प्रतियोगिताओं में विजेताओं की घोषणा विभिन्न श्रेणियों में की गई।

पाटन विधानसभा क्षेत्र में 235 लाख से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने पाटन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत 2 करोड़ 35 लाख 64 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी है। विधायक भूपेश बघेल द्वारा अनुशंसित इन कार्यों को जनपद पंचायत पाटन द्वारा किया जाएगा। स्वीकृति कार्यों में ग्राम कौही में सभागार और सोनपुर में सामुदायिक भवन निर्माण करने 10-10 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। बोहारडीह, मानिक चौरी, गुजरा, भनसुली (आर), निपानी, केसरा, कोपेडीह, नारधी, असोगा और कौही (किचन शेड) में निर्माण कार्यों के लिये प्रति कार्य 6.50 लाख रुपए और खम्हरिया में अहाता निर्माण हेतु 6 लाख रुपए मंजूर किया गया है।

5 साल बाद फीस 460 से बढ़ाकर 800, आवेदन के लिए भी 70 रुपये ज्यादा देने होंगे

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने करीब 5 साल बाद 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के शुल्क में बढ़ोतरी की है। यह बढ़ा हुआ शुल्क शैक्षणिक सत्र 2026-27 से लागू होगा। नए प्रावधान के तहत नियमित परीक्षार्थियों को अब बोर्ड परीक्षा, अंकसूची और प्रति विषय प्रैक्टिकल शुल्क मिलाकर 800 रुपए चुकाने होंगे, जबकि पहले इसके लिए 460 रुपए देने पड़ते थे। बोर्ड परीक्षा के आवेदन फॉर्म के शुल्क में भी 70 रुपए की बढ़ोतरी की गई है। पहले जहां आवेदन शुल्क 80 रुपए था, अब इसे बढ़ाकर 150 रुपए कर दिया गया है। हालांकि, प्रवेश पत्र की द्वितीय प्रति के शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इसके लिए पहले की तरह 80 रुपए ही देने होंगे। कार्यपालिका समिति की बैठक में लिया गया फैसला

10वीं और 12वीं परीक्षा शुल्क में बढ़ोतरी का निर्णय माशिमं की कार्यपालिका समिति की बैठक में लिया गया। समिति ने करीब 22 मदों के

शुल्क बढ़ाने को मंजूरी दी है। इनमें नामांकन शुल्क, अतिरिक्त विषय, एक विषय या दो विषय, स्वाध्यायी छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क समेत अन्य मद शामिल हैं।

परीक्षा शुल्क में इजाफा

एक विषय की परीक्षा: 280-400 रुपए.,दो विषय (द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा): 340-600 रुपए। गौरतलब है कि, माशिमं ने इससे पहले साल 2021 में बोर्ड परीक्षा और उससे जुड़े विभिन्न शुल्कों में वृद्धि की थी। पांच साल बाद एक बार फिर परीक्षा शुल्क बढ़ने से छात्रों और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ने की संभावना है।

स्वाध्यायी छात्रों पर असर

प्रदेश के स्वाध्यायी एससी/एसटी छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क में भी लगभग डेढ़ गुना वृद्धि की गई है। पहले जहां इसके लिए 560 रुपए देने होते थे, अब 800 रुपए चुकाने होंगे। वहीं, राज्य के नए छात्रों और राज्य से बाहर के छात्रों के पंजीयन और अनुमति शुल्क में भी बढ़ोतरी की गई है। पहले यह शुल्क 1,540 रुपए था, जिसे अब बढ़ाकर 2,000 रुपए कर दिया गया है।

पीआरएसयू ने पीएचडी के पाठ्यक्रम के लिए मंगाए आवेदन

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर के पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय (रविवि) ने शैक्षणिक सत्र 2026 के लिए पीएचडी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह आवेदन उन अभ्यर्थियों से मांगे गए हैं, जो पीएचडी प्रवेश परीक्षा से छूट की पात्रता रखते हैं। आवेदन की प्रक्रिया 6 फरवरी से प्रारंभ हो चुकी है और अंतिम तिथि 20 फरवरी निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में अपना आवेदन-पत्र विषय से संबंधित विश्वविद्यालय अध्ययनशाला या महाविद्यालय स्थित शोध केंद्र में ऑफलाइन जमा कर सकते हैं। इसके अलावा आवेदन-पत्र डाक के माध्यम से भी संबंधित शोध केंद्र को अंतिम तिथि तक भेजे जा सकते हैं। शोध केंद्रों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने महाविद्यालयों में संचालित शोध केंद्रों को निर्देश दिए हैं कि वे प्राप्त आवेदनों को 25 फरवरी तक रविवि मुख्यालय को प्रेषित करें।

न्यूज गैलरी

दूरदर्शन पर कल से होगा रायपुर साहित्य महोत्सव का प्रसारण

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर साहित्य महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन का दूरदर्शन पर प्रसारण कल 10 फरवरी से प्रारंभ होगा। यह विशेष कार्यक्रम 'साहित्य पर्व' शीर्षक से दूरदर्शन पर प्रसारित किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रसारण 10, 12, 15, 17, 19 एवं 22 फरवरी को शाम 3.30 बजे किया जाएगा। दर्शक इस कार्यक्रम को टाटा प्ले चैनल नंबर 1174, डीडी फ्री डिश तथा डीडी छत्तीसगढ़ चैनल पर पूरे देश में देख सकेंगे। इसके अलावा यह कार्यक्रम डीडी छत्तीसगढ़ के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध रहेगा। मोबाइल उपयोगकर्ता इसे 'WAVES' एप के माध्यम से भी देख सकते हैं, जिसे एप्पल स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। 'साहित्य पर्व' का निर्माण जनसंपर्क विभाग के सहयोग से इरा फिल्म्स द्वारा किया गया है। इस प्रसारण के माध्यम से रायपुर साहित्य महोत्सव के प्रमुख सत्रों, चर्चाओं और साहित्यिक प्रस्तुतियों को देशभर के दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा।

रायपुर साहित्य उत्सव
आदि से अनादि तक

13 फरवरी को होगा फाग महोत्सव

रायपुर। राजधानी रायपुर में फाल्गुन माह के अवसर पर श्याम भक्तों के लिए फाग महोत्सव 4.0 का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 13 फरवरी 2026 को अशोक रॉयल, अशोक रत्न कैंपस में होगा। शाम 6 बजे बाबा श्याम की ज्योति प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी और बाबा का भव्य दरबार सजाया जाएगा। महोत्सव में प्रसिद्ध श्याम भजन गायक अपनी प्रस्तुति देंगे। खाटूधाम से आए अजहर अली, नीमच की गायिका कनिका ग्रोवर और रायपुर के गायक सुरेश राजस्थानी फाल्गुन के भजनों से भक्तों को भाव-विभोर करेंगे। भजन संध्या में भक्त भक्ति के रंग में रंगे नजर आएंगे। आयोजन को खास बनाने के लिए कई आकर्षण रखे गए हैं। बाबा श्याम का सुंदर श्रृंगार, इत्र वर्षा, चंदन छिड़काव, 56 भोग और पान भोग लगाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए श्याम रसोई, फागुन मेला, श्याम कुंड और श्याम बगीचा भी बनाई जाएगी।

निकायों के सफाई कर्मकारों को श्रम विभाग की योजनाओं का मिलेगा लाभ

रायपुर/नवप्रदेश। प्रदेशभर के नगरीय निकायों में कार्यरत सफाई कर्मकारों को भी श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के निर्देश पर विभाग ने इसके लिए सभी नगरीय निकायों को परिपत्र जारी कर पात्र सफाई कर्मियों का श्रम विभाग में पंजीयन कराने को कहा है। विभाग ने नगरीय निकायों में काम कर रहे ऐसे सफाई कर्मकार जो ईएसआईसी एवं ईपीएफकी पात्रता नहीं रखते हैं, उनका श्रम विभाग के असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल में पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा संचालनालय से सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों को जारी परिपत्र में पात्र सफाई कर्मकारों को श्रम विभाग की योजनाओं से लाभान्वित करने पंजीयन के लिए निर्देशित किया गया है। पत्र में बताया गया है कि इसके लिए श्रम विभाग की वेबसाइट https://shramevjayate.cg.gov.in/ या मोबाइल एप ÷श्रमेव जयते÷ पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। विभाग ने सफाई कर्मकारों के बीच असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल द्वारा संचालित योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के भी निर्देश दिए हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण से उदेराम का पक्के मकान का सपना साकार

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण देश के लाखों जरूरतमंद परिवारों को कच्चे और असुरक्षित आवासों से निकालकर पक्के, सुरक्षित एवं सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान कर रही है। इसी कड़ी में जिले के छुरिया विकासखंड अंतर्गत वनांचल ग्राम कल्लूटोला निवासी श्री उदेराम साहू का पक्के मकान का सपना साकार हुआ है। श्री उदेराम साहू ने बताया कि सीमित आय एवं कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण वे वर्षों तक कच्चे मकान में परिवार सहित रहने को विवश थे। बरसात के दिनों में छत से पानी टपकना, दीवारों में दरारें और परिवार की सुरक्षा को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी। इन परिस्थितियों के कारण स्वास्थ्य एवं सामाजिक जीवन भी प्रभावित होता था। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण अंतर्गत श्री उदेराम साहू को 1 लाख 20 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। इस सहायता राशि से उन्होंने गुणवत्तापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए पक्का, सुरक्षित एवं टिकाऊ आवास का निर्माण सफलतापूर्वक पूर्ण किया।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के द्वितीय चरण का सफल आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के प्रथम चरण का सीधा प्रसारण दिनांक 6 फरवरी 2026 को देशभर के विद्यालयों में किया गया। इस चरण में छत्तीसगढ़ राज्य से अत्यंत उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त जानकारी के अनुसार 36,903 विद्यालयों में इस कार्यक्रम का प्रसारण हुआ, जिसे 26.65 लाख विद्यार्थियों, 1.54 लाख शिक्षकों एवं 1.68 लाख पालकों सहित कुल 29.87 लाख दर्शकों ने देखा। इसके अतिरिक्त, समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु 478 सार्वजनिक स्थलों पर कार्यक्रम देखने की व्यवस्था की गई, जहाँ लगभग 42 हजार नागरिकों ने कार्यक्रम का लाभ उठाया। प्रथम चरण में महासमुंद जिले की कक्षा 12वीं की छात्रा कु. सृष्टि साहू को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से सीधे प्रश्न पूछने का अवसर प्राप्त हुआ।

तंत्र-मंत्र के जरिए 3.50 लाख रुपये को 100 गुना करने का दिया झांसा

रायपुर में पैसों की बारिश का झांसा, भाजपा पार्षद से ठगी

■ **अनुष्ठान कर नकली नोटों से भरा थैला थमाया**

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर में तंत्र-मंत्र के जरिए पैसों की बारिश कराने और 100 गुना करने का झांसा दिया गया। फिर ठक्कर बापा वार्ड के बीजेपी पार्षद रुस्तम कुर्रे से 3 लाख 50 हजार रुपए की ठगी कर ली गई। कथित तांत्रिकों ने अनुष्ठान कर नकली नोटों से भरा झोला थमा दिया। असली पैसों को लेकर भाग गए।

पीड़ित पार्षद रुस्तम कुर्रे की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राहुल भारती और मयंक दास को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों भिलाई के रहने वाले हैं। उनके पास से एक अपाचे बाइक, एक मोबाइल और 3.5 लाख रुपए जब्त किया गया है। घटना गुढ़ियारी थाना क्षेत्र की है।

इससे पहले, बिलासपुर में एक शख्स ने 2.50 लाख को 2.50 करोड़ बनाने का झांसा दिया था। कथित तांत्रिक ने बिल्हा के सबंलपुरी में कांग्रेस समर्थित सरपंच पति के घर अनुष्ठान का वीडियो बनाया। जिसमें पैसों की गड्डी के सामने नारियल, अगरबत्ती रखकर पूजा की। फिर अचानक ऊपर से पैसों की बारिश होने लगी थी।

4 घंटे तलाश के बाद भिलाई से दोनों पकड़ाए

बीजेपी पार्षद की शिकायत के 4 घंटे बाद पुलिस ने 2 संदेहियों को पकड़ लिया था। पुलिस ने आरोपी राहुल भारती निवासी सुपेला भिलाई और मयंक दास निवासी रिसाली भिलाई को गिरफ्तार कर लिया है। पूरे 3.5 लाख रुपए भी बरामद कर लिए गए हैं।

500 रुपए के 7 बंडल दिए

दरअसल, गुढ़ियारी निवासी रुस्तम कुर्रे की मुलाकात एक साल पहले भिलाई के सुपेला में राहुल भारती से हुई थी। राहुल ने काम की तलाश में उनसे संपर्क बढ़ाया और लगातार फोन करता रहा। 4 फरवरी 2026 से राहुल ने उन्हें यह कहकर झांसे में लिया कि तांत्रिक मयंक दास उसके संपर्क में है, जो तंत्र-मंत्र से पैसों को 100 गुना कर सकता है। रुस्तम कुर्रे ने बताया कि, 6 फरवरी की शाम करीब 7 बजे राहुल भारती अपने साथी मयंक दास के साथ उसके कार्यालय मंगल बाजार गुढ़ियारी पहुंचा। वहां पूजा-पाठ की तैयारी कराई गई। पूजा के दौरान मयंक दास ने कैश मांगा। उन्होंने 500 रुपए के 7 बंडलों में कुल 3 लाख 50 हजार रुपए दिए। श्मशान से मिट्टी लेने निकले रायपुर के ठक्कर बापा वार्ड से बीजेपी पार्षद रुस्तम कुर्रे, जिसके साथ ठगी हुई है। श्मशान की मिट्टी लाने की बात कहकर भागे इसके बाद तांत्रिक मयंक ने पार्षद को बाहर बैठने को कहा और रात करीब 10:30 बजे तक पूजा करता रहा।

चार साल पहले गृहमंत्री शाह ने माना था नक्सलवाद घटा: कांग्रेस

■ **अब राजनीतिक वजहों से बदले जा रहे बयान, पूर्ववर्ती-सरकार की नीतियों की बड़ी भूमिका रही**

रायपुर/नवप्रदेश। नक्सलवाद को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया बयानों पर कांग्रेस ने सवाल खड़े किए हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष ने कहा कि, नक्सलवाद के मुद्दे पर गृहमंत्री राजनीतिक विद्वेष के चलते तथ्यों से अलग बयान दे रहे हैं, जबकि चार साल पहले वे खुद भूपेश सरकार के कामकाज की सराहना कर चुके हैं।

कांग्रेस का दावा है कि, जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी, तब नक्सली घटनाओं में लगातार कमी दर्ज की गई। पार्टी ने याद दिलाया कि, 5 अप्रैल 2021 को छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान अमित शाह ने मीडिया से कहा था कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार के संयुक्त प्रयासों से नक्सलवाद को काफी हद तक पीछे धकेला गया है। नक्सली घटनाओं में करीब 80 फीसदी तक गिरावट आई है। उसी दौरान राज्य पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी नक्सलवाद के पैकअप मोड में होने की बात कही थी। कांग्रेस ने दावा किया कि, उनके कार्यकाल में 600 से अधिक गांव नक्सल मुक्त घोषित हुए और नक्सली गतिविधियां सीमित इलाकों तक सिमट गई थीं।

विश्वास-विकास-सुरक्षा मॉडल का दावा

कांग्रेस ने कहा कि, भूपेश सरकार के कार्यकाल में विश्वास, विकास और सुरक्षा के मॉडल पर काम हुआ। जिसका असर जमीन पर दिखा। दूरस्थ और नक्सल प्रभावित इलाकों में नए सुरक्षा कैंप स्थापित किए गए। सड़क और पुलों का निर्माण हुआ। अबूझमाड़ जैसे इलाकों में कनेक्टिविटी बेहतर की गई। सैकड़ों स्कूल खोले गए। राशन दुकानों और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया गया। 67 से अधिक वनोपजों की सरकारी खरीदी शुरू हुई। इससे स्थानीय लोगों का भरोसा सरकार और सुरक्षा बलों पर बढ़ा और नक्सल गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ।

रायपुर में चापड़ लेकर घूमता दिखा आरोपी

■ **रामकुंड में दहशत का कारण बना युवक, लोगों को दी गालियां**

रायपुर /नवप्रदेश। राजधानी रायपुर में खुलेआम हथियार लहराकर लोगों में दहशत फैलाने का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जो कि आजाद चौक थाना क्षेत्र के रामकुंड बस्ती का बताया जा रहा है। जिसमें राहुल जंघेल उर्फ मान्या सुर्वे नामक युवक हाथ में चापड़ लेकर सड़क पर घूमता नजर आ रहा है। 26 सेकेंड के वीडियो में युवक लोगों को गाली देते हुए डराने-धमकाने की कोशिश करता दिख रहा है। वीडियो सामने आने के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया है। फिलहाल, आजाद चौक थाना पुलिस वायरल वीडियो को संज्ञान में लेते हुए युवक की तलाश में जुट गई है। पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वीडियो की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में युवक की पहचान राहुल जंघेल उर्फमान्या सुर्वे के रूप में की गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं इलाके में आए दिन होती रहती हैं। रहवासियों ने पुलिस से असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। वीडियो वायरल होते ही आजाद चौक थाना पुलिस हरकत में आ गई।

एनएच एमएमआई में मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। एनएच एमएमआई हॉस्पिटल, रायपुर के इमरजेंसी डिपार्टमेंट द्वारा 7 फरवरी 2026, शनिवार को प्रातः 9 बजे एक E&ternal Disaster Mock Drill का सफल आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल में इमरजेंसी डिपार्टमेंट, क्रिटिकल केयर, ऑपरेशन थिएटर , रेडियोलॉजी, लेबोरेटरी, ब्लड बैंक, फार्मेसी, प्रशासन, क्वालिटी टीम, सुरक्षा विभाग, हाउसकीपिंग, एम्बुलेंस सेवा तथा MMI नर्सिंग कॉलेज की टीमों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस मॉक ड्रिल के अंतर्गत एक काल्पनिक लेकिन यथार्थपरक परिदृश्य बनाया गया, जिसमें यात्रियों से भरी एक बस के खाई में गिर जाने की स्थिति दर्शाई गई। दुर्घटना की सूचना मिलते ही NH MMI हॉस्पिटल की इमरजेंसी टीम मौके पर पहुँची और घायलों की फील्ड ट्रायेजिंग की। इसके बाद घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुँचाया गया। मॉक ड्रिल को वास्तविक स्वरूप देने के लिए MMI नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने स्वयंसेवक के रूप में घायल मरीजों की भूमिका निभाई।

डीएड कैंडिडेट ने हजारों की संख्या में राष्ट्रपति-पीएम को भेजी चिट्ठी

रायपुर/नवप्रदेश। सहायक शिक्षक भर्ती 2023 के तहत रिक्त 1600 आदिवासी पदों पर तत्काल नियुक्ति की मांग तेज हो गई है। पीड़ित अभ्यर्थियों ने राष्ट्रपति, राज्यपाल रामेन डेका, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री को स्पीड पोस्ट के माध्यम से पत्र भेजकर हस्तक्षेप की गुहार लगाई है।

न्यायालयों के आदेशों के बावजूद नियुक्ति नहीं होने से आक्रोशित आदिवासी अभ्यर्थी और उनके परिजन 24 सितंबर से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों के अनुसार, हाईकोर्ट ने 2 अप्रैल 2024 और 26 सितंबर 2025, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने 28 अगस्त 2024 को भर्ती से संबंधित स्पष्ट आदेश दिए थे। इसके बावजूद राज्य सरकार और शिक्षा विभाग द्वारा आदेशों का पालन नहीं किया गया, जो न्यायालय की अवहेलना और संविधान के उल्लंघन के समान है।

2300 पदों में 1600 आदिवासी

अभ्यर्थियों का कहना है कि, सहायक शिक्षक भर्ती 2023 में कुल 2300 पद थे। जिनमें से लगभग 1600 पद अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षित थे। इसके बावजूद अभी तक इन पदों पर नियुक्ति नहीं की गई है। आदिवासी समाज का आरोप है कि, यह स्थिति तब है, जब राज्य में आदिवासी मुख्यमंत्री की सरकार है।

दिन में बढ़ेगी गर्मी, 2-4 डिग्री तक बढ़ेगा तापमान

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मौसम फिलहाल ड्राई बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में छत्तीसगढ़ के न्यूनतम तापमान में कोई विशेष बदलाव नहीं होगा। हालांकि इसके बाद यानी अगले 2-4 दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। वहीं अधिकतम तापमान में अगले 7 दिनों तक खास बदलाव के आसार नहीं है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश में सबसे

अधिकतम तापमान 32एष्ट राजनांदगांव में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 8.4एष्ट अंबिकापुर में रहा। राज्यभर में बारिश के आंकड़े शून्य रहे और किसी प्रकार का सक्रिय सिनॉप्टिक सिस्टम भी एक्टिव नहीं है।

आक्रोश: राजपत्र से नाम हटाने को बताया अपमान, प्रदेश सरकार से हस्तक्षेप की मांग

राजिम कल्प कुंभ का संत समाज ने किया बहिष्कार का ऐलान

रायपुर/नवप्रदेश। राजिम कल्प कुंभ 2026 को लेकर रायपुर के साधु-संतों में नाराजगी है। संत समाज ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ सरकार की ओर से जारी राजपत्र (गजट) में रायपुर के कई प्रमुख महंतों और संतों के नाम हटा दिए गए हैं। संतों ने इसे अपने समाज की उपेक्षा और अपमान बताया है। रायपुर स्थित श्री सुरेश्वर महादेव पीठ में आयोजित प्रेस वार्ता में संतों ने कहा कि राजपत्र में जारी सूची से रायपुर के प्राचीन मठों से जुड़े कई संतों के नाम गायब हैं। इनमें महंत देवदास जी महाराज, महंत वेद प्रकाश, गोंडवाना समाज के संत निराहारी महाराज और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर सौम्या मां सहित अन्य संतों के नाम शामिल बताए गए हैं।

'नाम काटकर संत समाज को अपमानित किया जा रहा'

संतों ने आरोप लगाया कि राजपत्र में बार-बार नामों के साथ छेड़छाड़ की जा रही है। उनका कहना है कि पहले भी सूची में सीमित नाम होने की जानकारी मुख्यमंत्री और संबंधित मंत्री को दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। संत समाज ने इसे जानबूझकर किया गया अपमान बताया। संतों ने स्पष्ट किया कि जब तक नाम काटने-जोड़ने वाले व्यक्ति या अधिकारी को सामने लाकर उसके खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, तब तक रायपुर के संत राजिम कल्प कुंभ में शामिल नहीं होंगे। संतों ने ऐसे व्यक्ति को 'कालनेमि' बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।

संतों ने मेला प्रशासन से जुड़े एक अधिकारी के व्यवहार पर भी आपत्ति जताई। उनका आरोप है कि बातचीत के दौरान संतों के साथ सम्मानजनक भाषा और आचरण नहीं अपनाया गया।

संत समाज ने जताया विरोध

संत समाज ने कहा कि राजिम कल्प कुंभ छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि देश-दुनिया में पहचान बनाने वाला आयोजन है, लेकिन कुछ लोगों की वजह से संत समाज में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग की कि पूरे मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि संत समाज का सम्मान बना रहे। प्रेस वार्ता में संत महासभा से जुड़े पदाधिकारी, आचार्य और बड़ी संख्या में साधु-संत मौजूद रहे।

अरपा लिंक और खोंगसरा सिंचाई योजना के लिए 7.50 करोड़ स्वीकृत

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग द्वारा बिलासपुर जिले के अंतर्गत दो सिंचाई योजना के कार्यों के लिए 7 करोड़ 50 लाख 19 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। स्वीकृत योजनाओं में हसदेव अरपा लिंक परियोजना के सर्वेक्षण कार्य के लिए 5 करोड 59 लाख 95 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। इसी तरह विकासखण्ड कोटा के अंतर्गत खोंगसरा व्यपवर्तन योजना की मुख्य नहर के लाईनिंग कार्य के लिए एक करोड़ 90 लाख 24 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है।

संगवारी भेंट: थम सा गया समय, वर्षों बाद स्कूल की दहलीज पर गले मिले गुरु और शिष्य

■ **यादों में फिर जिए सुनहरे दिन, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय में पहला पूर्व छात्र-शिक्षक मिलन समारोह भावनाओं से सराबोर होकर संपन्न**

गरियाबंद/नवप्रदेश। पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय विद्यालय, गरियाबंद में रविवार को आयोजित पहला ÷संगवारी भेंट÷ पूर्व छात्रङ्कशिक्षक मिलन समारोह केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि स्मृतियों, सम्मान और कृतज्ञता का जीवंत उत्सव बन गया। वर्षों पहले इसी विद्यालय से निकलकर जीवन की अलग-अलग राहों पर आगे बढ़ चुके छात्र जब अपने गुरुओं से फिर आमने-सामने हुए, तो स्कूल की दहलीज पर समय जैसे ठहर गया।

विद्यालय परिसर में जैसे ही पूर्व छात्रों ने कदम रखा, बीते दिनों की यादें ताजा हो उठीं। वही कक्षाएं, वही बरामदे, वही प्रांगण– जहां कभी सपने गढ़े गए थे। ब्लैकबोर्ड, बेंच और दीवारों को छूते हुए छात्र अपने स्कूली दिनों में लौट गए। कहीं ठहाकों की गूंज थी, तो कहीं आंखें नम नजर आई। वर्षों बाद मिले मित्र गले मिले, अपनापन छलक उठा और हर चेहरा भावनाओं से भरा दिखा।

गुरुओं का सम्मान, दिवंगत शिक्षकों को श्रद्धांजलि: समारोह की शुरुआत वरिष्ठ शिक्षकों के सम्मान से हुई। वर्षों तक विद्यालय की सेवा करने वाले शिक्षकों को शाल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं दिवंगत शिक्षकों को याद करते हुए मौन रखकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह पल पूरे समारोह को भावुक कर गया।

सेवानिवृत्त शिक्षकों की भावुक प्रतिक्रियाएं : सेवानिवृत्त शिक्षक आर.पी. मिश्रा ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि वर्षों बाद इस तरह का मिलन किसी सौभाग्य से कम नहीं है। वहीं सेवानिवृत्त शिक्षक भारत मोंगरे ने कहा कि इस ऐतिहासिक मिलन की अनुभूति शब्दों में बयां करना कठिन है। उन्होंने माउथ ऑर्गन की प्रस्तुति देकर पूरे वातावरण को भावनाओं से भर दिया।

प्रशांत मानिकपुरी बोले– यह केवल मिलन नहीं, कृतज्ञता का भाव है

कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य एवं शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष प्रशांत मानिकपुरी के नेतृत्व में किया गया। स्वागत भाषण में उन्होंने कहा–यह आयोजन केवल पूर्व छात्रङ्कशिक्षक मिलन नहीं है, बल्कि उन गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता का भाव है, जिनका आशीर्वाद जीवन भर मार्गदर्शन करता है। इसी विद्यालय की देन है कि आज यहां से पढ़े विद्यार्थी प्रशासनिक, सामाजिक, राजनीतिक और व्यवसायिक क्षेत्रों में गरियाबंद का नाम रोशन कर रहे हैं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और यादों की सौगात

कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक एवं संगीतमय प्रस्तुतियां दीं, जिसने समारोह को और भी जीवंत बना दिया। इसके बाद शिक्षकों और छात्रों ने बेंच पर बैठकर सामूहिक फोटो खिंचवाए। सभी पूर्व छात्रों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए, ताकि यह दिन जीवन भर यादों में जीवित रहे।

राजिम कुंभ में विराट संत समागम का शुभारंभ 10 फरवरी को, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह होंगे मुख्य अतिथि

राजिम/नवप्रदेश। राजिम कुंभ कल्प मेला में 10 फरवरी दिन मंगलवार को शाम 7 बजे विराट संत समागम का उद्घाटन किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृति, पर्यटन एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे। समारोह में रायपुर सांसद

बृजमोहन अग्रवाल, महासमुंद सांसद रूपकुमारी चौधरी, कुरूद विधायक अजय चन्द्राकर, राजिम विधायक रोहित साहू, अभनपुर विधायक इन्द्रकुमार साहू, बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव के अलावा जिला पंचायत गरियाबंद अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप, नगर पंचायत राजिम अध्यक्ष महेश यादव, नगर पालिका परिषद गोबरा नवापारा अध्यक्षा ओमकुमारी साहू, जनपद पंचायत फिंगेश्वर अध्यक्ष इन्द्राणी साहू, नगर पालिका परिषद गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम यादव, नगर पंचायत फिंगेश्वर अध्यक्ष राजेन्द्र (धनराज) सूर्यवंशी, नगर पंचायत मगरलोड अध्यक्ष लिलेश सुरेश साहू, नगर पंचायत कोपरा अध्यक्ष रूप नारायण साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थित रहेगी।

देशभर से संत-महात्माओं का होगा दिव्य समागम: विराट संत समागम अवसर पर देशभर से प्रतिष्ठित संत-महात्माओं का आशीर्वचन और सानिध्य प्राप्त होगा। जिसमें प्रमुख रूप से आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी विशोकानंद जी महाराज, राजेश्री महंत रामसुंदर दास जी महाराज, दंडी स्वामी डॉ. इन्दुभवानन्द तीर्थ जी महाराज, दंडी स्वामी सच्चिदानंद तीर्थ जी महाराज, पीठाधीश्वर द्वारकेश लाल जी महाराज, संत गुरूशरण महाराज पंडोखर सरकार, महंत नरेन्द्र दास जी महाराज, स्वामी राजीव लोचन दास जी महाराज, स्वामी विराम देवाचार्य जी महाराज, बालयोगेश्वर बालयोगी रामबालक दास जी महाराज, साध्वी महंत प्रज्ञा भारती जी, महंत सर्वेश्वर दास जी महाराज, संत परमात्मानन्द जी महाराज, संत युधिष्ठिर लाल जी महाराज, संत गोवर्धन शरण जी महाराज, महंत रामरूप दास जी महाराज, महंत दिव्यकांत जी महाराज, महंत त्रिवेणी दास जी महाराज, महंत राधेश्याम दास जी महाराज, महंत उमेशानन्द गिरी जी महाराज, स्वामी डॉ. राजेश्वरानन्द जी महाराज, आचार्य राकेश आर्य जी महाराज, गुरू मां सुमिरण माई, संत कौशलेन्द्र रामजी महाराज, संत विचार साहेब जी महाराज, संत गोकुल गिरि जी महाराज, प्रजापिता ब्रह्मकुमार नारायण भाई, स्वामी अखिलेशानंद जी महाराज, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी हेमा बहन, संत सिद्धेश्वरानंद जी महाराज, आचार्य त्रिभुवन मिश्रा, महंत बी.आर. जोशी सहित अन्य संतों का सानिध्य प्राप्त होगा।

'राम आएंगे' की गूंज से राममय होगा राजिम कुंभ कल्प, 10 को स्वाति मिश्रा की प्रस्तुति

राजिम/नवप्रदेश। राजिम कुंभ कल्प मेले के दसवें दिन 10 फरवरी को सुप्रसिद्ध भजन गायिका स्वाति मिश्रा का भव्य कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं और संगीत प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बता दें कि श्रीराम भक्ति से ओत-प्रोत स्वाति मिश्रा के भजनों ने रामभक्तों के दिलों में विशेष स्थान बना लिया है। उनके गीतों में भक्ति, श्रद्धा और भावनाओं का ऐसा संगम देखने को मिलता है, जो श्रोताओं को आध्यात्मिक अनुभूति से भर देता है। 'राम आएंगे' भजन ने उन्हें देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक पहचान दिलाई है। राजिम कुंभ कल्प मेला के मंच पर श्रीराम भक्ति से जुड़े एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए जाएंगे।

स्थानीय मंच पर होगी छत्तीसगढ़ के कलाकारों की प्रस्तुति: वहीं नवीन मेला मैदान स्थित स्थानीय मंच पर रूआबांधा रेणु साहू पंडवानी, रायपुर पूर्वी यादव जगराता, मालपुरी दुर्ग हेमीन वर्मा सुवा नृत्य, दुर्ग सूर्य प्रकाश साहू लोकनृत्य, रायपुर अनीता देवांगन भजन संध्या, छुईया चैतु राम तारक नाचा गम्मत, रायपुर मनोज सेन लोककला मंच, गरियाबंद ललित निर्मलकर भुंजिया नृत्य, चम्पारण चंद्रहास साहू राउतनाचा, परसदा सोंठ राधा खूंटे पंथी पार्टी की प्रस्तुति होगी।

कलेक्टर परिसर में आत्मदाह का प्रयास

सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे शीतलाल के आवेदन पर नहीं हुई प्रशासनिक कार्यवाही

■ **हताश होकर पहुंचा था कलेक्ट्रेट**

खैरागढ़/नवप्रदेश। सामाजिक बहिष्कार का दंश झेल रहे पीड़ित द्वारा लगातार न्याय मांगने पर भी कार्यवाही नही होने के चलते कलेक्टर परिसर मे आत्मदाह की कोशिश करने से सोमवार को स्थानीय कलेक्टर कार्यालय मे हडकंप मच गया। सोमवार दोपहर 12 बजे के आसपास हुई घटना के दौरान कलेक्टर परिसर मे अधिकारी कर्मचारी सहित पूरा प्रशासनिक महकमा मौजूद था। इसी दौरान कलेक्टर कार्यालय पहुँचे कंटगी गंडई निवासी शीतलाल निर्मलकर ने कलेक्टर परिसर पहुँचते ही अपने ऊपर मिटटी तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया गया। मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों की तत्परता से पीड़ित शीतलाल को ज्यादा नुकसान नही पहुँचा और बड़ा हादसा टल गया मौके पर पहुँची पुलिस की उपस्थिति मे उसे स्थानीय सिविल अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ उसका इलाज जारी है।

आवेदन पर कार्यवाही नहीं

ग्राम कटंगी गंडई निवासी शीतलाल निर्मलकर ने बताया कि गांव मे कथित रूप से सामाजिक बहिष्कार के चलते उसके परिवार का हुक्कापानी बंद हो गया है। इसके खिलाफ शीतलाल ने जिले के विभिन्न शासकीय कार्यालयों मे लंबे समय तक चक्कर लगाकर कार्यवाही की मांग करता रहा लेकिन मामले मे कोई कार्यवाही नही होने से क्षुब्ध होकर उसने जिला कार्यालय पहुँच आत्मदाह का प्रयास किया। कलेक्टर कार्यालय पहुँचते ही शीतलाल अपने ऊपर मिटटी तेल डालकर आत्मदाह का प्रयास करने लगा। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियो और कर्मचारियों ने उसे रोक जरूर लिया लेकिन आत्मदाह करने के चलते उसके घुटने और हाथ आग से झूलस गए। घटना की सूचना मिलते ही पहुँची पुलिस ने उसे सुरक्षा मे लिया और उपचार के लिए सिविल अस्पताल पहुँचाया। जहाँ उसका इलाज जारी है। मीडिया से बातचीत मे शीतलाल ने बताया कि गांव के कुछ लोगो द्वारा उसका बहिष्कार किए जाने से वह परिवार के साथ परेशान है। पीड़ित ने बताया कि गांव के समाज प्रमुख सुद्धु निर्मलकर, राजू रजक, निरंजन रजक, कुलेश्वर, विजय, तुलसु निर्मलकर मनमाने ढंग से अर्थदंड वसूलते है। व्यवस्था का विरोध करने पर उसे बहिष्कार की सजा दी गई है। बहिष्कार के चलते परिवार का जीना मुश्किल हो गया है।

संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को

बालोद/नवप्रदेश। संचालनालय, रोजगार एवं प्रशिक्षण नवा रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी 2026 को आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी बालोद ने बताया कि संभाग स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 14 एवं 15को रूंगटा कॉलेज कोहका भिलाई में निजी क्षेत्र के तकनीकी एवं गैर तकनीकी पदों में चयन हेतु साक्षात्कार लिया जाएगा। इच्छुक आवेदकों को उक्त रोजगार मेला में शामिल होने के लिए विभाग की वेबसाईट ईरोजगार डॉट सीजी डॉट इन पर आवेदन किया जाना अनिवार्य है।

आज जिले के 115 जोड़ों का होगा सामुहिक विवाह

खैरागढ़। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत जिले मे आज 115 नव वरवधु शासकीय आयोजन के तहत सामुहिक विवाह मे परिणय सूत्र मे बंधेगें। महिला बाल विकास विभाग द्वारा छुईखदान के केकती बाड़ी मे आयोजित भव्य सामुहिक विवाह मे प्रशासनिक अधिकारी घराती तो जिले भर के जनप्रतिनिधिगण बराती की भूमिका निभाएगें।

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विशेष विवाह अधिकारी, जिला बालोद (छ.ग.)

फार्म अ

सार्वजनिक सूचना

(नियम-6 देखिये)

सर्व साधारण की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि **आवेदक राजूराम यादव पिता स्व. श्री सुन्दरराम यादव, उम्र 25 वर्ष, निवासी वार्ड नं. 20. भगत सिंग वार्ड, गुण्डरदेही, तह0 गुण्डरदेही, जिला बालोद एवं आवेदिका तोमश्वरी पिता श्री गौतम सिंह, उम्र 20 वर्ष, निवासी आवासपारा वार्ड नं. 01. अर्जुन्दा, तह0 अर्जुन्दा, जिला बालोद (छ0ग0)** द्वारा विशेष विवाह अधिनियम, 1954 धारा 05 के अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक **25/02/2026** के पूर्व अधोहस्ताक्षरी के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा वह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी।

अगामी तिथि **25/02/2026**

मुहर

अपर कलेक्टर
एवं विशेष विवाह अधिकारी
जिला बालोद (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **28232** दिनांक **05.02.2026**
वार्ड का नाम- **46 - सिविल लाईन वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR333B00229** जो की निगम अभिलेख श्री **KRISHAN KUMAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **VERHOMAL NATHANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **संगीता पाण्डेय** पिता /पति श्री/श्रीमती **पंकज पाण्डेय** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

" सूचना जारी करे "
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **28237** दिनांक **05.02.2026**
वार्ड का नाम- **46 - सिविल लाईन वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR333B0229B** जो की निगम अभिलेख श्री **KRISHAN KUMAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **VERHOMAL NATHANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **अनीश मिश्रा** पिता /पति श्री/श्रीमती **रमाकांत मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

" सूचना जारी करे "
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर, (जोन क्र. - 4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
Email ID - rmczone4@gmail.com

ईश्तहार

नामंतरण प्र.क्र. **28235** दिनांक **05.02.2026**
वार्ड का नाम- **46 - सिविल लाईन वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **46** स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR333B0229A** जो की निगम अभिलेख श्री **KRISHAN KUMAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **VERHOMAL NATHANI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **अनूप मिश्रा** पिता /पति श्री/श्रीमती **रमाकांत मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

" सूचना जारी करे "
श्री अरूण ध्रुव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

केनरा बैंक Canara Bank — **रायपुर मुख्य शाखा (छ.ग.)**

अचल संपत्ति के लिए कब्जे का नोटिस परिशिष्ट IV नियम 8(1)

अधोहस्ताक्षरकर्ता ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का **प्रवर्तन अधिनियम 2002** के अधीन केनरा बैंक की निम्नांकित शाखा का प्राधिकृत अधिकारी है, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऋण लेने वाले निम्नलिखित बकायेदार को निम्नांकित सारणी के अनुरूप मांग सूचना तथा उसमें उल्लिखित रकम उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से **60 दिन** के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी।

ऋण लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदेय करने में असफल रहने पर, ऋणी/जमानतकर्ता/बन्धककर्ता और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त (अधिनियम) की धारा 13(4) के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। ऋणी/जमानतकर्ता/बन्धककर्ता को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि निम्नलिखित सम्पत्तियों में कोई लेन-देन न करें और उसमें किसी प्रकार का लेन-देन केनरा बैंक की निम्नांकित संबंधित शाखा को देय बकाया राशि एवं उस पर ब्याज आदि के प्रभार के अधीन होगा।

उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (ओं) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

क्र. सं.	ऋणी का नाम	कब्जाधीन सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना राशि	मांग सूचना तिथि / कब्जा सूचना तिथि
1.	श्रीमती गीता बेहरा पति श्री अशोक बेहरा, मकान नं 184, बेहरा कॉलोनी, पंडरी, रायपुर, छत्तीसगढ़, पिनकोड- 492004	श्रीमती गीता बेहरा पति श्री अशोक बेहरा के नाम पर, खसरा नं. 1493/1, 1495/1, 1496 और 1498/2 (भाग), प.ह.नं. 117/81, ब्लॉक नं. 49, प्रथम तल, मौजा- बोरियाकला (4407264), छ.ग. हाउसिंग बोर्ड, दीनदयाल आवास योजना, आरआईसी- रायपुर-18, तहसील व जिला रायपुर, छत्तीसगढ़, पिन-492001, क्षेत्रफल- 487 वर्ग फीट में स्थित फ्लैट नं. एलआईजी 773 के ईएमटी। चौहद्दी: उत्तर- मार्ग, दक्षिण- फ्लैट नं. एलआईजी-774, पूर्व- फ्लैट नं. एलआईजी-775, पश्चिम- फ्लैट नं. एलआईजी-759.	₹ 4,89,441.72 ब्याज एवं उस पर लागू शुल्क के साथ	26/11/2025 / 05/02/2026

दिनांक : 09.02.2026, स्थान: रायपुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 1 (छत्तीसगढ़)

निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है -

एन.आई.टी. क्र. / सिस्टम टेन्डर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू. (लाख में)
1	2	3
234/185171	BARRICADING AND HUTMENT FOR CHHATTISGARH BHAWAN AND CULTURAL CENTRE AT PLOT NO: 30 A, SECTOR-17, VASHI, NAVI MUMBAI (चतुर्थ आमंत्रण)	रू. 50.57 लाख
301/182130	ALTERATION/ADDITION WORK OF HONOURABLE MINISTERS BUNGLOW FOR M- 01 TO M- 12, M- 14 AND M- 16 AT SECTOR 24 NAYA RAIPUR, DISTT-RAIPUR (प्रथम आमंत्रण)	रू. 100.00 लाख
302/182129	SPECIAL REPAIR & M.O.W. WORK FOR G.A.D. BUILDING DEVENDRA NAGAR (I.A.S.) COLONY RAIPUR UNDER CONSTRUCTION SUB DIVISION NO.1, ATAL NAGAR NAYA RAIPUR (प्रथम आमंत्रण)	रू. 100.00 लाख

एन.आई.टी. क्र. 234 सिस्टम टेन्डर नं. 185171 निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 16.02.2026 समय सायं 5:30 बजे तक एवं एन.आई.टी. क्र.301 सिस्टम टेन्डर नं. 182130, एन.आई.टी.क्र.302 सिस्टम टेन्डर नं. 182129 निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 26.02.2026 समय सायं 5:30 बजे तक

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, रायपुर मंडल क्र.-1, रायपुर (छ.ग.)

जी- 252606562/3

UCO BANK (A Govt. of India Undertaking) — **अंचल कार्यालय, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)**
ई-मेल : zoraipur.rec@ucobank.co.in

अचल संपत्तियों की बिक्री के लिए ई-नीलामी नोटिस

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूतिहित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन अचल आस्तियों के विक्रय हेतु ई-नीलामी विक्रय नोटिस।

आम लोगों को तथा विशेष रूप से उधार लेने वाले और प्रत्याभूति-दाता को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल संपत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास गिरवी/प्रभारित है, का **भौतिक/सांकेतिक कब्जा** प्रतिभूत लेनदार यूको बैंक के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, को "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर **27/02/2026 को 11.00 बजे से दोपहर 4.00 बजे** तक बकाया राशि की वसूली के लिए बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य एवं अन्य विवरण नीचे दिए गए हैं। **बयाना राशि** प्रस्तुत करने की अंतिम समय नीलामी **27/02/2026, 3.00 बजे** के पूर्व सुनिश्चित की गई है। **ई-नीलामी की तिथि व समय**- 27/02/2026 को सुबह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक प्रत्येक 10 मिनट के असीमित विस्तार के साथ।

संपत्ति निरीक्षण की तिथि: 24/02/2026 एवं ई-नीलामी की तिथि: 27/02/2026

क्र. सं.	शाखा का नाम/ संपर्क विवरण	ऋणी एवं गारंटर का नाम	बकाया राशि / कब्जा का प्रकार	मांग सूचना/ कब्जा सूचना तिथि	संपत्ति का विवरण	आरक्षित मूल्य / बयाना राशि
01	Balod Branch Mr. Jayant Sarkar (8962228669)	श्री राकेश साहू	₹ 6.69 Lakh / सांकेतिक कब्जा	20.05.2017 / 11.01.2018	संपत्ति के मालिक: श्री राकेश साहू, ख.नं. 417/1, प.ह.नं. 07, लाटाबोड़, तहसील- बालोद, जिला- बालोद छ.ग. स्थित आवासीय भवन एवं भूमि।	14,74,000/- 1,47,400/- 25000/-
02		श्री मानिक राम साहू एवं गायत्री ट्रेडर्स	₹ 13.34 Lakh / सांकेतिक कब्जा	03.11.2015 / 06.11.2019	संपत्ति के मालिक: श्री मथिर राम साहू एवं मानिकराम साहू, ख.नं. 312 (भाग), मेन रोड, देवरी खपरी, ग्राम- मनकी (साल्हे बाजार), देवरी के पास, तहसील- डौंडीलोहारा, जिला- बालोद (छ.ग.) स्थित भूमि एवं वाणिज्यिक भवन। भूमि क्षेत्रफल- 5624 वर्गफीट, निर्मित क्षेत्रफल- 500 वर्गफीट।	19,71,000/- 1,97,100/- 25000/-
03		श्री मोतीलाल	₹ 3.31 Lakh / सांकेतिक कब्जा	03.12.2018 / 06.09.2019	संपत्ति के मालिक: श्री मोतीराम, ख.नं. 255//140, प.ह.नं. 19, ग्राम- अहिवरन, नयागांव, तहसील- डौंडीलोहारा, एवं जिला- बालोद छ.ग. स्थित भवन। भूमि क्षेत्रफल- 2856 वर्गफीट, निर्मित क्षेत्रफल- 1300 वर्गफीट।	4,05,000/- 40,500/- 25000/-
04	Bhilai Sector-I Mr. Shubhash 9805510068	श्रीमती नेहा मिश्रा एवं स्वप्निल मिश्रा	₹ 17.41 Lakh + उस पर लागू ब्याज / भौतिक कब्जा	25.05.2024 / 07.08.2025	स्वामित्व- नेहा मिश्रा पत्नी स्वप्निल मिश्रा, ख.नं. 9296, प.ह.नं. 14/19, सोनिया रेसिडेंसी, रामनगर, अम्बेडकर नगर वार्ड, कोहका, भिलाई, तहसील व जिला- दुर्ग, फ्लैट नं. 204 द्वितीय तल) में स्थित आवासीय फ्लैट। क्षेत्रफल- 598 वर्गफीट	20,80,000/- 2,08,000/- 25,000/-
05		1. श्री संतोष कुमार साहू पुत्र श्री मेंकल साहू 2. श्री मेंकल साहू पुत्र श्री सोला साहू	₹ 25.25 Lakh / सांकेतिक कब्जा	18.12.2023 / 16.03.2024	संपत्ति के मालिक- श्री संतोष कुमार साहू पुत्र श्री मेंकल साहू एवं श्री मेंकल साहू पुत्र श्री सोला साहू, प्लॉट नं. 13, स्वप्नशील परिसर, खसरा नं. 261/4, (भाग) 261/5 (भाग), प.ह.नं. 44/49, वार्ड नं. 23, इंदिरा नगर, जंजगिरी, तहसील- धमधा, जिला- दुर्ग (छ.ग.) भूतल प्रथम मंजिला भवन, प्लॉट क्षेत्रफल 1056 वर्गफीट, निर्मित क्षेत्रफल 1216 वर्गफीट।	20,00,000/- 2,00,000/- 25,000/-
06	Civic Centre Bhilai (0298) Soumya Ranjan Sahu 8000545448	मेसर्स श्री शंकर इंटरप्राईजेस प्रोप. अंजना बसु पति श्री बिश्वास बसु	₹ 12.35 लाख / भौतिक कब्जा	20.05.2022 / 28.07.2023	संपत्ति के मालिक: श्री बिश्वास बसु पिता- स्व. श्री.एस.बसु, संपत्ति का विवरण: फ्लैट- एलआईजी 176, प्रथम तल, सेल्फ फायनेंस योजना के अंतर्गत प्लॉट नं. 372 में निर्मित भवन, जुनवानी, दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छग) क्षेत्रफल- 487 वर्गफीट.	7,01,000/- 70,100/- 25000/-
07		श्री मोसेज डेविड कुमार कुंजुम पिता- श्री केडी कुंजुम	₹ 25.80 / सांकेतिक कब्जा	17.11.2018 / 12.03.2019	मकान नं. एमआईजी-II/159, ब्यूटी पार्लर के पास, आमदी नगर, मौजा- हुडको, शहीद कौशल यादव नगर (दक्षिण) वार्ड नं. 69, तहसील व जिला- दुर्ग (छ.ग.)	52,07,000/- 5,20,700/- 25000/-
08		श्री सूर्या कंसलटेंट्स	₹ 25.80 / सांकेतिक कब्जा	18.10.2023 / 10.01.2024	संपत्ति के मालिक: श्री लक्ष्मण राव, एमआईजी-1/631, वार्ड नं. 67, आमदी नगर हुडको, भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.)	49,30,000/- 4,93,000/- 25000/-
09	Maroda Branch Mr. Jaywardhan Hota (9937017346)	श्रेया सिन्हा	₹ 36.31 Lakh / भौतिक कब्जा	13.04.2023 / 15.06.2023	संपत्ति के मालिक: श्री मलय चन्द्र पुत्र- श्री लालजी प्रसाद, ख..नं. 316, प.ह.नं. 15/21, भूतल, ब्लॉक नं. 84, चौहान टाउन, जुनवानी, भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) में स्थित फ्लैट नं. 03. क्षेत्रफल- 1195 वर्गफीट.	25,52,000/- 2,55,200/- 25000/-
10	Naya Raipur Branch Mr. Nilesh Kumar (9572735565)	श्री कुलदीप सिंह गिल	₹ 19.85 Lakh + उस पर लागू ब्याज / सांकेतिक कब्जा	09.04.2024 / 29.06.2024	संपत्ति के मालिक- श्री कुलदीप सिंह गिल, ब्लॉक 3, एमआईजी फ्लैट हिमालयन हाइट्स (फेस-I), तीसरी मंजिल, जनरल आवास, डुमरतराई, रायपुर (छ.ग.) में स्थित फ्लैट नं. एमआईजी 58. क्षेत्रफल- 774.74 वर्गफीट	16,00,000/- 1,60,000/- 25000/-
11	TELIBANDHA Branch Mr. Dilip Kumar Sahu 7008516101	मेसर्स राणी सती स्टील वेन्चर्स	₹ 35.35 Lakh + ब्याज / सांकेतिक कब्जा	16.10.2024 / 14.01.2025	संपत्ति के स्वामी- श्रीमती बबली गोयल पत्नी श्री राजेश अग्रवाल, ख. नं. 636/2, 641/2, 636/11 एवं 641/11, प.ह.नं. 110, प्रथम मंजिल, गोकुल अपार्टमेंट, महर्षि वाल्मिकी वार्ड नं. 28, मौजा- शंकर नगर, गायत्री नगर, आरएनएम- रायपुर स्थित फ्लैट नं. जी। क्षेत्रफल- 936 वर्गफीट	29,65,000/- 2,96,500/- 25000/-
12	Tri Junction Branch (1005) Mr. Amit Kumar Sahu 9348907154	जसबीर कौर	₹ 8.93 Lakh / भौतिक कब्जा	06.08.2018 / 12.02.2021	संपत्ति के मालिक: श्रीमती जसबीर कौर के संपत्ति का विवरण- एलआईजी- 90, प्रथम तल, दीनदयाल आवास योजना, मौजा- जुनवानी, दुर्ग, जिला- दुर्ग (छ.ग.) क्षेत्रफल- 487 वर्गफीट	6,30,000/- 63,000/- 25000/-
13		श्री खुर्शीद अहमद	₹ 4.79 Lakh / सांकेतिक कब्जा	27.08.2021 / 08.11.2021	संपत्ति के मालिक: श्रीमती अख्तरी खातून के संपत्ति का विवरण- प्लॉट एन. 07, ब्लॉक नं. बी-2, लक्ष्मी नगर, साक्षी मंदिर, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में एक मंजिला वाणिज्यिक भवन।	4,00,000/- 40,000/- 25000/-

ई-नीलामी की तिथि एवं समय: 27/02/2026, सुबह 11:00 बजे से शाम 4.00 बजे तक एवं **संपत्ति निरीक्षण की तिथि एवं समय: 24/02/2026, दोपहर 1:00 बजे से शाम 4:00 बजे** तक। बिक्री की विस्तृत नियम व शर्तों के लिए, कृपया **https://baanknet.com** पर दिए गए लिंक को देखें। इसके अलावा, संभावित बोलीदाता अधिक जानकारी के लिए ऊपर बताए गए शाखा प्रमुख से संपर्क कर सकते हैं। बैंक बिना कोई कारण बताए नीलामी प्रक्रिया को स्वीकार/अस्वीकार/रद्द करने का पूरा अधिकार सुरक्षित रखता है और इस संबंध में किसी भी प्रश्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

यह प्रकाशन उपर्युक्त उधारकर्ताओं/गारंटीकर्ताओं/बंधककर्ताओं को 15 दिनों की नोटिस भी है।

दिनांक : 09.02.2026 स्थान : रायपुर (छ.ग.) — प्राधिकृत अधिकारी/यूको बैंक, रायपुर (छ.ग.)

सुकमा के जनजातीय वेशभूषा ने बिखेरा जलवा, गुंजन नाग और किरण नाग ने बढ़ाया जिले का मान

मां दंतेश्वरी की धरती पर संस्कृति का उत्सव, बस्तर पंडुम ने जीता सबका दिल

■ **गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया सम्मानित**

रायपुर/नवप्रदेश। बस्तर की आत्मा, उसकी परंपराएं और उसकी जनजातीय पहचान–इन सबका भव्य उत्सव बनकर उभरा 'बस्तर पंडुम 2026' न केवल एक सांस्कृतिक आयोजन रहा, बल्कि यह सुशासन, संवेदनशील प्रशासन और जनजातीय संरक्षण के प्रति सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण भी बना। लाल बाग मैदान में हुए इस ऐतिहासिक समापन समारोह ने पूरे देश का ध्यान बस्तर की गौरवशाली विरासत की ओर आकृष्ट किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की दूरदर्शी सोच और सांस्कृतिक पुनर्जागरण की परिकल्पना को प्रशासन ने पूरी निष्ठा के साथ साकार किया। यह आयोजन उन परंपराओं के लिए संजीवनी साबित हुआ, जो समय के प्रवाह में विलुप्त होने की कगार पर थीं। पारंपरिक नृत्य, लोकगीत, जनजातीय वेशभूषा, खानपान और शिल्प–सब कुछ अपने मूल स्वरूप में सहेजा गया, यही इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि रही।

सुकमा बना सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक

सुकमा जिला प्रशासन ने इस आयोजन में उत्कृष्ट समन्वय, प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता का परिचय दिया। जिले के कलाकारों ने बस्तर की आत्मा को मंच पर जीवंत कर दिया। छिंदगढ़ विकासखंड के किंदरवाड़ा निवासी गुंजन नाग और किरण नाग ने जनजातीय वेशभूषा प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर न केवल सुकमा, बल्कि पूरे बस्तर का मान बढ़ाया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर देश के गृहमंत्री अमित शाह एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा कलाकारों को स्मृति चिन्ह एवं 50 हजार रुपये का प्रोत्साहन चेक प्रदान किया गया, जो शासन की कलाकारों के प्रति सम्मान और विश्वास को दर्शाता है।

सहभागिता ने रचा इतिहास

सुकमा जिले से 12 विधाओं में 69 कलाकारों की सहभागिता ने यह सिद्ध कर दिया कि प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए मंच और अवसर जनजातीय प्रतिभाओं को नई उड़ान दे रहे हैं। यह सहभागिता केवल प्रस्तुति नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, पहचान और भविष्य की उम्मीद का प्रतीक रही।

विकास के साथ संस्कृति का संरक्षण

बस्तर पंडुम 2026 यह स्पष्ट संदेश देता है कि विष्णु देव साय सरकार का विकास मॉडल केवल सड़कों, भवनों और योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनजातीय अस्मिता, सांस्कृतिक जड़ों और सामाजिक आत्मसम्मान को समान महत्व देता है। यह आयोजन साबित करता है कि जब प्रशासन संवेदनशील हो और नेतृत्व दूरदर्शी, तो विकास और परंपरा एक–दूसरे के पूरक बन सकते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्री का जगदलपुर एयरपोर्ट में विजय शर्मा और केदार कश्यप ने किया स्वागत

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का आज बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में गरिमामय आगमन हुआ। वे यहां के ऐतिहासिक लालबाग मैदान में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय संभाग स्तरीय 'बस्तर पण्डुम' समापन समारोह में पहुंचे हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह का मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, सांसद महेश कश्यप, सांसद कांकेर भोजराज नाग, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव सहित महापौर संजय पांडे और अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी केन्द्रीय गृह मंत्री का अभिवादन करते हुए उनका स्वागत किया। इस दौरान कमिश्नर डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी, कलेक्टर आकाश छिकारा और पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा मौजूद रहे।

स्कूली बच्चों की प्रस्तुति से प्रभावित हुए शाह, ताली बजाकर बढ़ाया उत्साह

बस्तर पण्डुम समापन समारोह में बच्चों की कला को मिला केंद्रीय गृहमंत्री का सम्मान

■ **'ऐसा जादू है मेरे बस्तर में' गीत पर बच्चों की प्रस्तुति ने बांधा समां**

■ **बस्तर की बादल अकादमी के कलाकारों ने गीत को आवाज और संगीत में योगदान दिया**

संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 2026 के समापन समारोह में स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्कूली बच्चों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम की मुक्तकंठ से प्रशंसा की और ताली बजाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री के स्वागत में जगदलपुर के हजारों स्कूली बच्चों ने ÷ऐसा जादू है मेरे बस्तर में÷ गीत पर मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। बच्चों की भावपूर्ण और अनुशासित प्रस्तुति देखकर अमित शाह भी भावविभोर हो उठे और उन्होंने बच्चों को ताली बजाकर प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा *मलखंभ प्रदर्शन* भी किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने बच्चों की कला, अनुशासन एवं आत्मविश्वास की प्रशंसा करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा सहित अन्य अतिथियों ने भी बच्चों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि ÷ऐसा जादू है मेरे बस्तर में÷ गीत को हिंदी एवं हल्बी बोली में रचा गया है। इसमें बस्तर की बादल अकादमी के कलाकारों ने अपनी आवाज और संगीत का योगदान दिया है। दायरा बैंड द्वारा इस गीत को आधुनिक संगीत के साथ नया स्वरूप प्रदान किया गया है, जिससे यह गीत युवाओं और बच्चों के बीच विशेष रूप से लोकप्रिय हो रहा है।

केंद्रीय मंत्री शाह ने देखा बस्तर की जनजातीय विरासत का वैभव, विजेताओं से मिलकर बढ़ाया उत्साह

■ **बस्तर पंडुम में दिखी आदिवासी जीवन की झलक, प्रदर्शनी देखकर मंत्रमुग्ध हुए केंद्रीय गृहमंत्री**

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम 2026 के समापन अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालबाग मैदान में आयोजित जनजातीय परंपराओं और संस्कृति पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण कर जनजातीय समाज के जीवन में उपयोग होने वाले उत्पादों, हस्तशिल्प और कलाओं की जानकारी ली।

केंद्रीय गृह मंत्री ने ढोकरा शिल्प, टेराकोटा, वुड कार्विंग, सीसल कला, बांस व लौह शिल्प, जनजातीय वेशभूषा एवं आभूषण, तुम्बा कला, जनजातीय चित्रकला, वन औषधि, स्थानीय व्यंजन तथा लोक चित्रों पर आधारित प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने कहा कि बस्तर की संस्कृति भारत की आत्मा का जीवंत स्वरूप है।

प्रदर्शनी में दंडामी माड़िया, अबूझमाड़िया, मुरिया, भतरा एवं हल्बा जनजातियों की पारंपरिक वेशभूषा और आभूषणों का प्रदर्शन किया गया। जनजातीय चित्रकला के माध्यम से आदिवासी जीवन, प्रकृति और परंपराओं की सजीव झलक प्रस्तुत की गई। वहीं, वैद्यराज द्वारा वन औषधियों का जीवंत प्रदर्शन भी किया गया।

स्थानीय व्यंजन स्टॉल में जोंधरी लाई के लड्डू, मंडिया पेज, आमट, चापड़ा चटनी, कुलथी दाल, पान बोबो, तीखुर जैसे पारंपरिक व्यंजन तथा लांदा और सल्फी पेय पदार्थ प्रदर्शित किए गए।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि ÷बस्तर पंडुम जनजातीय संस्कृति को सहेजने और अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। राज्य सरकार जनजातीय कला, शिल्प और परंपराओं के संरक्षण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।÷

इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री ने बस्तर पंडुम की बारह विधाओं की प्रतियोगिता में विजेता दलों से भेंट कर उन्हें बधाई दी। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, विधायक किरण सिंह देव सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

'बस्तर पंडुम–2026' संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के विजेता

जनजातीय नृत्य	गौर माड़िया नृत्य (बुधराम सोढ़ी, दंतेवाड़ा)
जनजातीय गीत	पालनार दल (मंगली एवं साथी, दंतेवाड़ा)
जनजातीय नाट्य	लेखम लखा (सुकमा)
जनजातीय वाद्ययंत्र	रजऊ मंडदी एवं साथी (कोण्डागांव)
जनजातीय वेशभूषा	गुंजन नाग (सुकमा)
जनजातीय आभूषण	सुदनी दुग्गा (नारायणपुर)
जनजातीय शिल्प	ओमप्रकाश गावड़े (कोया आर्ट्स, कांकेर)
जनजातीय चित्रकला	दीपक जुर्री (कांकेर)
जनजातीय पेय पदार्थ	भैरम बाबा समूह (उर्मीला प्रधान, बीजापुर)
जनजातीय व्यंजन	ताराबती (दंतेवाड़ा)
आंचलिक साहित्य	उत्तम नाईक (कोण्डागांव)
बस्तर वन औषधि	राजदेव बघेल (बस्तर)

संभाग स्तरीय बस्तर पंडुम–2026 का समापन: गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह और चेक प्रदान कर किया सम्मानित

आदिवासी संस्कृति, कला और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन, सुकमा के जनजातीय नाट्य ने बिखेरा जलवा

बस्तर संभाग की गौरवशाली संस्कृति, कला और परंपराओं के संरक्षण हेतु आयोजित 'बस्तर पंडुम 2026' में सुकमा जिले ने सफलता का परचम लहराया है। जगदलपुर के लाल बाग मैदान में आयोजित इस भव्य संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में सुकमा के जनजातीय नाट्य दल विधा को उनकी उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से नवाजा गया। देश के गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सुकमा के कलाकारों को स्मृति चिन्ह और 50 हजार रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

कला का जीवंत चित्रण

मुड़िया जनजाति के 13 सदस्यीय दल (9 पुरुष, 4 महिला) ने दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसे ताड़ का पत्ता, मयूर पंख, तीर–धनुष और मछली पकड़ने के जाल का कलात्मक प्रयोग कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

संस्कृति के संरक्षण की अनूठी पहल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बस्तर के पारंपरिक नृत्य, गीत, खानपान, शिल्प और आंचलिक साहित्य के मूल स्वरूप को सहेजना और स्थानीय कलाकारों को एक बड़ा मंच प्रदान करना है। प्रशासन की इस पहल से न केवल विलुप्त हो रही विधाओं को संजीवनी मिल रही है, बल्कि जनजातीय समूहों के सतत विकास का मार्ग भी प्रशस्त हो रहा है।

सुकमा के कलाकारों ने जीती प्रतियोगिता

कलेक्टर अमित कुमार के मार्गदर्शन और जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के कुशल प्रबंधन में सुकमा जिले से 12 विधाओं के कुल 69 कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। प्रथम स्थान कोंटा विकासखंड के सुदूर ग्राम पंचायत कोंडासांवली के आश्रित गांव पारला गट्टा की टीम ने नाट्य विधा में बाजी मारी।

इन कलाकारों ने बढ़ाया जिले का गौरव

कोंटा विकासखंड में स्थित पारला गट्टा निवासी कलाकार लेकम लक्ष्मा, प्रकाश सोड़ी, विनोद सोड़ी, जोगा सुदाम और उनकी टीम ने अपनी प्रतिभा से सुकमा जिले को गौरवान्वित किया है। कलाकारों की इस सफलता में नोडल अधिकारी मनीराम मरकाम और पी निवास राव का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने कलाकारों को संभाग स्तर तक पहुंचाने और प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाई।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर रजबंधा मैदान प्रेस काम्पलेक्स रायपुर से प्रकाशित, समाचार संपादक-संदीप दीवान, RNI NO.CHHHIN/2012/41806
(पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी) फोन : 0771-3526755, 6262188999, Gmail: navpradesh@gmail.com